

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 2, 1982 (पौष 12, 1903)

1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 2, 1982 (PAUSA 12, 1903)

त भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अनग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और भालेंवापरीक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, 110011, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

मं. ए. 12024/2/80-प्रशा. 1 (1)—संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमाली 1958 के विनियम 7 द्वारा प्रदत्त कार्यालयों के अधीन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, भा. व. से. 1969 के अधिकारी तथा संप्रति अवर सचिव श्री ए. प्यू. मैडल को 2-12-81 से 3 मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से उप सचिव के पद पर अवृद्ध आधार पर थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए महर्ष नियकत करते हैं।

मं. ए. 12024/2/80-प्रशा. 1(11)—संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमाली के विनियम 7 द्वारा प्रदत्त कार्यालयों हे अधीन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, के. स. से. के स्थायी डॉ-1 अधिकारी श्री प्यू. के. कृष्णन को 2-12-1981 से 3 मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प सचिव के पद पर तर्वर आधार पर थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए गहर्व नियुक्त करते हैं।

य. ग. मंधी
अवर सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 8 दिसम्बर 1981.

सं. आ. दा. 1612/81-स्थापना—राष्ट्रपतिजी, डा. पुरनधन्द नियम को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी अफिसर प्रेष-1। (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 16 नवम्बर 1981 के पूर्वान्तर से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

मं. आ. दा. 1713/81-स्थापना—राष्ट्रपतिजी, डा. जन्ताथ को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी अफिसर प्रेष-1। (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 30 नवम्बर 1981 के पूर्वान्तर में डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

मं. आ. दा. 1714/81-स्थापना—राष्ट्रपतिजी, डा. नरोथम राव जागीरी को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी अफिसर प्रेष-1। (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 30 नवम्बर

1981 के अपराह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 दिसम्बर 1981

सं. डी. एफ. 7/81-स्थानिक-भै एस. पी. श्रीवास्तव, उप-पूलिम अधीक्षक, है. डी. पी. सेल, सहानिदेशालय, के. ग्र. पु. बल की संख्या 30-11-81 (पूर्णाहन) से आई. वी. (गृह मंत्रालय) को डॉक्टरेशन वैमिस पर सौंपी जाती है।

ए. के. सूरी,
सहायक निदेशक (स्थानिक)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व
दृष्टि दिल्ली-2, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

सं. प्रश्ना. 1/का. आ. 348--निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व उत्तराखण्ड कार्यालय के श्री आर. एन. बंसल स्थानापन्न ले. प. अधिकारी को 840-1200 रु. के स्थान में दिनांक 1 दिसम्बर 1981 (1-12-81) से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

ह. अपठनीय
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा (प्रश्ना.)

महालेखाकार कार्यालय-1, नारायणी

बंगलौर-560001, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

सं. स्था. 1/ए. 4/81-82/854--महालेखाकार ने स्थायी अनुभाग अधिकारी, श्री एम. टी. श्रीनिवास अध्यात्मार, को केवल स्थानिक लेखा अधिकारी के रूप में, उनके दरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, उनके कार्यभार ग्रहण करने के सारीख से पदोन्नत किया है।

वि. अ. महाजन
विरिज्ञ उपमहालेखाकार (प्रश्ना.)

कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रूपेक)

मद्रास -18, दिनांक 16 नवम्बर 1981

केन्द्रीय सर्विल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) में निहित शर्तों के अधीन जारी किया गया संदो समाप्ति का आवेदन।

सं. प्रश्ना. 11/8318876--केन्द्रीय चिकित्सा सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) में निहित शर्तों के अनुसार मैं, एततद्वाग्य श्री गृह. वर प्रसाद, अस्थायी लेखा परीक्षक, लेखा सं.---8318876 की सेवा तत्काल समाप्त करता हूँ और निवेश देता हूँ, कि कह कॉटिस की अवधि के दौरान, अपने वेतन और भर्तों का दाना उसी स्तरीय के समान करने का हकदार हूँ जिसको वह अपनी सेवा समाप्त के तुरन्त पहले प्राप्त कर रहा था वथवा जैसा भी भासला था, उम अवधि तक जिसमें इस नोटिस की अवधि महीने से कम पड़ती है।

2. सेवा समाप्त का आदेश श्री वर प्रसाद, अस्थायी लेखा परीक्षक (नं. सं.---8318876) को रजिस्ट्रिक्ट डॉक इवान भेज

दिया गया था किंतु वह न छुड़ाए जाने के कारण वापिस प्राप्त कर लिया गया।

एम. स्वामीनाथन
नियंत्रित प्राधिकारी
रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रूपेक) मद्रास

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

सं. प्रश्ना. 1/1402/जिल्द-1--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उका सेवा के वरिष्ठ समयमान (संख्ये-1100-50-1600) में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, महर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम नाम सं.	नियुक्ति की तारीख
1. श्री जी० के० मैनन	7-11-81
2. श्रीमती प्रीति मोहन्ती	28-7-81
3. श्री युहाम बनर्जी	15-7-81
4. श्री श्रीशेखर कुमार चोपड़ा	13-7-81

दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. प्रश्ना. 1/1847/5/जिल्द-1---श्री गौर जीवन मिश्र, आई. डी. ए. एस. दुवारा दिनांक 31-5-82 के 58 वर्ष की आयु (उनकी जन्मतिथि 1-6-1924 होने के कल स्वरूप) प्राप्त कर लेने पर उन्हें दिनांक 31-5-82 (अपराह्न) से पंशन स्थानान्तर को अन्तरिगत कर दिया जायेगा और हदनुसार वे मौतिक नियमावली के नियम 56(ए) की प्राप्ति के अनुसार, दिनांक 31-5-82 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संस्था बल पर नहीं रहेंगे।

आर. के. माथूर
रक्षा लेखा उपर महा नियंत्रक (प्रश्नासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेस फैक्टरियां सेवा

आईनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 4 नवम्बर 1981

सं. 42/जी०/81--राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को टी०एस० श्रौ०/सहायक प्रबन्धक की श्रेणी में, उनके सामने दर्शाई गई तारीख से, पुष्ट करते हैं :—

नाम एवं पद
पुष्ट करण
की तारीख

1. श्री जयतिलक विश्वास,
ट्रैक्टर इ०ए०डी०जी० 7-2-7

1	2	1	2
2. श्री टी० एफ० डेकुन्हा, स्थानापन्न डी० एम० (अवकाश प्राप्त)	7-2-77	22. श्री के०सी०एम० राव, स्थानापन्न डी०एम०	7-2-77
3. श्री अनिल कुमार सिंह, स्थानापन्न डी०एम०	7-3-77	23. श्री सुकुमार कोले, स्थानापन्न डी० एम०	8-7-77
4. श्री टी०के० विजयराधवन्, स्थानापन्न डी०ए०डी०जी०	19-3-77	24. श्री के० पी० गुहाराय, स्थानापन्न ए०एम०	8-7-77
5. श्री ए०एस० पुन्दले, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77	25. श्री यू० कुलश्रेष्ठ, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77
6. श्री एस० एच० टानू, स्थानापन्न डी० एम०	19-3-77	26. श्री एस० जोसेफ, स्थानापन्न डी० एम०	7-5-77
(अवकाश प्राप्त)		27. श्री जे० पी० शर्मा, स्थानापन्न डी० एम०	7-6-77
7. श्री ए०पी० लिपाठी, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77	28. श्री एन०के० श्रीवास्तवा, स्थानापन्न डी० एम०	4-3-77
8. श्री एस० सी० तालुकदार स्थानापन्न डी०एम०	19-3-77	29. श्री सी० एम० वसे र- स्थानापन्न डी० एम०	8-7-77
9. श्री एम०जी० पाठक, स्थानापन्न डी० एम०	9-3-77	30. श्री आर० सी० अरोरा, स्थानापन्न डी० एम०	3-3-78
(अवकाश प्राप्त)		31. श्री एस० राजागोपालन्, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77
10. श्री शी० के० जैन, स्थानापन्न डी० एम०	4-6-77	32. श्री आर० के० दीक्षित,- स्थानापन्न डी० एम०	3-3-78
11. श्री ए०एन० प्रसाद, स्थानापन्न डी० एम०	7-5-77	33. श्री लक्ष्मण कुमार, स्थानापन्न डी० एम०	29-3-77
12. श्री आर० एम० गुप्ता, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77	34. श्री आर० पी० नायर, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77
13. श्री एच० एस० पुन्दले, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77	35. श्री आर्ह० शी० डी० गुप्ता, स्थानापन्न डी० एम०	3-3-78
14. श्री आर० एम० भिसे, स्थानापन्न डी० एम०	19-3-77	(अवकाश प्राप्त) ।	
(अवकाश प्राप्त)		36. श्री मेहर सिंह, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77
15. श्री एम०के० खुराना, ए०एम०, (परखावधि) (सेवामुक्त)	27-6-77	37. श्री पी० के० भौमिक, स्थानापन्न डी० एम०	1-6-77
16. श्री अशोक कुमार, स्थानापन्न डी० एम०	7-3-77	38. श्री डी० पी० घोष, स्थानापन्न ए० एम०	3-3-78
17. श्री सरोज कुमार घोष, स्थानापन्न डी० ए०डी०जी०	19-3-77	(अवकाश प्राप्त)	
(अवकाश प्राप्त)		39. श्री नन्द कुमार, स्थानापन्न डी० एम०	1-3-77
18. श्री पी० पी० राव, स्थानापन्न डी०एम०	7-2-77	40. श्री भूर्णसिंह, स्थानापन्न डी० एम०	27-4-77
19. श्री एन०दे०	19-3-77	41. श्री एम०बी० बनर्जी, स्थानापन्न ए० एम०	3-3-78
स्थानापन्न डी० एस० भ्रो०		(अवकाश प्राप्त)	
(अवकाश प्राप्त)		42. श्री महेश प्रसाद, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77
20. श्री पी० सी० अरोरा, स्थानापन्न डी० एम०	25-3-77		
21. श्री डी० आर० नागपाल, स्थानापन्न डी० एम०	7-2-77		

1	2	1	2
43. श्री पी० के० सान्धाल, स्थानापत्र डी० एम०	10-6-66	64. श्री राजेन्द्र कुमार, स्थानापत्र डी० एम०	17-1-78
44. श्री ग्री० पी० यादव, स्थानापत्र डी० एम०	7-5-77	65. श्री एस० के० सेनगुप्ता, स्थानापत्र डी० ए०.डी० जी० (अवकाश प्राप्त)	3-3-78
45. श्री ए० के० सरकार, स्थानापत्र डी० एम०	10-5-77	66. श्री राकेश बाबू, स्थानापत्र डी० एम०	29-4-78
46. श्री पी० सी० मिश्रा, स्थानापत्र डी० एम०	25-5-77	67. श्री शहाब अहमद, स्थानापत्र डी० एम०	17-2-78
47. डा० संजय कुमार धोप, स्थानापत्र डी० एम०	1-7-77	68. श्री जी० ए० परेरा, स्थानापत्र डी० एम० (अवकाश प्राप्त)	29-4-78
48. श्री ए० के० सुरेन्द्रनू, स्थानापत्र डी० एम०	2-12-77	69. श्री सी० पी० गुप्ता, स्थानापत्र डी० एम०	17-2-78
49. श्री जे० पी० अलेंगविकर, स्थानापत्र डी० एम० (अवकाश प्राप्त)	3-3-78	70. श्री जी० सी० बनर्जी, स्थानापत्र टी० एस० ग्रो० (अवकाश प्राप्त)	29-4-78
50. श्री के० के० गर्वा, स्थानापत्र डी० एम०	13-1-78	71. श्री एस० सी० मलहोत्रा, स्थानापत्र डी० एम०	25-11-77
51. श्री डी० एम० गुप्ता, स्थानापत्र डी० एम०	8-11-77	72. श्री एस० एन० पाटिल, स्थानापत्र डी० एम०	2-1-77
52. श्री टी० के० कुमार, स्थानापत्र ए० एम० (अवकाश प्राप्त)	3-3-78	73. श्री ग्री० रेणो, स्थानापत्र ए० एम० (अवकाश प्राप्त)	2-7-77
53. श्री एस० एन० वला, स्थानापत्र डी० एम०	7-2-78	74. कुमारी आर० ए० अर्जीज, स्थानापत्र डी० एम०	25-5-78
54. श्री मुशील ठाकुर, स्थानापत्र डी० एम०	31-3-78	75. श्री ए० के० हाईकवाल, स्थानापत्र डी० एम०	1-1-77
55. श्री के० जी० गुप्ता, स्थानापत्र डी० एम०	18-11-77	76. श्री एम० एल० बोहरा, स्थानापत्र ए० एम० (अवकाश प्राप्त)	25-5-78
56. श्री रामन गम्बर, स्थानापत्र डी० एम०	7-2-78	77. श्री शशीधर डीमरी, स्थानापत्र डी० एम०	23-12-76
57. श्री जी० मुखर्जी, स्थानापत्र ए० एम० (अवकाश प्राप्त)	3-3-78	78. श्री पी० के० सेठ, स्थानापत्र डी० ए० डी० जी०	16-12-76
58. श्री प्रकाश तारायण, स्थानापत्र डी० एम०	10-2-78	79. श्री एस० बेंकट रामन, स्थानापत्र डी० एम० (अवकाश प्राप्त)	25-5-78
59. श्री एस० आर० अग्रवाल, स्थानापत्र डी० एम०	3-1-78	80. श्री एस० के० डोगरा, स्थानापत्र डी० एम०	23-12-76
60. श्री वी० सुन्दररामनू, स्थानापत्र ए० एम० (विवरण)	3-3-78	81. श्री एस० देसीगन, स्थानापत्र डी० एम०	24-7-76
61. श्री के० एस० गुप्ता, स्थानापत्र डी० एम०	17-2-78	82. श्री एस० एस० सागर, स्थानापत्र डी० एम०	2-1-77
62. श्री वी० कुण्ड मूर्ति, स्थानापत्र डी० एम० (अवकाश प्राप्त)	3-3-78	83. श्री वी० पी० महापात्र, स्थानापत्र डी० एम०	21-1-78
63. श्री ए० के० शुक्ला, स्थानापत्र डी० एम०	9-12-77		

1	2	3	1	2	3
84.	श्री एस० एस० चक्रवर्ती, स्थानापन्न डी० एम० ।	25-5-78	105.	श्री के० एस० कुमुन्द, स्थानापन्न डी० एम० ।	6-6-78
85.	श्री एस० एस० खोट, स्थानापन्न डी० एम० ।	30-11-77	106.	श्री डी० बी० सिंह, स्थानापन्न डी० एम० ।	12-8-78
86.	डा० एस० आर० चक्रवर्ती, स्थानापन्न डी० एम० ।	29-4-78	107.	श्री एस० के० सरखेल, स्थानापन्न डी० एम० ।	25-6-78
87.	श्री एस० सी० माजी, स्थानापन्न डी० एम० ।	7-1-78	108.	श्री ए० के० अद्वीपाध्याय, स्थानापन्न डी० एम० ।	23-2-79
88.	श्री के० एन० पाई, स्थानापन्न ए० एम० । (अवकास प्राप्त)	29-4-78	109.	श्री पी० आर० सरकार, स्थानापन्न डी० एम० ।	4-8-78
89.	श्री पी० बी० फारास, स्थानापन्न डी० ए० जी० डी० ।	10-3-78	110.	श्री डी० के० गुप्ता, स्थानापन्न डी० एम० ।	4-8-78
90.	श्री बी० सी० मंडल, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ।	21-11-77	111.	श्री पी० जी० नायर, स्थानापन्न डी० एम० । (सेवा मुक्त)	30-7-78
91.	डा० क्वाजी अली, स्थानापन्न डी० एम० ।	11-4-78	112.	श्री सी० ए० वाज, स्थानापन्न ए० एम० । (अवकास प्राप्त)	0-7-78
92.	श्री एस० एन० नरसिंहन, स्थानापन्न डी० एम० ।	10-7-78	113.	श्री सुचा सिंह, स्थानापन्न डी० एम० ।	1-9-78
93.	श्री एस० एन० रायचौधुरी, स्थानापन्न ए० एम० । (अवकास प्राप्त)	10-7-78	114.	श्री एस० के० रामनाथन्, स्थानापन्न डी० एम० ।	10-7-78
94.	डा० राम संची, स्थानापन्न डी० एम० ।	10-4-78	115.	श्री पी० कुम्मरप्पन्, स्थानापन्न डी० एम० । (अवकास प्राप्त)	17-10-78
95.	श्री ए० के० कलसी, स्थानापन्न डी० एम० ।	28-4-78	116.	श्री के० पी० पांडा, स्थानापन्न डी० एम० ।	30-1-79
96.	डा० डी० बी० एल० रेवल, स्थानापन्न डी० एम० ।	3-4-78	117.	श्री राजेश कुमार, स्थानापन्न डी० एम० ।	27-2-79
97.	डा० ए० के० खोस, स्थानापन्न डी० एम० ।	10-4-78	118.	श्री सुघेन्दु दास, स्थानापन्न डी० एम० ।	13-4-79
98.	श्री एस० के० पाण्डे, स्थानापन्न डी० एम० ।	29-4-78	119.	श्री दीवार सिंह तोहरा, स्थानापन्न डी० एम० ।	13-4-79
99.	श्री बी० के० पंडिता, स्थानापन्न डी० एम० ।	30-5-78	120.	श्री एस० एम० वप्पू, स्थानापन्न डी० एम० ।	27-10-78
100.	श्री उमेश चन्द्र, स्थानापन्न डी० एम० ।	9-7-78	121.	श्री एस० एम० यूक्ता, स्थानापन्न डी० एम० ।	10-9-79
101.	श्री आर० आर० यादव, स्थानापन्न डी० एम० ।	23-5-78	122.	श्री एस० के० बासु, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० (दिवंगत)	10-9-79
102.	श्री आर० के० शर्मा, स्थानापन्न डी० एम० ।	14-4-78	123.	श्री बी० राजा रामन्, स्थानापन्न डी० एम० ।	29-10-78
103.	श्री डी० के० सरकार, स्थानापन्न डी० एम० ।	1-10-78	124.	श्री भो० पी० मिश्रा, स्थानापन्न डी० एम० ।	30-10-78
104.	श्री अशोक कुमार, स्थानापन्न डी० एम० ।	31-7-78			

1	2	1	2
125. श्री टी० आर० ए० राव, स्थानापन्न डी० एम० । (अवकाश प्राप्त)	10-9-79	146. श्री जे० के० लाहिरी, स्थानापन्न डी० एम० ।	24-11-77
126. श्री एन० कथन्दपाणी, स्थानापन्न डी० एम० ।	27-10-78	147. श्री एस० के० बेरी, स्थानापन्न डी० एम० ।	10-12-77
127. श्रा ए० के० दंसगुप्ता, स्थानापन्न डी० एम०	27-10-78	148. श्री के० के० भट्टाचार्जी, स्थानापन्न डी० एम० । (अवकाश प्राप्त)	10-12-77
128. श्री बी० के० सी० संधी, स्थानापन्न डी० एम० ।	1-4-79	149. श्री आई० एन० दत्ता, स्थानापन्न डी० एम० ।	24-12-77
129. श्री राजेन्द्र कुमार जैन, स्थानापन्न डी० एम० ।	30-1-79	150. श्री आर० गुरुपरान, स्थानापन्न डी० एम० ।	5-3-78
130. श्री आर० के० दीक्षित, स्थानापन्न डी० एम० ।	1-7-79	151. श्री एन० पी० बिश्वास, स्थानापन्न डी० एम० ।	27-7-77
131. श्री एस० एस० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न डी० एम० ।	21-1-79	152. श्री एस० एन० पी० रावला, स्थानापन्न डी० एम० ।	10-12-77
132. श्री बी० येसु, स्थानापन्न डी० एम० ।	31-10-78	153. श्री पी० ए० देव, स्थानापन्न डी० एम० ।	19-4-79
133. श्री बी० के० तिवारी, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०	14-5-79	154. श्री ए० के० बसु, स्थानापन्न डी० एम० ।	19-4-79
134. श्री के० के० रस्तोगी, स्थानापन्न डी० एम० ।	13-5-79	155. श्री बी० जे राजाह, स्थानापन्न डी० एम० (अवकाश प्राप्त)	16-7-78
135. श्री एच० एम० सिंह, स्थानापन्न डी० एम० ।	1-6-79	विनांक 2 विसम्बर 1981	
136. श्री एस० के० दत्ता, स्थानापन्न डी० एम० ।	14-5-79	सं० 47/जी०/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन प्रेड)/ डी०डी०जी०ओ०एफ०स्टर-11 के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—	
137. श्री एस० एस० पांल, स्थानापन्न डी० एम० । (अवकाश प्राप्त)	1-6-79	1. श्री ओ० पी० मेहरोदा, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/प्रेड-I	1-11-81
138. श्री पी० के० दास, स्थानापन्न डी० एम० ।	31-5-79	2. श्री ए० के० वाम, स्थानापन्न ए०डी० जा० ओ० एफ०/प्रेड-1	1-11-81
139. श्री आर० एस० पुरी, स्थानापन्न डी० एम० ।	29-5-79	सं० 48/जी०/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधि- कारियों को स्थानापन्न संयुक्त महाप्रबन्धक/महाप्रबन्धक प्रेड-I ए० डी०जी०ओ०एफ० प्रेड-I के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—	
140. श्री जे० एस० सैनी, स्थानापन्न डी० एम० । (अवकाश प्राप्त)	29-5-79	1. श्री आर० जी० बौधीरी, स्थानापन्न प्रिसिपल ।	3-9-81
141. श्री बी० के० केशल, स्थानापन्न डी० एम० ।	10-6-79	2. श्री एम० पी० शर्मा, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81
142. श्री महेश कुमार, स्थानापन्न डी० एम० ।	4-6-79	3. श्री डी० नटराजन०, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81
143. श्री एम० के० पांल, स्थानापन्न डी० एम० ।	7-6-79	4. श्री आर० एन० सिंह, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81
144. श्री ए० बन्देपाठ्याय, स्थानापन्न डी० एम० ।	21-5-79		
145. श्री डी० बी० के० राव, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ।	16-7-79		

5. श्री जी० एस० नायडू, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81	15. श्री आर० के० शान्तिल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81
6. श्री वी० एस० श्रयर, स्थानापन्न ए०डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-ना	3-9-81	16. श्री वी० गांधी, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81
7. श्री डी० एस० पी० श्रीवास्तवा, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81	17. श्री ओम० प्रकाश, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81
8. श्री वी० एन० एस० माथुर, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81	सं० 50/जी० 81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/टी०एस०ओ० के पद पर, उनके सामने वर्षायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—	
9. श्री पी० बासुदेवन, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81	1. श्री पी० सी० बोस, स्थानापन्न फोरमैन (तदर्थ आधार पर)	1-6-81
10. श्री पी० के० सोनी, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81	2. श्री सी० एम० आउल, स्थानापन्न फोरमैन (तदर्थ आधार पर)	1-6-81
11. श्री ए० के० गुहा, स्थानापन्न प्रिसिपल ।	3-9-81	3. श्री एम० एल० इरिया, स्थानापन्न स्टोर होल्डर (तदर्थ आधार पर)	1-6-81
12. श्री तेजा सिंह, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक ।	3-9-81	4. श्री टी० आर० स्वामीनाथन् स्थानापन्न स्टोर होल्डर (तदर्थ आधार पर)	1-6-81
सं० 49/जी० 81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/टी०ए०डी०जी०ओ० एफ० के पद पर उनके सामने वर्षायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—		5. श्री एम० पी० पिलाय, स्थानापन्न फोरमैन (तदर्थ आधार पर)	29-7-81
1. श्री मानिक धोष, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-8-81	6. श्री आई० एन० खसा, स्थानापन्न फोरमैन ।	7-7-81
2. श्री एम० एम० अंगेलाले, अस्थायी सहायक प्रबन्धक ।	31-8-81	7. श्री एस० गणेशन्, स्थानापन्न स्टोर होल्डर (तदर्थ आधार पर)	1-6-81
3. श्री जे० एल० मिश्र, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	30-9-81		
4. श्री एन० एम० कालानी, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	30-9-81		
5. श्री एम० के० जैन, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	30-9-81		
6. श्री ए० के० वेश्वराम, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	30-9-81		
7. श्री आदित्य मिश्र, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	30-9-81		
8. श्री आर० एल० कुलकर्णी, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	30-9-81		
9. श्री नरेन्द्र कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81		
10. श्री सुनील कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81		
11. श्री के० एम० गुप्ता, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81		
12. श्री अशोक कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81		
13. श्री आर० जी० मन्दगावकर, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81		
14. श्री के० टी० मोहननं, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ।	31-10-81		

दिनांक 4 दिसम्बर 1981

मं० 51/जी० 81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न अपर महानिवेशक आडैनैस फैक्टरियां/सदस्य के रूप में उनके सामने वर्षायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—

श्री मी० एस० गौरीशंकरन, 16वी० नवम्बर, 1981
स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-1

सं० 52/जी० 81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न सहायक महानिवेशक आडैनैस फैक्टरियां स्तर-1 के रूप में उनके सामने वर्षायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—

श्री एस० एस० गाव, 20 वी० नवम्बर, 1981
स्थानापन्न सहायक महानिवेशक,
आडैनैस फैक्टरियां स्तर-1।

दिनांक 7 दिसम्बर 1981.

सं० 53 जी० 81—वार्षिक निवृत्ति आय प्राप्त कर, श्री सुनील कुमार बोस, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) विवांक 31-10-81 (अपराह्न) से सेवा निवृत्ति होगी।

वी० कौ० मोहननं,
स्थानापन्न महानिवेशक आडैनैस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 11 दिसम्बर 1981.

सं. जूट (ए) / 147/58---पटसन आयुक्त एतद्वारा, श्री आर. एल. गला अधीक्षक जो अब राष्ट्रीय पटसन निर्माण नियम कलकत्ता में प्रतिनियुक्त है, वे तौर पर है, को उपचारार्थ पदान्तर्हात प्रशासनिक अधिकारी के रूप में रु. 650-30-740-35-880-द. रो. -40-960/- की वंशनामान में 25 नवम्बर 1981 से स्वीकृत करते हैं जिस दिनांक को उनको दूसरे कीनिष्ठ श्री के. एल. राय को उपरोक्त पद पर पदोन्नति किया गया।

के. एल. राय,
प्रशासनिक अधिकारी
कलकत्ता पटसन आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

आद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं. 12/25/61-प्रशासन (गजपत्रित)---गाष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हूबली के उप निदेशक (चर्म/पादका) श्री एस. ए. मनगुली को दिनांक 6 अगस्त, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, संस्थान में निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पादका) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 दिसम्बर 1981

सं. ए-19018/518/81-प्रशा. (राज.)---गाष्ट्रपतिजी, श्री ए. वी. पेंड्स को दिनांक 5 महाराष्ट्र, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मध्यास में सहायक आद्योगिक अधिकारी (डिजाइनर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

सं. प्र.-6/247(416)/63---राष्ट्रपति, निरीक्षण निवेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) श्री पी. गजपतिराज को दिनांक 20-11-81 के पूर्वाह्न से आरी आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निवेशक, मंद्रास के अधीन बंगलार उप कार्यालय में सहायक निवेशक निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सेवा श्रूप ए इंजीनियरी शासा, के ग्रेड 111) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. प्र 6/247(423)---राष्ट्रपति, निरीक्षण निवेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) श्री डी. चट्टर्जी को दिनांक 7-11-1981 के पूर्वाह्न से आरी आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण

अधिकारी (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सेवा श्रूप "ए", इंजीनियरी शासा के ग्रेड 111) के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम. जी. मैनन,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और सान मंत्रालय

(सान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं. 4810 डी/ए-19012 (आर्स्ट-ओ पी एस) / 80-19ए---श्री ओ. पी. सचदेव को आर्टिस्ट के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. 40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने 2-9-81 के पूर्वाह्न गं नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1981

सं. 7743बी/ए-32013(ए बो) / 78/19ए---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एन. के. पमिन को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810 द. रो. -35-880-40-1000 द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, केन्द्रीय क्षेत्र नागपूर के प्रशासनिक उपाधिकारी ए. आर. विश्वास के अवकाश सिवित के स्थान पर 6-4-81 के पूर्वाह्न से 15-6-81 तक पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 7754बी/ए-32013(6-सनिज विज्ञानी) (वरिष्ठ) / 79/19ए---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सनिज विज्ञानी (कनिष्ठ) श्री एस. चट्टर्जी को सनिज विज्ञानी (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 1100-50-1600 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 27-8-81 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं. 7765बी/ए-19012(1-बी के डी) / 80-19ए---श्री विकास कुमार द्वारा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000 द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 4 भित्तिमात्र 1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 7778बी/15/72/ए. जी. बी/19बी---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रस्तकाध्यक्ष श्री एस. बी. घोष को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 27 ज्नाई, 1981 के अपराह्न से मुक्त किया गया ताकि वे भारतीय राष्ट्रीय दैज्ञानिक प्रलेख केन्द्र, नई दिल्ली में प्रलेख अधिकारी (ख) के पद का कार्यभार 2 वर्ष की अवधि के लिए लियन पर ग्रहण कर सके।

दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. 7900बी/ए-31013/ए. ओ/81-19सी---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के हिन्दी अधिकारी श्री श्री. आर. शर्मा को हिन्दी अधिकारी (श्रूप "ख" राजपत्रित) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में दिनांक 23-3-1980 से पूर्वाह्न की जा रही है।

ग्र. 7908बी/ए-30011/2/81-1981—श्री एम. के. पाल को सहायक नागर-लखा-अधिकारी के पद पर भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में दिनांक 10-8-81 से स्थायित्व घोषित किया जा रहा है।

म. 4963डी/ए-19011(4-के आर के)/78-1981—खनिज समन्वयण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कापोरेशन लि.) में स्थाई भर्ती होने के फलस्वरूप श्री के. आर. कटोच, डिल्ली ने भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 12-9-79 (पूर्वाह्न) से त्याग-पत्र दे दिया है।

जे. स्वामीनाथ,
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महा सर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

म. स्था-1/5775/पी. एफ. (म. न.)—डाक्टर (श्रीमती) सनीता नंदवाली, चिकित्सा अधिकारी, जिन्हें भारतीय सर्वेक्षण विभाग में; सामान्य विविल सेवा ग्रप “बी” सेवा में (कांट्रैक्ट मासिक वेतन आधार पर) नियुक्त किया गया था, द्वारा दिया गया त्यागपत्र दिनांक 15-9-81 (पूर्वाह्न) से स्वीकृत किया जाता है।

दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. स्था-1/5776/881-अधिकारी—डाक्टर (श्रीमती) कंचन घोरा, एम. बी. बी. एस. को ज्योतिरी एवं अनुसंधान शास्त्र औषधालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में सामान्य सिविल सेवा ग्रुप “बी” सेवा में महिला चिकित्सा अधिकारी के पद पर दिनांक 6-11-81 (पूर्वाह्न) से 650 रु. प्रतिमाह वेतन पर कांट्रैक्ट (मासिक वेतन) आधार पर अधिकृतम् 6 महीने की अधिकृत तक (90 दिनों की प्रत्येक अवधि के बाद में एक दिन का विच्छेद करके) या उस अवधि तक के लिए जब तक कि उक्त औषधालय में किसी नियमित डाक्टर की हीनती नहीं कर ली जाती, जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है। वह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिनांक 27-1-81 के पत्र म. ए-12026/12/78 सी. एच. एस. आई. के अनुसार सभी प्रकार के भर्ते, जिसमें प्रैक्टिस न करने के भर्ते आईं भी भविमिलत हैं, पाने की हकदार होंगी।

तुथापि यह भी स्पष्ट किया जाता है कि अधिकारी का इस नियमित सं अधिकारी व्यवहार के लिए कोई हक अथवा नियमित पद पर चयन, जो भी हो, के लिए कोई अधिकार नहीं होंगा।

जी. सी. अग्रवाल, डिग्नोडियर,
भारत के महासर्वेक्षक

सूचना ग्रंथ प्रमाण भंगालय

फिल्म प्रभाग

दस्तावेज़-26, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

म. 6/68/56-पी.बी.वी.(1)---मूल्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री एस. आर. दोरेस्वामी स्थानापन कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को दिनांक 4-11-1981 के पूर्वाह्न से नया बनाया हुआ मूल्य कैमरामैन के पद पर उसी कार्यालय में नियुक्त किया है।

2-396GT/81

श्री एच. आर. दोरेस्वामी की नियुक्ति अलग आदेश जारी होने तक तदर्थ रूप में की गई है।

एस. के. राय,
स्वास्थ्य प्रशासनिक अधिकारी
कृत मूल्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

सं. ए. 12026/25/80-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के. जी. नायर को 31 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक कलावसी सरण बाल अस्पताल, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए. 38013/1/81 (मूल्य प्रशासन-1)—सेवा निवारन की आय के हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के अनुभाग अधिकारी श्री एल. एन. अग्रवाल, 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से मरकारी सेवा ग्रंथालय हो गए हैं।

टी. मी. जैन
उप निदेशक प्रशासन
(संगठन एवं पदधूति)

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

सं. ए. 19019/9/81-के. ए. स्वा. यो.-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. (श्रीमती) बीना जौहरी को 13 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

टी. एस. राव,
उप निदेशक प्रशासन (के.ए.स्वा.यो.)

ग्रामीण पूर्वनिर्माण मंत्रालय

विषयालय एवं नियोजित निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. ए. 39013/1/81-प. ट.---श्री एम. एम. एस. गुप्ता द्वारा दिए गए त्यागपत्र की स्वीकृति के पश्चात इस निवारन शालय में मद्रास में दिनांक 28-11-81 (अपराह्न) से उन्होंने स्वास्थ्य विषयालय अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी. एल. मनिहार
निदेशक प्रशासन
कृत विषयालय सलाहकार
भारत सरकार

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बस्तावेज़-400085, दिनांक 2 दिसम्बर 1

सं. पीए/68 (6)/77-आर-।---निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री नागेश सदाशिव मंदेश्वर की वैज्ञानिक अधि-

कारी/हजारीनियरी ग्रेड एस. बी. पद पर नियुक्ति का, इस अनुसंधान केन्द्र में 28 फरवरी 1982 अपराह्न में 28 फरवरी 1983 तक निश्चित समयावधि के लिए बढ़ाते हैं।

बा. रा. पाटगांवकर
उपस्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं. एल/341/आर 5/स्थापना-1/3047--निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री माहेन वैकटेश लोकपुर, अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड एस बी द्वारा इस अनुसंधान केन्द्र में प्रवत्त सेवाओं से दिये गये त्यागपत्र को 15-10-1981 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

कृ. एच. बी. विजयकर,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं. म. क्र. वि./200(15)/81-प्रशासन--क्रय भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री बी. श्रीपत राव स्थायी भंडारी को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रु. 650-30-740-35-810 द. रो. 35-880-40-1000 द. रो. -40-1200 के बेतन क्रम में इसी निदेशालय के मद्दास अणु शक्ति भंडार विभाग में दिनांक 17-8-1981 से दिनांक 14-12-1981 (अप.) तक के लिए तदर्थ नियुक्त किया है।

टी. एस. बी. अम्यर
प्रशासन अधिकारी-11

नाभिकीय ईंधन समिक्षा

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं. का प्र भ/0704/6107--नाभिकीय ईंधन समिक्षा के मूल्य कार्यपालक जी, प्रबरण श्रेणी लिपिक श्री पी. गजगोपालन को, नाभिकीय ईंधन समिक्षा में अवकाश रिक्ति के पद पर, तदर्थ आधार पर, दिनांक 27-10-1981 से 25-11-1981 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ना ई स/का प्र भ/0705/6118--नाभिकीय ईंधन समिक्षा के मूल्य कार्यपालक जी, सहायक लेखापाल श्री मी. आर. प्रभाकरन की, नाभिकीय ईंधन समिक्षा में तदर्थ आधार पर, दिनांक 16-11-1981 से 24-12-1981 के अवधि पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

जी. जी. कल्कणी,
प्रबन्धक,
कार्मिक व प्रशासन

हैदराबाद-500762, दिनांक 17 नवम्बर 1981

लाइन

सं. ना ई स/का प्र 5/2606/3186/1987--जब कि यह आरोपित किया गया कि 'नाभिकीय ईंधन समिक्षा के मद्दास 'अ' श्री बी. प्रकाश दिनांक 26-9-1980 के बाद

से काम पर से अप्राधिकृत अनपरिस्थित रहे और उसके द्वारा नाभिकीय ईंधन समिक्षा के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 39 (5), और केन्द्रीय नायरिक सेवा (आधारण) नियम 1964 के नियम 3 (1), (11) व 3 (1) (11) के नियमों के अंतर्गत उल्लंघन कर कबाजरण का कार्य किया।

और जब कि उक्त श्री प्रकाश को ज्ञापन सं. ना ई स/का प्र 5/2606/3186/733 दिनांक 8-4-81 के द्वारा उनके विरुद्ध आरोप एवं प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दी गई।

और जब कि उनके निवासीय पते अर्थात् नि. सं. 1-24, नाभाराम, हैदराबाद-501 507 पर पावती मह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 8-4-81 का ज्ञापन डाक प्राधिकारियों द्वारा दिना वितरित किए इन अभियुक्तों के साथ लौटा दिया गया 'इस पते पर एम्सा कोइ व्यक्ति नहीं है-प्रेषक को लौटा दिया जाए।'

और जब कि ज्ञापन सं. ना ई स/का प्र 5/2606/3186/1073 दिनांक 27-5-81 के द्वारा आरोप की जांच करने के लिए एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया।

और जब कि दिनांक 20-6-81 को जांच अधिकारी अपनी प्रतिवेदन (प्रतिलिपि संलग्न है) को प्रस्तुत करते हुए बताया कि उक्त श्री बी. प्रकाश की उपस्थिति को मूलिकता दिनांक 20-6-81 की जांच रपट समिलित है, को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस अनियम निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री प्रकाश को सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जाय।

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इस मामले के कागज पत्र, जिनमें दिनांक 20-6-81 की जांच रपट समिलित है, को आधार पर आरोप सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस अनियम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री प्रकाश पर सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जाय।

और जब कि दिनांक 18-8-81 को उनके निवासीय पते पर पावती मह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित उक्त ज्ञापन डाक प्राधिकारियों द्वारा दिना वितरित किए लौटाया गया।

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इस मामले के कागज पत्र, जिनमें 18-8-81 का जांच रपट समिलित है, के आधार पर आरोप सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस अनियम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री प्रकाश पर सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जाय।

अतः, अब, अधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन समिक्षा के स्थायी आदेश के अनुच्छेद 43 को परमाणु उर्जा विभाग के आदेश सं. 22(1)/68-प्रशा-11 दिनांक 7-7-79 के साथ संयोजित करते हुए, उनमें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री बी. प्रकाश को तत्काल प्रभाव से सेवा से निष्कासित करते हैं।

पी. गोपालन
प्रशासनिक अधिकारी

श्री बी. प्रकाश,
1-24, नाभाराम,
हैदराबाद-501507

तारापुर परमाणु विजलीथर

तारापुर-401 504, दिनांक 9 नवम्बर 1981

सं. टी.ए.पी.एस./1/34(1)/76-आर(खंड VI)
22054--मूल्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीथर, परमाणु

उड्ज्ञा विभाग, तारापुर परमाणु विज्ञानीयर के निम्नलिखित कर्मचारियों को इसी विज्ञानीयर में दिनांक 1-8-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए अस्थायी तौर पर वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी घोड़ एस बी के रूप में नियुक्त करते हैं :

क्र. सं. नाम और पदनाम

1. श्री के. मूरतीधरन, वैज्ञानिक सहायक (सी)
2. श्री एन. एन. आर. मूरती, वैज्ञानिक सहायक (सी)
3. श्री जे. बैनजी, ट्रेड-समैन (जी)
4. श्री के. बी. राउत, ट्रेड-समैन (जी)
5. श्री अशोक कुमार मृप्ता, वैज्ञानिक सहायक (बी)

पी. उण्णीकृष्णन,
प्रध्य प्रशासक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलार-560009, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

सं. 10/5(37)/79-सि.इ.प्र. (मुख्या.)/10, 197--
अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के श्री ए. जी. अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के श्री ए. जी. यूवसेन, फॉरमैन (वैद्युत) की इंजीनियर "एस. बी." के पद पर इसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप में दिनांक अप्रैल 1, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदान्तरित करते हैं।

श्री ए. जी. यूवसेन के इंजीनियर एस. बी. के रूप में वेतन और भत्ते कार्यालय आदेश सं. 10/5(37)/79-सि.इ.प्र. (मुख्या.) दिनांक अप्रैल 30, 1981 के अनुसार नियमित होंगे।

हस्ता.

एम. पी. आर. पाणिकर,
प्रशासन अधिकारी-।।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं. ए० 32014/1/81-ई०ए०—महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को, प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से अन्य आवेदन होने तक, रु० 650-30-740-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के घोड़ में नियमित आधार पर नियुक्त किया हैः—

क्रम सं०	नाम	तारीख
1	2	3
सबे श्री :		
1.	एम० एस० मलिक	19-9-81
2.	के० सी० विश्वास	19-9-81
3.	बी० बी० दिवाकर	19-9-81
4.	एस० एल० विश्वास	19-9-81
5.	सी० बी० पद्मायक	19-9-81
6.	एस० ए० कुण्णन	19-9-81
7.	सी० बी० रायसिंहानी	19-9-81
8.	एस० सी० दास	19-9-81
9.	इन्ड्रजीत सिंह	19-9-81

1	2	3
सर्वश्री :		
10.	बाई० पी० साहनी	19-9-81
11.	जी० बी० सिंह	19-9-81
12.	एम० एस० राष्ट्र	19-9-81
13.	जे०पी० कपूर	19-9-81
14.	एन० सी० एडबोर	19-9-81
15.	पी० एन० धनराज	19-9-81
16.	ए०सी० जैसल	19-9-81
17.	जै०सी० कर्टनिया	19-9-81
18.	डी० के० जैन	19-9-81
19.	डी०एन० वास	2-11-81 (अपराह्न)
20.	पी० आर० दिवान	17-10-81
21.	बी० बनर्जी	23-10-81
22.	ई० जोजफ	12-10-81
23.	एन० बालासुभाष्यन्	12-10-81
24.	एस० बी० काम्बसे	12-10-81
25.	एच० बी० खराडे	13-10-81 (अपराह्न)

सं. ए० 32014/2/81-ई०ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए अधिकारी पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी के घोड़ में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। इन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, बमरौली इलाहाबाद में तैनात किया गया है।

क्रम सं०	नाम	तारीख
सर्वश्री :		
1.	एल० राजेन्द्रन	12-10-81
2.	आई० डी० डोलकिया	12-10-81
3.	एस० डब्ल्य० एम० राव	15-10-81
4.	पवित्रा विश्वास	12-10-81
5.	जे० स्टेनिसलास	12-10-81
6.	एम० श्री० कुरैशी	15-10-81
7.	आर० एच० अव्यर	12-10-81
8.	बी० रंगनाथन्	12-10-81
9.	एच० एन० विसंल	12-10-81
10.	जी० एस० मिरानी	12-10-81
11.	आर० के० कपूर	12-10-81
12.	आर० एल० रोडा	12-10-81
13.	ए० आर० मित्रा	15-10-81
14.	जी० सी० सरकार	15-10-81
15.	आर० आर० सक्सेना	12-10-81
16.	के० एस० हजारे	12-10-81

सुधाकर गुप्ता,
उप निदेशक (प्रशासन),

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32014/1/80-ई.एस.—सहानिवेशक नागर विभाग ने श्री डी. एस. वर्के, भण्डार सहायक की भण्डार अधिकारी (समूह “ख” पद) के पद पर की गई तबर्थ नियुक्ति को, आगे दिनांक 9 अप्रैल; 1982 तक की अवधि के लिए अधिवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सामान्य शर्तों पर जारी रखने की मंजूरी दी है।

दिनांक 11 दिसम्बर 1981

सं. ए. 39012/5/81-ई.सी.—राष्ट्रपति ने रॉडियो निर्माण और विकास एकक के श्री कुलदीप सिंह, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी का सिविल सेवा परीक्षा, 1980 के आधार पर समूह “क” पद पर चुनाव से जाने पर दिनांक 31-8-81 (अप्रैल) से उनका त्याग पश्च स्वीकार कर लिया है।

प्रेस चन्द्र,
सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32014/1/81-ई. डब्ल्यू.—20-8-81 की अधिसूचना सं. ए. 32014/1/81-ई. डब्ल्यू. के क्रम में सहानिवेशक नागर विभाग ने श्री विश्वामित्र सिंह, वरिष्ठ अग्नि शमन फोरमैन को आगे दिनांक 1-9-81 से 28-2-82 तक छः भास की अवधि के लिए अधिवा सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में तबर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. उपरोक्त नियुक्ति के कारण वे न तो इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का बावा करने के हक्कावार होंगे और न ही इस ग्रेड में उनकी सेवा वरिष्ठता तथा अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के लिए गिरी जाएगी।

ई. एल. ट्रैसलर,
सहायक निवेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं. ए. 19012/982/81-स्था.पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को रु. 650-30-740-35-810-द० रो. 35-880-40-1000-द० रो. 40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में उनके नामों के सामने वी गई तारीखों से, छः माह की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी और तबर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

तथा तबर्थ आंधिकार पर एतद्वारा स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्रम अधिकारी का नाम तथा अतिरिक्त पदस्थापन का

सं. पदनाम सहायक निवेशक स्थान

शक सहायक

इंजीनियर

का प्रभार

संभालने की

तारीख

1 2 3 4

सर्वेश्वी :—

1. पी० के० मजूमदार, पर्यवेक्षक	25-11-81 योजना (पूर्वाह्न) प्रगति निवेशालय
2. के० के० अश्व, पर्यवेक्षक	12-11-81 जल विज्ञान (पूर्वाह्न) (लघु आवाहन) निवेश

मेहंगा राम, अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. ए. 19012/981/81-स्था. पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री शैलेन्द्र कुमार, अभिकल्प सहायक की अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्थ रूप में रु. 650-30-740-35-810-द० रो. 35-880-40-1000-द० रो. 40-1200 के वेतनमान में 4 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न में छः महीने की अवधि के लिए अधिवा इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी और तबर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए. भट्टाचार्य,
अवर सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मन्त्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कायलिय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स काप्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. 2129—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन साल के अवमान पर काप्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिट कर दी जाएगी।

देवेन्द्रनाथ पेम्,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दहली एवं हरियाणा

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

सं. एफ. 48 एडी(एटी)/81—अधिवर्षिता की आय को प्राप्त हो जाने से श्री एम. क. दलबी, भाहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, पुणे न्यायपीठ, पुणे सरकारी सेवा से दिनांक 30 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

टी. डी. सरला,
अध्यक्ष

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1981

सं. एफ. 71-एडी(एटी)/80—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 255 की उपधारा (5) क्षुवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए आय-कर अपील अधिकरण एतेव्वारा निम्नलिखित नियम बनाते

1. ये नियम आय-कर (अपील अधिकरण) द्वितीय संशोधन नियम, 1981 कहे जायेंगे और ये प्रथम अप्रैल, 1972 से लागू समझे जायेंगे,

2. आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम-2 में, (1) खण्ड (iii) के स्थान पर निम्नलिखित बोलों को प्रतिस्थापित कीजिये, नामत:—
“(iii) ‘न्यायपीठ’ में अभिप्रेत है धारा 255 की उपधारा (1) के अधीन गठित इस अधिकरण का न्यायपीठ और जिसमें शासिल है अधक्ष या उपाध्यक्ष या सदस्य जो उपर्युक्त धारा की उपधारा (3), के उपबन्धों के अधीन अकेले बैठते हों या उन्हीं उपबन्धों के अधीन विशेष न्यायपीठ में बैठते हों”
(2) खण्ड (ix) के बाय, निम्नलिखित खण्ड को जोड़ दीजिये, नामत :—

(x) “उपाध्यक्ष” से अभिप्रेत है इस अधिकरण उपाध्यक्ष से,”

अपील अधिकरण के आदेश से,

जी. पी. वाजपेयी,
पंजीकार

प्रह्ल थाई. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 26 नवम्बर 1981

निदेश सं. आर. थे. सी. नं. 190/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. दुकान नं. 20 है, जो सागर विव,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (वन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर स्वस्तीक बीलडर्स, 1-2-524/3, दामलगुडा,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए. कृष्ण रेड्डी (2) श्रीमती ए. उषा देवी
पोस्ट वुल्बाक क्षाया दारापल्ली, निभामावाद जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्तापरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृगसूची

दुकान नं. 20 इन ग्राउंड फ्लार, सागर विव, 1-2-524/
3, दामलगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्रीकूट विलेख नं. 2026/81ए
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द
सक्षम प्रा
सहायक आयकर आयकर (नि
अर्जन रेज, है

तारीख: 26-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद.

हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवैश सं. आर. ये. सी. नं. 191/81-82-यत: मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 1-1-79 है, जो मसीराबाद,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हथमान प्रतिफल से, एसे हथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तथ
पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

- (1) करीमुनीसा दुगम पति लेट भूमताज बेग खान
(2) इफतकार बेग पिता लेट भूमताज बेग खान
(3) कु. अंजुम जहां पिता लेट भूमताज बेग खान
यह सभी तीनों का जी. पी. ए. सयद शाहा नूर अली,
मलक पेट, हैदराबाद है।
(अन्तरक)
- मेमस भाग्यनगर स्टुडीओं प्रा. लि. बंजारा हौल्स
हैदराबाद।
एम. जी. श्री बी. रामस्वामी, 8-2-402, पहली
मंजिल, रोड नं. 5 बंजारा हौल्स, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपर्युक्त के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ड होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी एकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, मिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

नं. 1-1-79, वीस्टीर्ण 280 चौ. गज, मसीराबाद, हैदराबाद,
रजिस्ट्रीकूल विलेल नं. 2343/81 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-11-1981
माहर :

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस.-----

ग्रामकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संसदीय आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 192/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. 11-6-839 है, जो रेड हील्स,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, मे, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बूँदेश्वान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के लिए तर आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य ने उक्त प्रन्तरण नियम में वास्तविक रूप में कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रत्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित अंकितों, वर्णितः—

1. श्री शाहमत अली खान पिता वालशन प्रीन्स मउज़भम जहा
वाहादुर, 11-6-839 फुर्न विला, रेड हील्स,
हैदराबाद।
2. (1) सयद मुसा कादरी पिता शाह अब्दुल रजाक
कादरी।
(2) सयद तारक कादरी पिता मयद मसा कादरी,
14-1-449, आगापुरा, हैदराबाद।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के व्यायाय 20-क में परिभाषित है, वही
ग्रन्थ होगा जो उस व्यायाय में दिया गया है।

मृगूल्लमी

भूमि विस्तीर्ण 1335.50 चौ. गज. उसार लडी इमारत के
साथ धर नं. 11-6-839, रेड हील्स, हैदराबाद का भाग
रजिस्ट्रीकूट विलेल नं. 2856/81 है। रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्रम प्राधिकारी
संसदीय आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 26-11-1981

मोहर :

प्रैरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 193/81-82-—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी नं. 2-2-1105/21 है जो निलकन्तगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाधान अनुमूली से और पूर्ण-
रूप से दर्पण है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाधर्मोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

3—396GT/81

1. श्री मधुकर राव लक्ष्मण राव गाण, 3-4-494/1,
बरकतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एस. गोपाल रेड्डी पिता कॉडल रेड्डी
(2) श्री एस. जगन्नाथ, 2-2-1105/21, तीनक-
नगर, हैदराबाद-500044.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मन्जील का वर एम. नं. 2-2-1105/21, तीनकनगर,
हैदराबाद में स्थित है। रजिस्ट्रीक्रित विनोल नं. 1705/81 है।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 28-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयन्त्र (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. भी. नं. 194 81-82—यतः म.भके,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 6-3-864 है, जो अमीर दंट,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल 1981

को पूर्णांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म.भके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री बी. दिजयवर रेड्डी पिता लेट डा. बी. व्ही.
रेड्डी रहने का ठोकाया बैंगन-नाउन फार्म, बांदन
पल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमति बी. ज्योति रेड्डी पति बी. रामचंद्र रेड्डी
सादत मंजील, घर नं. 6-3-864, अमीर पट,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं. 6-3-864, अमीर पट हैदराबाद का परिचय भाग है
विस्तोर्ण 1967 चौ. गज। रजिस्ट्रीकूत विलेय नं. 2487/81
है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 28-11-1981
माहूर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निदर्शन सं. आर. ये. री. नं. 195/81-82 यत: मुझे,
प्रम. गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन संधार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं. 16-6-13 है, जो चादरघाट,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण-
रूप से दर्णित है), रजिस्ट्रीकूर अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 द्वा. 16)
के अधीन अप्रैल 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रदूषण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया ग्राही प्रतिफल,
निम्नलिखित उत्तरदैश्य से उक्त अंतरण लिखित में दाखिलीक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था दिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—1. श्रीमती ए. अनुसूयमा पति लंट श्री ए. वारम्या,
9-3-77, रेजीमठल बाजार, सीकन्दराबाद।
(अन्तरक)2. श्री महेशचन्द्र आगरवाल पिता श्री मोहन लाल आगर-
वाल 15-2-403, सीदबार बाजार, हैदराबाद।
(अन्तरिती)कं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कुली जमीन प्रम. नं. 16-6-13, विस्तीर्ण 698 चौ. मी.
चादरघाट, हैदराबाद में स्थित है। रजिस्ट्रीकूर विलेख नं.
1940/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।प्रम. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-12-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई, टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

1. श्री आ. विजयवर स्टेंडो पिता लेट डा. आ. व्ही. 217/1, रेजीसेंट बाफार, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
2. श्री नरेशवन्द आगंरवाल पिता श्री मोहनलाल आगंरवाल 15-2-403, सीन्डबरबाफार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. यं. सी. नं. 196/81-82— यतः मुझे,
प्रम. गोविंद राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्येक उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 16-6-16 है, जो चादरघाट, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण-
रूप संबंधित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सं हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तिदा
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अथ: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
का अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

खुली अमीन एम. नं. 16-6-16, वीस्टीर्ण 690 चौ. मी.,
चादरघाट, हैदराबाद के पास स्थित है। रजिस्ट्रीकूट दिलेस नं.
1941/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

अर्जन रँज, हैदराबाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख: 1-12-1981

माहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसंबर 1981

निर्देश सं. आर. शे. मी. नं. 197/81-82--यतः मूर्मे,
म. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), वी धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 16-6-17 और 18 है, जो चादरघाट,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण-
द्वय से दर्शाया है), राजस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
ने भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्मे यह दिशान्व
रुने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रत्यसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री ए. यादगीरी पिता जेट श्री ए. बेकट्ट्या,
9-2-217, रंजीमेंट बाजार, सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)
- (1) श्रीमती प्रम्लता आमरदाल पति श्री मुर्शेचंद
आमरदाल।
(2) श्रीमती मुलीबाड पति श्री माहत्ताल अमरदाल,
15-2-403, सीदबग्दाजार, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किरी व्यक्ति द्वारा :
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, तो अन्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सूली जमीन एम. नं. 16-6-17 और 18 विस्तीर्ण 690 जौ.
मी. चादरघाट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1942/81।
राजस्ट्रीकृत अधिकारी अधिकारी हैदराबाद।एस. गोविन्द राजन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबादतारीख : 1-12-1981
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 198/81-82-यत: मभौ,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 16-6-19 है, तथा जो चारूराट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए प्रतिक्रिया दी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए दृश्यमान प्रतिक्रिय का पश्चात् प्रतिक्रिय से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रता अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसारण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए. मानम्प्या पिता लेट श्री ए. कॉकट्या, 9-2-173, रेजीमेंट बाजार, सिक्किम-राजावाद। (अन्तरक)

(2) श्री उमेशचंद आगरवाल पिता श्री मोहनलाल आगरवाल 15-2-403, सीदंबर बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त उत्तर—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अड्डाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा जो उस अड्डाय में दिया गया है।

अनुसूची

बूली जमीन एम. नं. 16-6-19, चारूराट, हैदराबाद। विस्तीर्ण 680 चौ. मी.। रजिस्ट्रीक्रूट विलेख नं. 1943/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 1-12-1981
माहर :

प्रस्तुति दो० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 199/81-82-यत: मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभीन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 16-6-15 है, तथा जो बादरपाट, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबृथ अन्सूची में और पूर्ण रूप सं
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत; उक्त अधिनियम के अधीन उक्त देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अभ्यासितयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं हिया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्रीमती ए. गदरम्मा परित लेट ए. वैकटम्या, 9-2-
217, रंजीमेंट बाजार, सिकंदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री सतीशचंद आगरवाल पिता श्री मोहनलाल आगरवाल
15-2-403, सीदबर बाजार, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में प किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अभ्यासित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपायकरण:—इसमें प्रयुक्त प्रबंधों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिमाणित है, वे अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

स्त्री जमीन एम. नं. 16-6-15, विस्तीर्ण 652 चौ. मी.,
चावरधाट, हैदराबाद। रजिस्ट्रीक्रूट विलेस नं. 1944/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीख: 1-12-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक । दिसम्बर 1981

निवेश सं. आर. ए. सी. नं. 200 81-82—यतः मृभे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 16-6-20 है, तथा जो चादरधाट, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपग्रेड अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें हृदयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मदिधा
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरीत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् :—

(1) श्रीमती ए. नागरतनम्मा पति ए. शीरुलम, घर नं.
9-2-220, रोजीगेट बाजार, मिक्रोग्राम।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुनीवाहू आगरवाल एवं ५८ महेनलाल
आगरवाल, 15-2-403, सीषबर बाजार, हैदरा-
बाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एम. नं. 16-6-20, विस्तीर्ण 590 चौ. भी.,
चादरधाट, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं. 1945/81।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख : 1-12-1981

मासूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रोयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा
269-२ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 201/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-२ के अधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसको सं. 16-6-14 है, जो चादरघाट, हैदराबाद में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के
अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
सचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
चहेय में उक्त प्रतिकरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बनवा अथवा आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-२ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-२ की उपाधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों; घर्षातः—
4—396G1/81

1. श्री ए. विद्योद कुमार पिता ए. वीरेण्या, ९-३-७८,
रेजीमेंट बाजार, फ़िक्कराबाद।
(अन्तरक)
2. श्री सुरेशचन्द्र आमरवाल पिता श्री मोहनलाल, घर
नं. 15-2-403, सीदबाबार, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह मूचना बारा करने पूर्वान्तर सम्पत्ति के अवैत के
विषय कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रथमिया तक अवैती अवित्तियों पर
मूचना की नामील से 30 दिन की प्रथमिया, जो भी
प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
अवित्तियों में से किसी अवित्त क्षारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवसु
किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रबोचनाधारी के पास
लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही शब्द दोनों, जो उम्म प्रधायाय में दिया
गया हैं।

अनुसूची

सूली जमीन एम. नं. 16-6-14, विस्तीर्ण 570 थो. मी.,
चादरघाट, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1946/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-12-1981

माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गरकाई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निवेदन सं. आर. ये. सी. नं. 202/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम पारिकारी को, मह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है और
और जिसकी सं. 12-2-823/ए/24 है, जो संतोष नगर
कोलनी, हैदराबाद में स्थित है (उससे उपाजबूथ अनुसूची में
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को नाशीलय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बूबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारायण गांडौकर पिता श्री कृष्ण राव, धर नं.
11-3-116, दिजयनगर कोलनी, हैदराबाद।
(अन्तरक)
- (2) श्री इमतीयाज़दी सोद्दीकी पिता लेट आइज़ाफ़ूद-
दीन सिद्दीकी 23-1-644/बी., माना पुरा,
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

खूली जमीन का भाग एम. सी. नं. 12-2-823/ए/
24, संतोष नगर कोलनी, गुडीमलकापूर, महेंद्रगढ़न, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकृत दिनांक नं. 2199/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-12-1981

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 1 दिसम्बर 1981

निदेश सं. आर. वे. सी. नं. 203/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है और

और जिसकी नं. 1-7-317 और 318 हैं, जो पार्क लेन,
सिक्कदराबाद विधान हैं (और जिससे उपावदाय अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिक्कदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती उमसीया रजस पिता एम. ए. करीम
11-4-169/7, बाभारधाट, हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. मेसूर राहुल द्रान्सपोर्ट प्रा. लि. आश्रेष्टर, श्री
एस. जी. देसाई पिता एस. एन. देसाई, 2-4-
97, रामगोपालपेट, सीकंदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एम. नं. 121/ए (पुराना) और नया नं. 1-7-317 और
318, पार्क लेन, सिक्कदराबाद। विस्तीर्ण 133-07 चौ.
गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 246/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सिक्कदराबाद।

एस गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-12-1981

मोहर :

प्रृष्ठप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 204/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी सं. 1-7-317 और 318 है, जो पार्क लेन, सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुमती मा और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, एसे दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री भोद्धमद अम्बुल लाल दर पिता एम. ए. करीम, घर नं. 3-6-361/51, बसीरबाग, हैवराबाद।
(अन्तरक)

2. मेसर्स राहुल ट्रान्सफोर्म प्रा. लि. डाइरेक्टर श्री एस. जी. वेसाइ पिता एस. एन. वेसाइ 2-4-97, रामगोपालपेट, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

एम. नं. 121/ए (पुराना) और नया नं. 1-7-317 और 318, पार्क लेन, सिकंदराबाद। विस्तीर्ण 133-07 ओ. गज। रजिस्ट्रीकृत दिलेख नं. 245/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकंदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैवराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-12-1981
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती भूलाकी एम. अब्दुल्ला पिता एम. ए. कर्गेम 79/मी. रामगोपालपट, सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) मैसर्स राहुल ट्रांसपोर्ट प्रा. लि. डाइरेक्टर श्री
एस. जी. वेसाई पिता एस. एस. वेसाई, 24-
97, रामगोपालपट, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ये. मी. नं. 205/81-82—यतः मझे,
एस. गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गम्भीर प्रांतिकरण का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पादन, जिसका जारीन बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी नं. 1-7-317 और 318 है, जो पार्क लेन,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें लपाद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वादालय,
मिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अप्रैल, 1981को पूर्वोक्त संपर्कित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमानक संतुलित जो उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य गे उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक
रूप में क्रोधित कहो किया गया है—(क) अन्तरण में हाई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः मझे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभास (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अधोस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एम. नं. 121/ए (पुराना) और नया नं. 1-7-317 और
318, पार्क लेन, सिकन्दराबाद। विस्तीर्ण 133-07 चौ.
रज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 244/81 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी
सिकन्दराबाद।एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख : 1-12-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 1 दिसम्बर 1981

निवेदित सं. आर. ये. सी. नं. 206/81-82—ग्रह: मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1-7-317 और 318, है, जो पार्क लेन,
सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रोत्तफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिपादा जा
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र के अन्तरण
में, जो उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तियों, व्यक्तिगत-

(1) श्री गुलामदस्तगीर पिता एम. ए. करीम, 79/
सी, रामगोपालपेट, सिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) मर्स्स राहुल द्रांसपोर्ट प्रा. लि. डाईरेक्टर श्री
एस. जी. दंसाई पिता एस. एन. दंसाई,
2-4-97, रामगोपालपेट, सिकन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एम. नं. 121/ए, (पुराना) और नया नं. 1-7-317 और
318, पार्क लेन, सिकन्द्राबाद। विस्तीर्ण 133-07 चौ. गज।
रजिस्ट्रीकृत विनेक नं. 243/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सिकन्द्राबाद।

एस गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख: 1-12-1981

माहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

(1) श्रीमती सकीना बशीरुख्बीन अहमद पिता एम. ए.
 करीम 11-4-1968, वामारबाद, हैदराबाद।
 (अन्तरक)
 (2) मैमर्स राहुल दामपोर्ट प्रा. लि. डाइरेक्टर श्री
 एम. जी. देसाई पिता एम. एन. देसाई, 2-4-
 97, रामगोपालपेट, गिरिनद्रावरद।
 (अन्तरिमी)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के असरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

एम. नं. 121/ए (पुराना) और नया नं. 1-7-317 और 318, पार्क लन, सिकन्द्राबाद। विस्तीर्ण 133.07 चौ. गज। रजिस्ट्रीकूट विलेख नं. 243/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्द्राबाद।

एस गोविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-12-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स तिम्मा नरसिम्मा नागलकशमी वरम द्रस्ट
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जी. वरदराजन

(अन्तरीक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश सं. 156/डाक्टरल/81—यतः मर्फ, आर. गव-
चन्द्रन,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विशेष करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उद्दिष्ट दाता गुल्म
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. एस. सं. 203/1 (वार्ड सं. 17) है तथा
जो मन्त्रालयोंट रोड, साटटूर से स्थित है (जो इससे
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय माटटूर (आक्टमेट सं. 827/81) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 3-4-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल तो लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्राक्तिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण में हूई दिली जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उभयन में संविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

[भूमि एस. सं. 203/1 (वार्ड सं. 17) मन्त्रालयोंट
रोड, साटटूर आक्टमेट सं. 827/81]।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए;आर. गवचन्द्रन
मन्त्रालयोंट
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-11-1981

माहर :

प्राक्षप प्राई. डी. एन. एस.——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 नवम्बर 1981

निवेद्य सं. जी. आई. आर. संख्या सी-32/अर्जन—
अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा यात्रा है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकार प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है औरऔर जिसकी संख्या सी-878 है तथा जो महानगर हाउसिंग
स्कीम, सेक्टर डी, महानगर, लखनऊ में स्थित है (और
इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रिकेशन अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
29-5-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिगत से परिष्कृत है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनालय अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आमिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;भरत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुवरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--
५-३९६ GT/81

१. श्रीमती बीना पानी मिशनर

(अन्तरक)

२. श्रीमती चित्रा मुखर्जी

(अन्तरिती)

३. श्री बीनापाणि मिशन

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन भी प्रविष्ट या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविष्ट बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

पट्टे का भूखण्ड संख्या सी-878 पैयमायशी 2967 अर्गफीट
स्थित महानगर हाउसिंग स्कीम, सेक्टर डी, महानगर, शहर
लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी
संख्या 3621/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 29-5-1981 को किया जा
चुका है।अमर सिंह बिसेन
सकार प्राविकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊतारीख: 16-11-1981
गोहर:

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 नवम्बर 1981

निदेश सं. जी. आई० आर. संख्या एस॒ 221/अर्जन—
अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि व भवन है तथा जो ग्राम हरैया
पोखरा बाशरतपुर परगना-हवेली तहसील सदर गोरखपुर में स्थित
है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोरखपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
19-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन का केने के अन्तरक के दायित्व
में रूपी करने या उससे अचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती कमलादेवी

(अन्तरक)

2. श्री मर्दन नाथ एडवोकेट

(अन्तरिती)

3. श्रीमती कमलादेवी व किरायेदारगण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

सम्बोधित व्यक्ति:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रयोग 20 क में परिभाषित है,
वही अर्थ दोगा, जो उत्त प्रयोग में दिया गया है।

अमृसूची

जमीन जिस पर मकान व जमीन शामिल है जिसका क्षेत्रफल
7178 वर्गफुट है जो ग्राम हरैया पोखरा, बाशरतपुर परगना हवेली
तहसील सदर, जिला गोरखपुर में स्थित है तथा वह सम्पूर्ण
सम्मति जो सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 3882 में वर्णित
है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टर गोरखपुर के कार्यालय में
दिनांक 19-5-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 16-11-1981

मालूम :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती जे. खन्ना (कमान्डर)

(अन्तरक)

व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स स्वरूप कॉमिकल्स प्राइवेट लिं. (कम्पनी)
रीड. आफिस बाटर बर्सरोड, लखनऊ।
(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

3. उपरोक्त अन्तरिक्ती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

अर्जन रैंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 नवम्बर 1981

निदेश मं. जी. आई. आर. मंस्या एस.-222/अर्जन—
अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या बी-969 है तथा जो महानगर हाउसिंग
स्कीम, महानगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपान्दध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय लखनऊ में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-5-1981
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्त) और अंतरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उपदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की कामत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
और/या

(ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

पट्टे को भूखण्ड संख्या बी-969 पैमायशी 16,049 वर्ग
फीट स्थित महानगर हाउसिंग स्कीम महानगर, शहर-लखनऊ
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जे संख्या
3354 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-राजस्ट्र लखनऊ
के कार्यालय में दिनांक 15-5-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

तारीख : 16-11-1981

मांहूर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलोर

बैंगलोर, विनायक 10 नवम्बर 1981

निक्षेप सं. 368/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन.
 ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर.एस. नं. 64/2बी/1ए/1ए/1ए फोटो
 नंबर 8 है जो हुबली रोड धारवाड में स्थित है (और इसमें
 उपाख्य अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट
 अधिकारी के कार्यालय, धारवाड अंडर डाक्यूमेंट नम्बर 168
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
 के अधीन 21 अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बहत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए;
 और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा को लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भूपाल नरेपांड्र मिस्ट्रीकोट (2) श्री रमेश नेमी-
 चन्द्र मिस्ट्रीकोटी शिवानन्द नगर, धारवाड
 (अन्तरक)
 (2) श्री वैंकटेश मद्दुराव बेडुबेट बांबै रेस्टोरेंट,
 गांधी चैक धारवाड
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
 वाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाचेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

हुबली रोड (मार्डन टाकीस के पास), धारवाड में स्थित 10
 गुटा 76 स्क्वायर याडू सुला जगह जिसका प्लाट नं. 8 है और
 आर.एस. नम्बर है 64/2बी/1ए/1ए/1ए।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलोर

तारीख : 10-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री बाबूलाल हजरतसाब संशीकर जयकामराज नगर,
हुबली।

(2) श्री तुकज्या भर्मसा धर्मदास तबीब ल्यांक, हुबली
(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 370/81-82—यतः मृझे, श्रीमती मंजु
माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सि. टि. एम. नंबर 3821 (सिफ़ 1/4
हिस्सा) है, जो विध्यानगर, हुबली में स्थित है (और इसमें
उपांडुध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, हुबली अंडर डाक्युमेंट नम्बर 149
दिनांक 18-4-1981 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 116) के अधीन, 1981
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजुसूची

विध्यानगर, हुबली में स्थित बिल्डिंग जगह संहित (सिफ़ 1/4 हिस्सा) जिसका सि. टि. एस. नं. है 3821।

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलोर

तारीख : 30-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 371/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मन्जु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सि. टि. एस. नम्बर 3821 (सिफ़ 1/4 हिस्सा) है, जो विध्यानगर, हुबली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली अंडर डाक्युमेंट नम्बर 150 दिनांक 18-4-1981 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1981 को पर्वोंकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीरी (अन्तरीरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री हाजी अब्दुलकादर हजरतसाब संशीकर जयचाम-राज नगर, हुबली।
 (अन्तरक)
 (2) श्री तुकज्या धर्मसा धर्मदास नवीब ल्यांड हुबली।
 (अन्तरीरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विध्यानगर, हुबली में स्थित बिल्डिंग जगह सहित (सिफ़ 1/4 हिस्सा) जिसका सि. टि. एस. नम्बर है 3821।

श्रीमती मंजु माधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बैंगलोर

तारीख : 30-11-1981
 मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निवेश सं. 372/81-82—यतः मृमते, श्रीमती मंजु
माधवन,आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक हैऔर जिसकी सं. सि. टि. पृ. नम्बर 3821 (मिर्फ़ 1/4
हिस्सा) है, जो विधानगर, हुबली में स्थित है (और इसमें
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हुबली अंडर डाक्यूमेंट नम्बर 151
विनांक 18-4-1981 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में हर्दि किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाया
के लिए; और/या(म) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहाया
के लिए ।यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन मिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री दांड्हमोहनबाबू हजरतमाबू राजीकर जयन्नाम-
राज नगर, हुबली

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती पवमादार्द्ध धर्मसा धर्मदाम, (2) श्री
मुरजनाथसा धर्मसा, (3) श्री नारायणसा
धर्मसा धर्मदाम नबीब ल्यांड, हुबली

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीर्था करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।प्रष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं तथा उनका वही अर्थ होता जा उम अध्याय में
किया गया है।

मन्त्रीसूची

विधानगर, हुबली में स्थित विल्डिंग जगह महित (केवन
1/4 हिस्सा) जिसका सि. टि. पृ. नम्बर है 3821 ।श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज, बैंगलोरतारीखः 30-11-1981
मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत लिप्तकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर
बैंगलोर, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 373/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सि. टि. एस. नंबर 3821 (सिफ 1/4 हिस्सा) है, जो विद्यानगर, हृष्टली में स्थित है (और इसमें उपावृध अन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हृष्टली अंडर डाकमेंट नंबर 152 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हूँ तकी आय की वापर, उपर्युक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या सहस्र बचने में सुविधा के लिए;

(ब) एंसी तकी आय या तकी भूमि या अन्य आस्तीनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) श्री समू महेश्वर साहब हरजन साहब संशोकर, जय-चामराज नगर, हृष्टली।

(2) (1) श्रीमती पद्मावाई धर्मसा धर्मदाम (2) श्री गुरुनाथसा धर्मसा धर्मदास (3) श्री नारायणसा धर्मसा धर्मदास नवीब क्यांड, हृष्टली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विद्यानगर हृष्टली में स्थित बिल्डिंग जगह सहित (केवल 1/4 हिस्सा) जिसका सी. टी. एस नंबर है 3821।

श्रीमती मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलोर

तारीख 30-11-1981
मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निवारेश सं. सी. आर. 62/32029/81-82/ए. सी.
क्रम. /बी. —यह: मुझे, मंजू भाष्वन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-प्र के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 129, 170 है तथा जो होसकेर गांव में
तथा सं. 5655/2 और 54/1, है जो सोडलूर काटमेड गांव
कोडग में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, मडकरे
में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन ता. 18-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति
भिन्न को वधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री ले. कर्नल पी. पी. करम्बेया 214, टी.
एन. पुरा ले-आउट सिवधार्त नगरम्, मैसूर-
156001।

(अन्तरक)

(2) श्री कलारिकल प्लाण्टेशन्स उसके नाम पर (सहभाग)
कार्य करने वाले श्री के. कोराह सं. 136, रेसी-
डेनसरी रोड, बंगलूर-560025।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वित-
वृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास दिखाया गया है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 251/81-82 तारीख 18-5-81)

काफी खेत सं. 129, 41-21 एकड़ और सं. 170,
2-69 एकड़ हैसकेर गांव में तथा सं. 56, 55/2 और
54/1, 11-75 एकड़ बी. बी. एकड़ और 11-12 एकड़
का, सोडलूर काटमेड गांव, मडकरे (तालुक) कोडग में हैं।

श्रीमती मंजू भाष्वन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, बंगलूरु

तारीख 30-11-1981
मोहर :

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निवेश सं. सं. सी. आर. 62/32366/81-82/ए. सी. क्यू. बी.—यह: मूर्ख, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि राजवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वं सं. 11/1 है, तथा जो अरेकोंपनहल्ली, कसबा होबली, बंगलूर, उत्तर तालुका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 1-4-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनार्कत गंपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिष्पाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मूर्ख अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा. जाकोब यार्डी, विवेंगत सेरेंडे एम. जे. यार्डी के पुत्र, पारे मेट्टोर हॉटेल, मुत्तमबालम, कांटायाम-4, इसके प्रतिनिधि है, श्री एम. के. धामस, सं. 9, रीनियस स्ट्रीट, बंगलूर-251 (अन्तरक)

2. डा. फिलिप्स अलेक्जेंडर, श्री टी. पी. यार्डी के पुत्र, मैनेजिंग ट्रस्टी, इन्डस सेंडिकल सोसायटी ट्रस्ट रहनेवाले स. 16/2 मै. कोम्मास्ट्रीट रोड, बंगलूर। (अन्तरिती)

कहे यह 'सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है'।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1/81-82 ता. 1-4-81)

सर्वं सं. 11/1, तथा जो अरेकोंपनहल्ली, कसबा होबली, बंगलूर, उत्तर तालुका में स्थित है।

पंज. गाधवन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 2-12-1981

मोहर:

प्रकाश पाई= दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बर्जन रोज़, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 7 नवम्बर 1981

निवैश सं. ए. सी. 61/रोज़-IV /कल./1981-82—
यतः मुक्त, के. सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 23,000/- द० से अधिक हैऔर जिसकी सं. है तथा जो थाना-मगरा, जिला-हुगली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुगली में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29-4-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए प्रन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण
है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कह देने के अन्तरक के बाबिल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
शीरुपा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या गा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;जातः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अधीतः—

(1) श्रीमती कमला देवी राय।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना पानी सरकार।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अन्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों में से
किसी अन्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ईतिहास
किसी अन्य अवधि द्वारा अधीक्षित भारी के पास स्थिति
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया जया है।

मन्त्रीसूची

जमीन का माप 10 डेसीमल भूकान समेत, मोजा-रिफतपुर
थाना-मगरा, जिला हुगली पर स्थित।के. सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बर्जन रोज़-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 7-11-1981

मोहर

प्रलेप बाहु.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज्ज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 40/आर.-।।/कल./81-82/
45—यतः मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. दाग नं. -3459 है तथा जो मौजा-बेहला, थाना-
बेहला, 24 परगणा (प. ब.) में स्थित है (और इससे उपावदार
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, एस. आर. आलपुर, 24-परगणा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-4-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तारीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्रीमती गीता रानी बाला।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कामार गांगोली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधने, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए कार्रवा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा की जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

क्षेत्र 2क. 12छ.-मौजा एवं थाना-बेहला, 24-परगणा (प.
ब.) पर खातयान नं. - 927, दाग नं. 3459 के अन्सार।

के. सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज्ज-।।, कलकत्ता-16

तारीख : 1-12-1981
मोहर :

प्रृष्ठ बाई. टी. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी./रेज-11/कल-1981—यतः मुझे,
के. सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वांके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 193 है तथा जो ब्लाक "ए"
बंगुर एविन्यू, थाना-लेक टाउन, कलकत्ता में स्थित है (और
इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी. आर. अलिपुर, 24
परगणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 1-4-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती गीता गोस्वामी एवं अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री नारायणदास आहुजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में भीकए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ हुएगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

(क) अस्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षमित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;क्षेत्र 3 क. 12 छ. 8 वर्गफट (एक तल्ला मकान) मकान नं.
193, ब्लाक "ए" बंगुर, एविन्यू, थाना-लेक टाउन, कल-
कत्ता ।के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1।
54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-वांकी के उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 1-12-1981

माहर :

प्रकल्प आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. कल्याण/जून 81/544/81-82—यतः मुझे, शाशिकान्त कलकणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं. नं. 93-ए1/2 (पाटौ) है तथा जो रामबाग गली नं. 4, माझे चिकिणधर, कल्याण, जि. ठाणे में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निवंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्य है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री प्रभाकर यशवंत सुरतकर
(2) श्रीमती विमलाबाई यशवंत सुरतकर
(3) श्री कमलाकर यशवंत सुरतकर
(4) श्री मधुकर यशवंत सुरतकर
(5) श्री पद्माकर यशवंत सुरतकर
राम बाग, गली नं. 4, कल्याण।

(अन्तरक)

2. श्री टी. एस. नारायणन, सचिव
विश्वभारती सहकारी गृहरचना संस्था
रामबाग, गली नं. 4, कल्याण, जि. ठाणे।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विकासी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत जो सं. नं. 93-ए, 1/2 (पाटौ) रामबाग, गली नं. 4, माझे चिकिणधर, कल्याण, जि. ठाणे में स्थित है। जिसका धोन 249 स्के. मि. है।

(जैसे कि राजस्ट्रीकृत विलेख क्र. 1043 जां जून 1981 को दृश्यम निवंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

शाशिकान्त कलकणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-11-1981
माहर ८

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना 411004, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदैैश सं. सी. 1. 5/एस. आर. कल्याण/जून 81/545/81-82—यतः मुझे, शिक्षकन्त कलंकणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प से अधीन सभी प्राधिकारी को, पहले विधास करने का कारण है कि व्यावर समति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या स. न. 87, प्लाट नं. 5 है सथा जो माजे व्यावरे राजाजी पथ रामनगर डोबिवली (इस्ट) जि. ठाणे में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय द्वायम निवंधक कल्याण में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त गम्भीर के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विधास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरों) और यन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्वरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रहृष्ट नहीं किया गया था या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त है।—

- मैसर्स मार्लंड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी द्वारा इंडो ठाणे द्यन कम्पनी गोखले पथ, ठाणे (अन्तरक)
- केशर कुंज सहकारी ग्रहरखना संस्था मर्यादित राजा-जील रामनगर, डोबिवली (इस्ट) 421201 जि. ठाणे। (अन्तरिती)
- सोसायटी के सभासद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत जो स. न. 87, प्लाट नं., माजे आयारे राजाजी पथ, रामनगर, डोबिवली (इस्ट) जि. ठाणे में स्थित है।
जिसे कि राजस्ट्रीकृत विलेस क. 1009 जो जून 1981 को द्वायम निवंधक कल्याण के दफ्तर में सिखा है।

शिक्षकन्त कलंकणी
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज पूना

तारीख : 19-11-1981

माहूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, पूना 411004

पूना 411004, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. सी. ए./एस. आर. हवेली 11/जून 81/546
/81-82—यतः मुझे, शाशकान्त कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सि. स. नं. 710 बी/19, प्लाट नं. 16 है
तथा जो भवानी पेठ, पूर्ण 2 में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निवंशक हवेली 11 में, राजस्त्रीकरण अधि-
-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981
को ऐरोक्स सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कीदृष्ट नहीं किया गया है ।--

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीनः--

1. श्रीमती गंगा बक्त आजवानी 339, सिंध सोसायटी,
पूर्ण 7
(अन्तरक)

2. आजवानी अपार्टमेंट सहकारी गृहन्युजी संस्था, 710
बी/19, भवानी, पूर्ण 2
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

इमारत जो सि. स. नं. 710 बी/19, प्लाट नं. 16,
भवानी पेठ, पूर्ण 2 में स्थित है।

जैसे की राजस्त्रीकृत विलोख क्र. 1712 जो जून 1981 को
दृश्यम निवंशक हवेली 11 के दफतरों में लिखा है।

शाशकान्त कुलकर्णी
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज पूना

तारीख : 19-11-1981

माहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पना

पुना-411004, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. अवेली-1।/अप्रैल 81/
 547/81-82—यतः भक्ते, शशिकान्त कुलकर्णी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 17-ए. स. नं. 247, 14 बी/1, 1-1ए, अभी 14-बी/1, 1 ए-1, 1ए, 1ए 1ए/1 सि. स. नं. 1462 है तथा जो यरदाडा, ता. हवेली जि. पुणे में स्थित है (जोर इससे उपावदाख अनुमती में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निवंशक हवेली-11 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारोक 30-4-1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विवरास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी वाय की वावत, उसके अधिभियम के अधीन कर वने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वावने में सहित के लिए बार/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

7-396GI/81

- मिस्टर मिनू शावकरा डाक्टर, बंगला नं. 2-ए 1, सं. नं. 247 14बी/1, 1ए-1ए, 1ए/1ए, सि. सं नं. 1462 येरवडा, पूणे सिटी।
(अन्तर्रक्त)
- मिसेस सुनिला अरुण कुमार पालकर, भागीदार, मर्सर्स बाबा बिल्डर्स, प्लाट नं. 17 ए, स. न. 247, 14 बी, सि. स. नं. 1462, येरवडा, पूणे सिटी,
(अन्तर्रक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाश्रेष्ठ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूद्यांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में पोरभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनामिका

खुली जमीन और उसके ऊपर की इमारत जो प्लाट नं. 17-ए, सं. नं. 247, 14-बी/1, 1-1ए, अभी 14 बी/1, 1ए-1ए, 1ए, 1ए/1 सि. स. नं. 1462 येरवडा ता. हवेली, जि. पूर्ण में स्थित है। जिसका क्षेत्र 836.10 एकड़ी भी है।

जैसे की रजिस्ट्रीकूत विलेख क्र. 1399 जो 30/4/81 को दस्यम निबंधक, हवेली-11 के दफतर में लिखा है।

शाशिकात्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रुज, पना

तारीख : 26-11-1981
माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. मावल/अप्रैल 81/548
/81-82—यतः मुझे, शिक्षकान्त कलकणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 4, फि. स. नं. 169 (हिस्सा 1
और 2) स. नं. 360 और सि. स. नं. 169 (पार्ट) 173
(पार्ट) है तथा जो बाड़ बी, लोणावला में स्थित है (और इससे
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निर्बंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-4-1981

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की गयी नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हेमंत मणीलाल कोटक, 11, बैंक पथ, बाबर।
(अन्तरक)

2. श्री मनूभाई हशवरभाई पटेल मनोजिंग डायरेक्टर,
अन्टिफ्रिक्शन बैरिंग फ्रांसरेशन लि. पंजित
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, लोणावला-410401 जि.-
पर्ण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हुएगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं. 4, सि. स. नं. 169 (हिस्सा 1
और 2) और स. नं. 360 और सि. स. नं. 169 (पार्ट),
173 (पार्ट), बाड़ बी, लोणावला में स्थित है। जिसका क्षेत्र
1101 स्के. मि. है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 748 जो 18/4/81 को
दृश्यम निर्बंधक, मावल के बफ्टर में लिखा है।)

शिक्षकान्त कलकणी
समक्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 26-11-1981
मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेद्य सं. सी.ए. 5/एस. आर. मावल/अप्रैल 81/549
/81-82—यतः मुझे, शाशिकान्त कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 19 रि. स. नं. 169 (हिस्सा 1
और 2), स. नं. 360 और सि. स. नं. 169 (पार्ट) 173
(पार्ट) है तथा जो वार्ड बी, लोणावला में स्थित है (और इससे
उपायवृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय वृक्षम निबंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-4-1981

को प्रत्येक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण यह क्या प्रत्येक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उपदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की गयी नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
प्रत्यय।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ज्ञन या अन्य आविष्यों को
जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रत्यय अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
प्रत्यय।

1. श्री हेमेंत मणिलाल कोटक, 11, बैंक पथ, बांबे।
(अन्तरक)

2. श्री मनभाई हश्वरभाई पटेल, मैनेजिंग डायरेक्टर,
द अन्टीफ्लक्षन बंजरिंगज कार्पोरेशन लि, पंडित
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, लोणावला-410401
जि. पुणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की प्रवधि, भी भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं. 19, रि. स. न. 169 (हिस्सा 1
और 2) स. नं. 360 और सि. स. नं. 169 (पार्ट), 173
(पार्ट), वार्ड बी, लोणावला में स्थित है। जिसका अधीन 1148
रु. मी. है।

जिसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 749 जो 18-4-81 को
वृक्षम निबंधक, मावल के दफतर में लिखा है।

शाशिकान्त कुलकर्णी
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 26-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयत्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. मावल/ अप्रैल 81/550/81-82—यतः मुझे, शिक्षिकान्त कुलकर्णी, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन प्रधम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 3, रि. स. नं. 169 (हस्सा 1 और 2) स. नं. 360 और सि. स. नं. 169 (पार्ट) 173 (पार्ट) है तथा जो वार्ड बी, लोणावला में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में आंर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी की कार्यालय दृश्यम निर्वंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित बही किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दें के अन्तरक के दायित्व में करो रहने या रहते रहने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्री हेमन्त मणिलाल कोटेक, 11, बैंक पथ, बांबे। (अन्तरक)

2. श्री मनभाई इश्वरभाई पटेल मनोजिंग डायरेक्टर, अन्ति फ्रिक्षन बेअरिंगज कॉम्पोरेशन लि. पंडित जवाहर लाल नेहरू मार्ग, लोणावला 410401 जि. पुणे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में जोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

एकटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

खुली जमीन जो प्लाट नं. 3, रि. स. नं. 169 (हस्सा 1 और 2) स. नं. 360 और सि. स. नं. (पार्ट), 173 (पार्ट), वार्ड बी, लोणावला में स्थित है। जिसका क्षेत्र 1208 स्के. मी. है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख क्र. 750 जो 18-4-81 को दृश्यम निर्वंधक, मावल के दफ्तर में लिखा है)

शिक्षिकान्त कुलकर्णी
संसद प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, पूना

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 26-11-1981
माहर:

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज़, पूना
 पूना-411004, विनांक 26 नवम्बर 1981

निवेदित सं. सी. ए. 5/एस. आर माइल/अप्रैल/81/551
 /81-82—यतः मुझे, शाश्वकान्त कुलकर्णी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व(1) के अधीन सभी प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिसकी संख्या प्लाट नं. 20, फि. स. नं. 169, (हिस्सा
 1 और 2) स. नं. 360, और फि. स. नं. 169 (पाट्टे, 173
 (पाट्टे) है तथा जो बाड़ बी, लोणावला में स्थित है (और इसमें
 उपावदध में और पूर्ण रूप से बर्तित है), रीजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय दुर्योग निवांधक भावत में, रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1981
 को पर्वतित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पृथक् प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 दास्ताविह रूप से किया गया है:—

(क) अन्तरक से 'हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, पौरका।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अबनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या कि प्रकार आय आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण में ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हेमंत मणिलाल क्षोटक, 11, बैंक पथ, बांदे।
 (अन्तरक)

2. श्री मनभाई इश्वरभाई पटेल, मनोजिंग डायरेक्टर,
 द अन्तरिक्षकशन बोरिंग कार्पोरेशन लि. पंडिल
 जवाहरलाल नेहरू मार्ग, लोणावला-410401, जि.
 पुणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या कास्पमन्दी अवधियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
 अवधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
 किसी भव्य अवधि द्वारा प्रदोहस्तानी के हास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

सर्वोक्तव्य:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जहां अधिनियम के अध्याय 26-व(1) में परिभाषित हैं, अन्तरिती अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसुची

लूली जमीन जो प्लाट नं. 20, फि. स. नं. 169 (हिस्सा 1 और 2) स. नं. 360, और 169 (पाट्टे), 173 (पाट्टे), बाड़ बी, लोणावला में स्थित है। 1154 रुक. मी.

(जिसे की रीजिस्ट्रीकूत विलेल क्र. 751 जो 18-4-81 को
 दृश्यम निवांधक, मावल के वप्सर में लिया है।

शाश्वकान्त कुलकर्णी
 सभक्ष प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज़, पूना

तारीख: 26-11-1981
 मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निदेश नं पि. आर. नं. 1268/एकवी. /23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं. नं. 929 और 930, केलणी बाकार है, तथा जो बाल्ड नं. 12, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पृष्ठ रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्प्राप्ति प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचवां प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 260-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती माहेरबाई नादारशाह बाजीपुदार, नादारशाह नादारशाह बाजीपुदार, केलणी बाकार, रजी तलाव, सूरत।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री चिमनलाल मगनलाल, (2) श्री मोहनलाल मगनलाल, (3) श्री कान्तीलाल मगनलाल, सब रक्षाकर्ता और कटंब के कर्ता, लालगढ़, कान्ठ बाजार, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरद्वयी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अम्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नं. 929-930, केलणी बाकार राणी तलाव, सूरत में स्थित है और यथाविधि अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 18-11-1981
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एस० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निवेद नं. पि. आर. नं. 1266/एक्टी./23-11/81-82—अतः सुझे, जी. सी. गग्ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 89 है, तथा जो गाड़कोल में स्थित है (और इससे उपाबवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-4-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दूर्वै किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसारा मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री बाई दीवाली, चीताभाई नाथुभाई का विधवा, हिराबेन छिताभाई, गडरवेल, ता-अंकलेश्वर। (अन्तरक)

(2) (1) श्री हीरालाल कानछनलाल मोदी, (2) श्री दीनेशचन्द्र भवरेलाल मोदी, पार्सीवाड, अंकलेश्वर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो गाड़खेल-एस. नं. 89, यथाविधि तारीख 24-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गग्ना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 18-11-1981

मोहर :

प्रस्तु आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) को
भारा २६९-ए (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक १८ नवम्बर १९८१

निवेश नं. पि. आर. नं. १२६७/एक्टी./२३-११/८१-८२—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. ९३/१, जमीन है, तथा जो गाड़ियों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख २०-४-१९८१

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित:—

(१) श्री रामभाई श्रीकम्भाई, गवालोल, ता-अंकलेश्वर। (अन्तरक)

(२) (१) श्रीमती सुशीलाबेन नाहरेलीलाल गीवाला, पार्सी-वार्ड-१, अंकलेश्वर, (२) श्रीमती कौलाशबेन मोहनलाल मोदी, पिपला खड़की, अंकलेश्वर, (३) श्रीमती मीना तारण आसावाला, (४) श्रीमती मायाबेन चंपकलाल, लुलुभाई चक्कला, कबूखोन के पास, बूच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वोर्ड भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताश्त्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो गड्ढेल, एस. नं. ९३/१, तारीख २०-४-१९८१ में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-११, अहमदाबाद

तारीख : १८-११-१९८१
मोहर :

प्रस्तुत आई, डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1268/एक्या./23-11/81-82—अतः मँके, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी रं. एस. नं. 98 पैकी जमिन है, तथा जो गड्ढोल
अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और<sup>पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अंकलेश्वर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 9-4-1981</sup>

के पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंका संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में आस्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वानमालीभाई मोतीभाई, शीवलाल मोतीभाई,
मणनभाई मोतीभाई, दयाभाई मोतीभाई, गड्ढोल,
अंकलेश्वर।

(अन्तरक)

(2) श्री वी. के. अग्रवाल, कान्सटोटीयूटेड मूक्तयार,
पीरामाल पासायान लिमिटेड के वास्ते, 126/127
जी. आई. डी. सी. अंकलेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियाँ करुता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो गड्ढोल-एस. नं. 98, यथाविधि तारीख 9-4-
1981 और 10-4-1981 में (रजिस्ट्रेशन नं. 513,522)
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख: 18-11-1981

मंत्री:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) रु पर्याप्त सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निवेदा नं. पि. आर. नं. 1269/एक्टी./23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 95 है, तथा जो गाड़बोल में स्थित
है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिफल ने प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कृयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हई किसी आय की वाक्त उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने गा उसमें बदले में मुविष्टा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो हिसो आय पाकिसो थन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती दाश प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए या किंगने में
मुविष्टा के लिए।

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के
पश्चातक में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उक्ताता (1) के अधीन, निम्नलिखित अवितरणों, अवैतु :—

(1) श्री दयाभाई० छगनलाल, श्री बाबूभाई० छगनलाल, श्री
मणीबेने० छगनलाल, श्री कणालभाई० छगनलाल, श्री
जेगपालभाई० छगनलाल, श्री हासूबेने० छगनलाल,
श्रीमती तारगवेने० छगनलाल, गड्डोल, ता-अंकलेश्वर।
(अन्तरक)

(2) (1) श्री कानछनलाल मथुरादास गांधी, कनसारा
फनिया, अंकलेश्वर, (2) श्री चंपकलाल प्राण-
जीवनवास त्रालसावाला, लल्लुभाई० छकला,
कबूतरखाना, ब्रॉच।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के
मिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितरणों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितरणों में से
द्वितीय अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अस्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा जाएंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'उक्त अस्ति-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो गाड़बोल एस. नं. 95 यथाविधि तारीख 21-4-
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

तारीख : 18-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 18 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1270/एक्वी./23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 96 है, तथा जो गाड़खोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेपवर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीब ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं हिला गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिद्धि व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहनभाई चूणीभाई पटेल, गाड़खोल, ता अंकलेपवर।

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मी मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, मालवी धर्मशाला, रेलवे स्टेशन के सामने, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो गाड़खोल, एस. नं. 96, धर्माविधि अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 18-11-1981

माहूर :

प्रकाश आई-टी-एन-एस—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रतीक सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1271/एक्वी./23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्मा,आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की
धारा 269-व (1) के प्रतीक संक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. एस. नं. 88 है, तथा जो गाड़ीबोल में स्थित
है (और इससे उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-4-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यक्षायुक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल के पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब जाया बद्दा प्रतिफल; निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वार्ताविक रूप से किया
नहीं किया गया है।—(1) श्रीमती सोमीबेन कुमारभाई नानाभाई की विधवा
गाड़ीबोल, ता-अंकलेश्वर।
(अन्तरक)(2) (1) श्री हीरालाल कानछनलाल मोदी, (2) श्री
दीनेशचन्द्र वाररेलाल मोदी, पासी वाड़,
अंकलेश्वर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां चलता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
है 45 दिन की अवधि या तासंवर्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर
पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
दिक्षित किसी घम्य अवधि द्वारा; अपोइन्टमेंट के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।इन्द्रदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के घम्याय 20-क में परिचालित
है, वही बर्ब होया जो उस घम्याय में विद्या
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या घम्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए।मिलकर जो गाड़ीबोल, एस. नं. 88, ग्रामीण तारीख
24-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।जी. सी. गर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-11, अहमदाबादतारीख : 18-11-1981
माहेश :अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, नामांतः—

प्रस्तुत आइंडी टी. एल. एस.-----

(1) श्री चन्द्रभाई माधुरभाई पटेल, भगवानभाई माधुरभाई पटेल, जाडेश्वर, बांच।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2). संजय आर्गनाइजर का भागीदारों :—(1) फरासराम रत्नेलाल बमवाला, प्रीतम सोसायटी, बोच, (2) श्री नागभीभाई मणेकलाल चनावाला, बावावाडा, (3) श्री राजन बलशेवदास शाह, गांधीग्राम सोसायटी, बोच। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधीक्षण (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेद नं. पि. आर. नं. 1272/एक्वी. 23-11/81-82—अतः भ्रम्भे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 37 जी. फाय है, तथा जो भालाव, बोच में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-4-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मृतसूची

मिलकत जो 37-जी पर वर्णित, यथाविधि तारीख 10-4-1981 में बोच रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधीक्षण (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों का—

तारीख : 19-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1273/एक्टी./23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एम. नं. 163, सब प्लाट नं. 3, है, तथा
जो बूचे में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूरा
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बूचे
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 27-4-1981

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एंसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र के उन्मरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) लक्ष्मी आर्गेनाइजर, बृद्धदेव मार्किट, बृंच।

(अन्तरक)

(2) श्री जयनतीलाल कानजीभाई मकवाना, अध्यक्ष
लक्ष्मीनगर कां-जा-हॉ-सोसायटी, वि-6, बृद्धदेव
मार्किट, बृंच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमूसूची

मिलकत जो आर. एम. नं. 163 यथाविध तारीख
27-4-1981 में, बूचे रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की
गयी है।

जी. सो. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 19-11-1981

प्रलेप ग्राही दी० एत० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1274/प्रक्री. /23-11/81-
82—अन: मर्भे, जी. सी. गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी मं. प्र. नं. 12-12 फ्लैट नं. 8 (एस. नं.
1318) है, तथा जो नीजामपुरा, बोरांडा में स्थित है (और
इसमें उपादान अनुसूची मं. और पर्याप्त रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोरांडा मं. रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तेसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या 1957 अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दारा प्रहर उड़ी किया
गया था या दिया जाना चाहिए या किसी में
सुविधा के लिए;

बल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीत:—

(1) श्रीमती पल्लवीबेन अशवीनभाई पटेल, 6-ए/8,
सरदारनगर सोसायिटी, बोरांडा।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रजापति लल्लभाई गनगराय, 4-बी/17, सर-
दारनगर सोसायिटी, बोरांडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोद्धस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 12-13, फ्लैट नं. 8, सी एस. नं.
1418, नीजामपुरा, यथाविधि तारीख 30-4-1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 20-11-1981

प्रकल्प आई० ई० एन० एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1275/एक्ची./23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 13, जिमिन ईनड, 194, 195
पैकी संग प्लाट नं. 174 व 195 है, तथा जो उधाना उद्योग-
नगर सहकारी संघ, उधाना में स्थित है (और इससे उपादान अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

(1) श्री मोहनलाल लालभाई पटेल, श्री नारोतम लल्लू-
भाई पटेल, नांगमापाड़ी, ताल-बारदांली, सूरत।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स गोल्डन रे इन्डस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड, 194,
195, रोड 6-एफ, उधाना उद्योगनगर, उधाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोपित करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्यांकन

मिलकर जो उधाना, उद्योग नगर प्लाट नं. 194-195 यथा-
विधि तारीख 20-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1463 अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 69 और 69ए है, तथा जो विजयनगर, भूज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्गती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, भूज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्दित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या धन्य आन्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् ८—

9—396GI/81

(1) मुक्ताबेन जेठालाल ठक्कर, गेरीवारी बंडी, भूज (कच्छ), (2) इन्दुभतीबेन कल्याणजी कोठारी, गेरीवारी बंडी, भूज (कच्छ)।

(अन्तरक)

(2) श्री शाहं जावेरचंद जेठाभाई सवाला (एच. यू. एफ.), मोटा असाम्बीया, (कच्छ)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में होई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य अविक्त द्वारा, अधीक्षितांकी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

उपर्योगीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रयोग 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रयोग में दिया गया है।

जमीन जो विजयनगर, भूज में स्थित है, जिसका प्लाट नं. 69 और 69 ए, जिसका कुल क्षेत्रफल 369.36 वर्ग मीटर और 528.91 वर्ग मीटर है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन भूज रजिस्ट्रीकर्ट विक्रीकरण नं. 1036 और 1034/21-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबादतारीख: 18-11-1981
नाम:

प्रकाश ग्राही दौ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1462 अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्यावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-व
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि इवावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 69 और 69अे हैं तथा जो विजयनगर अंतर्यामा, भूज-कच्छ में स्थित है (और इसमें उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भूज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्धत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा पाया गया प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रत्यक्ष सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की द्वारा उक्त अधिनियम के प्रधीन कर हेने के प्रत्यक्ष के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बता, अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के प्रत्यक्ष में, मैं उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवादतः—

1. ((1) मुक्ताबेन जेठालाल ठक्कर गेरीवारी बंडी, भूज (कच्छ), श्रीमती इदमती बेन कल्याण जी कोठारी, गेरीवारी बंडी, भूज (कच्छ)। (अन्तरक)

2. श्री शाह सवेरचन्द जेठाभाई सवाला (अंच. यू. अफ.) मोटा असाम्बीया, (कच्छ)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपेतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अधिकारी, प्रधोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो विजयनगर, भूज में स्थित है, जिसका प्लाट नं. 69 और 69 अे हैं तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 369.36 और 528.91 वर्ग मीटर है, तथा जिसका पूर्ण विवरण भूज रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 1035 और 1034 विनांक 21-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सकार प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 18-11-1981
माहूर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 20 नवम्बर 1981

निदर्शन नं. पी. आर. नं. 1365 अर्जन रेंज 23-1/81-
82--अतः मझे, जी. सी. गर्ग,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सभी साधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इस्यावर सम्पत्ति, तितला उत्तिवाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लाट नं. 2368अ०, कृष्णनगर है तथा जो
कनसारानोकन्थे, भावनगर में स्थित है (और इससे उपावह्नि
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 22-4-1981को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
जीर्ण/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—1. श्री जगदीश जेठालाल पटेल, वसन फली, कांदी
वाड, भावनगर।

(अन्तरक)

2. श्री जनयाडीया पोपटलाल भगवानभाई, प्लाट नं.
2368 अ०, कृष्णनगर, कनसारानोकन्थे, सूभाष-
नगर, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप:—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीकृतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्ररिभासित है, वही
प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो वाहू नं. 6, प्लाट नं. 2368 अ०, कृष्णनगर में
स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 957.77 वर्ग मीटर है,
तथा जिसका पूर्ण विवरण भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं.
814/81 दिनांक 22-4-1981 में दिया गया है।जी. सी. गर्ग
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबादतारीख: 20-11-1981
मोहर:

प्रस्तुप आई, टी. एन. एस.-----

आवृक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की भारा
269-प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवृक्त आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निवास नं. पी. आर. नं. 1461 अर्जन रंज-23-१/८१-
८२—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आवृक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्हें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 481, प्लाट नं. 74 पैकी है तथा
जो डेरोडाम के नजदीक राजकोट में स्थित है (और इससे
उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-४-१९८१
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का
पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;
लाइ/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः इस अधिनियम, की भारा 269-प्र के अनुसरण
में, नौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपभारा (1)
की अधीन निम्नलिखित अनुक्रियाओं, अधीन:—

१. श्री मोहनलाल फशाभाई ढोलारीया, गांव गलका,
जिला राजकोट।

(अन्तरक)

२. श्री महेन्द्रकुमार नटवरलाल शाह, ८२, गेलकसी
अपाटमैन्ट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 641-४ वर्ग याड़ सर्वे
नंबर 481, प्लाट नं. 74, तथा जो डेरोडाम के नजदीक
राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण राजकोट
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 3224 दिनांक 24-४-१९८१ में
दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-१, अहमदाबाद

तारीख: 18-11-1981

मोहर:

प्रूप आइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नाथालाल लीलाधर रायचूरा और अन्य, 32/34, प्रह्लाद प्लॉट, राजकोट।

(अन्तरक)

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. पी. आर. नं. 1460/अर्जन रोज़ 23-1/81-82—असः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 60, लेह नं. 387-388 है, तथा जो शेरी नं. 22, न्यू जागनाथ स्ट्रीट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपानुवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-4-1981 जो न्यूयॉर्क सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्बन्ध लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वावित ने कभी करने या उपर्युक्त वचन में वृद्धिका के लिए और/या

(2) श्री अमृतलाल पोपटलाल हाडपानी, 4, सरदारनगर वेस्ट, राजकोट, श्री अवाचर मोहनभाइ भालोड़ीया, टांगोरनगर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आदि करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रश्नाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याय होगा, जो उस प्रश्नाय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अनुसूची

खुला जमीन का प्लाट जिसका कल धनेफल 500 वर्ग याड़ है, शेरी नं. 22, प्लाट नं. 60, न्यू जागनाथ प्लॉट, राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण विवरण, राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 2803/14-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

ग्रन्ति अवृत्त; उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलब्धा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 18-11-1981
मुहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवैश नं. पी. आर. नं. 1465/अर्जन रेंज 23-1/
81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. शीट नं. 196, वार्ड नं. 5, प्लाट नं. 907-
भी है, तथा जो कृष्णानगर, भावनगर में स्थित है (और इससे
उपाबृध बनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि धराप्तवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिस्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 296-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

(1) श्री नरवानी अच्छमल थावरवास भवीम, श्री विवेका-
नंद हाउसिंग सोसायटी, लेही हाजडीन रोड,
बोम्बे-16।

(अन्तरक)
(2) सत्यदेव गंगाराम नरवानी, धोषा सकल, प्लाट नं.
1286, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
सिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकोप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

ममुत्तुची

जमीन और भकान जो कृष्णानगर, आथमंड चौक के पीछे स्थित
है, जिसका शीट नं. 196, वार्ड नं. 5 तथा जिसका कुल
क्षेत्रफल 556.73 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण विवरण भाव-
नगर रजिस्ट्रीकरण विकलित नं. 859/दिनांक 21-4-1981 में
दिया गया है ।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारोत्र : 20-11-1981

सील :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निवेद नं. रफ. नं. पि. आर. नं. 1468/अर्जन रॉज़ 23-1/81-82—अस: मुझे, जी. सी. गर्म,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. अफ. पी. नं. 136/6, जय गीता भारती टेक्सटाइल्स फैक्ट्री है, तथा जो फूलवाडी, जेतपुर, जिला-राजकोट में स्थित है (और इससे उपरवर्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) का अधीन, 10-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याद गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से तुझे किसी आय की धावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के मनुस्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।।।

(1) मैं, अपोलो टेक्सटाइल्स डाइरेंस एण्ड प्रिन्टर्स वर्क्स की ओर से, श्री राजेन्द्रकुमार सुखरामदास और अन्य अंगूली शेरी, जेतपुर, जिला-राजकोट।

(अन्तरक)

(2) मैं, जय गीता भारती टेक्सटाइल्स प्रीन्टर्स, फूलवाडी रामजी मंदीर के नजदीक, जेतपुर।

(अन्तरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रथ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्यंत होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री जो जयगीता भारती टेक्सटाइल्स प्रीन्टर्स नाम से मशहूर है, जिसका कुल क्षेत्रफल 833.6 वर्ग यार्ड है तथा जो फूलवाडी, जेतपुर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन, जेतपुर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 308/10-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्म
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-11-1981
मुहर

प्रलूप ग्राही ३० एवं ३० यत्र—

आयकर अधिनियम 1961 (1961) का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 नवम्बर 1981

निदेश नं. रफ. नं. पि. आर. नं. 1467/अर्जन रेंज 23-1/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है);
की धारा 269-प के अधीन सम्प्रभाव प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसना उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 10/2, प्लाट नं. 20, 30 और
31 है, तथा जो राजकोट, जूनागढ़ रोड, जेतपुर में स्थित है
(और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-4-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और यत्तर (प्रत्यक्षी) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ग्रोर्या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असा, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अवित्यों, अवधि:—

(1) श्री रसीकलाल जेठालाल, कापड बजार, जेतपुर,
श्री बाबूलाल उकाभाई पटेल, लाडपरा बेकारीया
मन्दिर, जेतपुर।

(अन्तरक)

(2) राजेश्वरी को. आ. हा. सो. लिमिटेड, के./आ.
श्री परशेकर मार गोविंदलाल पटेल, जेतपुर, जूनागढ़
रोड, कोमर्स कोलेज के सामने, जेतपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किती अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पात्र निश्चित
में किये जा सकेंगे।

संपर्कीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्व होगा, जो उस प्रधाय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 10/2, प्लॉट नं. 20, 30 और
31, जिसका कुल क्षेत्रफल 1960 वर्ग यार्ड है, तथा जो
जूनागढ़, राजकोट रोड, कोमर्स कोलेज के सामने, जेतपुर में
स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन जेतपुर, रजिस्ट्रीकर्ता विकी-
स्त नं. 259/6-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी. एन. एस. ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
२६९-४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
फार्मसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निदेश नं. रोफ. नं. पि. आर. नं. 1466/अर्जन रोज़-
23-१/८१-८२—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके 'प्रकाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-४ (1) के अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण कि आयकर सम्बन्धित नियम वाजार मूल्य 25.00/-
रुपये से अधिक है।

बीर जिसकी सं. सर्वे नं. 853, प्लॉट नं. 10 है, सथा जो
नार्दन साइड और भाद्र बूरीज, जेतपुर, में स्थित है (और इससे
उपायद्रव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-4-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बीर मुझे यह विवाद उठाने
का कारण है कि यथार्थोक्त मंत्रित का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमाणण के लिए यथा वाजार मूल्य
नियम, नियमनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव-
किक रूप से अधिन नहीं किया गया है:—

(क) प्रमाणण से ही नियम आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रतीन नहीं के प्रमाणण के वायित्व में कमी
नहीं या उपर्युक्त नहीं है सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियम आय की बाबत या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिनमें में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपधारा (1)
के अधिन नियमनिवित अधिकारी, अर्थात् ।—

10-396GI/81

(1) बमर भारती बाइंग अन्ड प्रीटींग वर्क्स की ओर से
भागीदार, श्री लछमनभाई शासजीभुजर्ह और अन्य
कपूरीयापारा, गोडल, जीला-राजकोट।

(अन्तरक)

(2) जलाराम टेक्सटाइल्स की ओर से, श्री कान्तीलाल
वालजीभाई कारीया, 12, परेडोहज पार्क, आश्रम
रोड, शान्तीनगर, अहमदाबाद-13।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी बाबत पूर्वोक्त संपत्ति के प्रत्येक क्रिए-
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्बन्ध के प्रत्येक के मंदिर में कोई भी भावेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना
की नापीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों
में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद किसी अन्य अवक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी
के पास नियमित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रद्याय 20-४ में
परिचालित है, वही पर्यंत होगा जो उस
प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकन फैक्ट्री जो नार्दन साइड शादर बूरीज, जेतपुर में
स्थित है, तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 1010.56 वर्ग याड़,
सर्वे नं. 853, प्लॉट नं. 10 है, तथा जिसका पर्ण वर्णन जेतपुर
रजिस्ट्रीकर्टा विक्रीखत नं. 279/7-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-१, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आइं.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 25 नवम्बर 1981

निवेश रफ. नं. पि. आ. नं. 1469/अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः मृत्ति, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. संख्या नं. 1048, हिस्सा नं. 1 है, तथा जो गांव-वेजलपुर, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-4-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृश किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दशरथभाई पुंजाभाई पटेल, श्री महेन्द्रभाई दशरथभाई पटेल और अन्य पालनों वासन गांव-जोधपुर, जिला-अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकरलाल मोतीलाल मीस्ती, अमरदेव जगभाई पार्क, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

जमीन जो गांव वेजलपुर, जिला-अहमदाबाद में स्थित है जिसका संख्या नं. 1048, हिस्सा नं. 1, जिसका कल अन्तरफल 0-37 गुंडा है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ट विक्रीखता नं. 3396/9-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 25-11-1981
 मोहर

प्रस्तुप बाहर्. टी. एन्. एस्. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेदा नं. रफ. नं. पि. आर. न. 1470/अर्जन रेंज
23-1/81-82—अतः भूमि, जी. सी. गर्म,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 18/1 पैकी है, तथा जो गांव-सबल-
पुर, जिला-जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावृष्ट अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 14-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पादा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् 1—

(1) श्री तपुभार्द वेलाभार्द, श्री हेवजीभार्द वेलाभार्द गांव
सुरागवाडा, जिला-जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री कालीबास छगनलाल, श्री चंद्रलाल छगनलाल,
श्री दिनेशकुमार जेरामदास, जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमिन जिसका सर्वे नं. 18/1 पैकी जो गांव सबलपुर,
जिला-जूनागढ़ में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन जूनागढ़,
रजिस्ट्रीकर्ता विकल्पन नं. 957/14-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्म
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-11-1981
मोहर :

प्रह्लप आइ०, टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्री सोमाभाई नार्सीभाई०, बाबोल, ता-गांधीनगर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती भंगबेन बाबुलाल सोनी सैकटर 22, प्लाट नं. 373, गांधीनगर।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निवेद नं. पि. आर. नं. 1276/एक्वी./23-11/81-82—अतः भूम्भे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. एस. नं. 172 है, तथा जो बाबोल, ता-
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 30-4-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं. क्रम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूम्भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्य में कभी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एसदृवारा कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
वित्त विधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोंग स्तान्तर
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 172 बाबोल, यथाविधि तारीख
30-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जी. सी. गर्ग
समक्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तित्यों वर्णन ।—

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री जीवानजी भाईजी और दूसरे, गोव कुण्डासन, ता-गांधीनगर।

(अन्तरक)

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुर्व (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पि. आर. नं. 1277/एक्टी. 23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि किसी विष्वास त्रिविकार वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 37-जी फाय पर वर्णन किया हुआ है, तथा जो नं. 676 तारीख 28-4-1981 में स्थित है (और इसमें उपबोध अनुसूची में और पृष्ठ रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित ताजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापत्तेवत मालिक का उचित वाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से, तो मेरे दृष्टमान प्रतिफल के अनुद त्रिविकार में अधिक है और अन्तरक (गन्दरहों) और यन्तरिनी (यन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण गे मुझे किसी पाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद त्रिविकार में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यार्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या त्रिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मिलकत जैसे वर्णित किया हुआ है 37-जी फाय में जिसका नं. 676 तारीख 28-4-1981 रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकार आयुर्व (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

प्रतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् ५---

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 नवम्बर 1981

निवेदित नं. पि. आर. नं. 1278/एक्वी./23-11/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वं) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 85-1 है, तथा जो मोजे कोबा, ता-
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपाबृध अनुसंधी में पर्याप्त
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी-
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल, 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
दिलाई गई है वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः मझे, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पित हूँ—

(1) श्री शंकरभाई खानादास पटेल और दूसरे, गांव
कोबा, गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्षविश्वरूप हथिसीग शाह, श्री विजय हथिसीग
शाह, जमीन प्लाट, ला गाड़न के पास, अहमदा-
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
ब्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकर जो कोबा एस. नं. 85-1, यथाविधि तारीख 27-4-
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

आयकर आयुक्त, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निवेश नं. पि. आर. नं. 1279/एक्ची./23-11/81-
82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 30/2 है, तथा जो वावोल, तालुक
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपायदृष्टि अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 21-4-1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया गति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:--

(1) पटेल विश्वामित्रभाई विठ्ठलभाई, पटेल ईश्वरभाई
विठ्ठलभाई, वावोल, तालुक गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) प्रमोटर्स, कारम सूधा दां. आ. हा. सोमायर्टी : 1.
श्री ठाकर मणनलाल कण्वरजी, गांश कोसडी, ता.
दांलका, जिला अहमदाबाद। 2. श्री टी. वी. के.
मृती, सेक्टर 20, बी. नं. 3/3, टाईप जी एच.,
गांधीनगर, 3 श्री पी. वी. विश्वास, सेक्टर 16,
बी. नं. 76/6 वलिप एच., गांधीनगर।

(अन्तरिती)

कै यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहं भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

मिलाई जो एम. नं. 30/2 वावोल, तालुक गांधीनगर,
यथाविधि तारीख 21-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. मी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:--

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1280/एक्यु. /23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 95 और 96 है तथा जो नाबोइं
तालुक गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में
और पूर्ण रूप से विण्ठित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्या-
लय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

(1) श्री रामनभाई गिरवरभाई, श्री बुधालाल जमनावास,
विध्यानगर सास्ट्यटी, उसमानपुरा, अहमदाबाद।
पटेंट गांधीभाई विचारभाई, दांव कोंडा, ता.
गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्षवर्धन हाथीसीग शाह, श्री विजय हाथीसीग
शाह, जमीम फ्लॉट्स, ना गाड़ेन के पास, अहमदा-
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया बनादा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
मात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

सम्पूर्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृगसूची

मिलकत जो नाबोइं ना. गांधीनगर, एस. नं. 95 और
96, यथाविधि अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सधारण प्राधिकारी
सहायक आयकर अ. क्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आद्दे, टी. एन. एस. ——————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज-11, अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1281/एक्वी. 23-11/81-
 82—अतः मृक, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर मंगल नियम बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है और जिसकी

और जिसकी सं. एस. नं. 28 है तथा जो गांव सुगद,
 तालुक गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपादवध अनमंजी में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
 लय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन, 27-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मृक्षे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आथ की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
 सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अधोत् :—
 11—396GT/81

(1) बाईं सूरज, मोतीजी दाण्डी का विधवा, मामवंसन
 मनोजी मोतीजी का विधवा, रवृद्द और रक्षा कर्ता,
 अमृतबेन मनूजी, चन्द्रजी उक्फ कारनजी मनूजी,
 गांव सुगद, ता. गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) डा. अमृतेप जगमाहन परोत्त, हाईकोर्ट के पीछे,
 नवरागपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधिकारी द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मिलिकपत जो गांव सुगद, एम. नं. 28, यथाविधि तारीख
 27-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
 मोहर :

प्रह्लप आहू. टी. एन. एस. -----

(1) ठाकुर उदाजी मागुनजी, वावोल, तालुक गांधी-नगर।

(अम्बरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री पटेल गोविन्दभाई शीवाभाई, सैकटर 22, 326/2, गांधीनगर।

(बन्दरिती)

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1282/एक्वी. /23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्म,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राविहारी को, तथा विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. नं. 64 पैकी जमीन है तथा जो वावोल, ता. गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में छपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाते में सुविधा के लिए।

मनुसूची

मिलकियत जो एस. नं. 64 पैकी जमीन वावोल, यथाविधि तारीख 24-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्म

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 23-11-1981

माहूर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1283/एक्यू./23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 437/1/2/3 है तथा जो गांव सार-
गासन, ता. गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 20-4-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आद की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ल) ऐसी किसी आद या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री बाबूजी जावाजी वगेला, श्री कोडाजी जवाजी
वगेला, गांव सारगासन, तालूक गांधीनगर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री शंकरभाई प्रभुजास पटेल, 12-सी,
अपना बाजार, गांधीनगर।

(2) श्री श्रीकरभाई मुलजीभाई पटेल, 1-करनावाती
सोसाईटी, अहमदाबाद-28।

(3) श्री काशीराम खाडीदास पटेल, 22, मिथला-
पार्क सोसाईटी, अहमदाबाद-15।

(अन्तरिती)

के यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहा अध्यक्षण जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो सरगासन, तालूक गांधीनगर, एस. नं. 437/
2/3 यथाविधि तारीख 20-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रृष्ठप थाई, डी. एम. एस. -----

(1) श्रीमती जीनावेन सोमभाई पटेल, वावोल, तालुका गांधीनगर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पटेल पोपटभाई विठ्ठलभाई, वावोल, तालुका गांधीनगर।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1284/एक्यू./23-11/81-82—अतः मँके, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि राजवार समर्पित, जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 66/1 है तथा जो वावोल, तालुका गांधीनगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आग की वावोल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/या

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क्ष) ऐसी किसी आग या किसी भूज या अन्य आस्तायों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मिलकियत जो वावोल, एस. नं. 66/1, यथाविधि तारीग 9-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रु०-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. पी.आर.नं. 1285/एक्वी. /23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन लक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 162/2 है तथा जो वावोल, है। तथा जो ता.
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपायवृथ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 9-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निपुणतारक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पच्चास है प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितायों) द्वे बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वी
दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्री मोनीभाई बाबाभाई सोलनकी, श्री रामनभाई
बाबाभाई सोलनकी, बाई सनतोक, बाबाभाई
नारायणन्हभाई की विधवा, गांव वावोल, ता. गांधी-
नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री नाराण भाई शामल भाई पटेल, गांव वावोल,
ता. गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 162/2, वावोल यथाविधि तारीख
9-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रु०-११, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर ६

प्रध्य प्राईंटी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. पी. आर. नं. 1286/एक्वी./23-11/81-82—अतः मुक्त, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 804 है तथा जो गांव वावोल, ता.
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपावहध अनुसूची में और
पर्याप्त रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 6-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्र में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
धौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, प्रथमतः:—

(1) श्रीमती याद कानसाबेन मधनलाल, श्री जगदीशचन्द्रा
मधनलाल, श्री सूरेशचन्द्रा मधनलाल, गांव वावोल,
ता. गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री पटेल काशीभाई बक्कीभाई, गांव वावोल, ता.
गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त करण:—इमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 804 वावोल, यथाविधि तारीख 6-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०—
पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रज०-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1287/एक्वी/23-11/81-82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 543 है तथा जो गांव बावोल, ता.
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसन्धी में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 9-4-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्रिया से ऐसे, दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया,
निम्नलिखित उद्देश्य ने उचित अन्तरण लिखित में बास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अचल में
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती भारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था किया ने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गोर केसजी जेटाजी, गांव बावोल, गांधीनगर
तालुका।
(अन्तरक)
(2) प्रमुह: श्रीमती नीरुबेन नाटवरलाल भावसार, श्री
अबूधा को.-ओ.-है-सोसायटी लिमिटेड, मेक्टर
नं. 29, 16/1, गांधीनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिगत:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 543, बावोल, ता. गांधीनगर
यथाविधि तारीख 9-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रज०-।।, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी.आर.नं. 1288/एक्वी/23-11/81-82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 516 है तथा जो गांव बावोल, ता.
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 6-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख वह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया
गया था पा किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ति :—

(1) श्री गोर सनताजी गोपालजी, चंद्रशेखर गोपालजी,
भीकुजी जंगेश्वरी, केसागांव गोपालजी, गांव बावोल
गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर हामीरजी कानजी, प्रमाटर, श्री रंग अधीत्ति
को. है-सोसैटी, गांव बालडा, तालका : गांधी-
नगर।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयान्हीं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है,
वही वर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 516 बावोल, यथाविधि तारीख
6-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. पी. आर. नं. 1289/एक्सी/23-11/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 542 है तथा जो गांव वावोल, ता.
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपायदूध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12-396GI/81

(1) श्री जेसांनगजी मानाजी गोर, श्री चतुर्जी मानाजी गोर, श्री जयानजी मानाजी गोर, गांव वावोल, गांधीनगर तालुक।

(अन्तरक)
(2) प्रमुह, श्री योगेश्वर को-शो. है-सोसैटी, श्री माधवलाल जोधिनराम एटेल, सेक्टर नं. 20, बी. नं. 90/4, गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 542, यथाविधि तारीख 3-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर वायुकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसंबर 1981

निर्देश नं. पी.आर.नं. 1290/एक्वी/23-2/81-82—अतः मूँझे, जी. सी. गर्ज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 233-21 है तथा जो गांधी सुगाव है तथा
जो गांधीनगर, ता. गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी
के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 2-4-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्थ ह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, वक्तु:—

(1) श्रीमती जीया, मनुजी रामजी का विधवा, शानता-
बेन, पांपटभाई मानुजी का विधवा, प्रविणचन्द्रा
पोपटजी, शानताबेन पोपटजी, मनेर ब्रेडा जसवनम
पोपटजी का रक्षकर्ता, रनछोड़जी कपड़की,
सर्वगनारायण मंचीर के पासे, कालूपुर, अहमदा-
बाद।

(अन्तरक)

(2) डा. सोमाभाई चक्रभाई दंशहर्कर्नी—एच. यू. एफ.
कलेशनगर सोसैटी, सरकार पटेल सटडीयम, नव-
रंगपुरा, अहमदाबाद-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी वाक्योपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सुगव, ता. गांधीनगर एस. नं. 233-2,
यथाविधि तारीख 2-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ज
सक्षम प्राप्तजार
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, अहमदाबाद

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत शाहौ.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर सम्बन्ध (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 24 नवम्बर 1981

निदेश न. पी. आर. नं. 1291/एक्वी/23-2/
81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 295 है तथा जो काराम-
साद, आनंद में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 22-4-1981

के पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्षण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तुविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आद की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कमी करने या उच्चार दरमें में अंतरिता
के लिए, और या

(क्ष) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य वास्तुयों
के, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट वा छिपाले में
सुविधा के लिए;

(1) भागीदार, ईसठ एनजीनयंरीग कम्पनी, श्रीमती
धीरजबाला लन्द्रकान्ता अमीन।, वल्ल भविधानगढ़
आनंद।

(अन्तरक)

(2) ड्यरकटर, सुदीय रब-कॉमिकल प्रवैट लिमिटेड,
श्री दीपक नारहारी भाई ओक्षी, वल्ल भविधानगढ़
नगर, आनंद।

(अन्तरिती)

कै यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

अनुसूची

मिलकत जो कारंमसाल आर. एस. नं. 295, यथाविधि
तारीख 22-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयक्षत (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, अहमदाबाद

तारीख: 24-11-1981
मोहर:

अद्द: अद्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुच्छेद
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभोगा (1)
मैं वर्तील, मिलित व्यक्तियों, असति:—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1192/एक्वी/23-2/
81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एस. नं. 1601, टी पी. एस-4, एफ. पी.
127, सब प्लोट-1, है तथा जो आणंद में स्थित है (और
इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणंद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-1981
को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धाराविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री शंकर भाई छोटा भाई और दूसरे शजावेपुरा,
तालुका बाणी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पटेल सविताबेन सुरेश भाई कैलासनगर,
सोसायटी, बाणी

(अन्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उन्नत
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

मिलकत जी. सी. एस. नं. 1601, टी. पी. एस. 4,
एम. पी. 127, सब प्लोट-1 से स्थित है और 3-4-81 को
यथाविधि रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, अहमदाबाद

तारीख : 24-11-1981
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप भाई० दी० एव० एव०-----

(1) श्री शंकर भाई० छोटा भाई० और दूसरे राजेशपुरा, तालुका ८ आणंद

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती पटेला सुशीला बने कांती भाई० और दूसरे
कौलासनगर सोसायटी आणंद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1293, एक्टी 23-2/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और
और जिसकी सं. एस. नं. 1601, टी. पी. एस. 4, एफ.
पी. 127, सब प्लॉट नं. 3 है तथा जो आणंद में स्थित है
(और इससे उपावृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आणंद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यानन्द प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यानन्द प्रतिफल से, ऐसे
दृष्ट्यानन्द प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी वाय की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरुक के
वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
या या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के सिए;

मिलकत जो एस. नं. 1601, टी. पी. एस. 4, एफ. पी.
नं. 127 सब प्लॉट नं. 3 से स्थित है ये 3-4-81 को यथा-
विधि रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 24-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. अर्जन रोज़-2/3181-1/81-82—यतः मुझे,
सूधाकर वर्षा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, जो धारा 269वं के अधीन सकाम शाखिकारी को यह विषयास करने का कारबं है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 83/सी./9/ए. एस. सं. 366 है तथा जो 4059 प्लाट नं. 83, सांताकुज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांदरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4-1981 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अस्तरित की वर्द है और मुझे यह विषयास करने का कारबं है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकूल का पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्भरकों) और अन्तरिक्षी (अम्भरिकारी) इवीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अस्तरित विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यक्षरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक भूमि करने या उससे बचने में सुविधा के लिए पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना, आदि या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वं के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्ना—

(1) डा. चिमनलाल मोहनलाल कामदार।

(अन्तरक)

(2) श्री निशांक मीरा को. आप हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) (फार्म नं. 37-जी के अनुसार सिर्फ अन्तरिती सम्पत्ति में हितबद्ध है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रत्यक्षरण में कोई भी प्राक्षेपणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ही अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर मूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तपात्ति होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नियित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 977/79 जाइट उपरजिस्ट्रार, बांदरा, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-12-1981
माहूद :

सूधाकर वर्मा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, बम्बई

प्रकल्प आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती हिरबाई भिवा भोईर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) नव-गोदी कर्मचारी, को. आंप. हाउसिंग सोसाइटी
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निदेश सं. अर्जन रेंज-3/1977-9/81-82—यतः मुझे,
संधाकर वर्षा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. एम. नं. 74 (पाट) है तथा जो सी. टी.
एस. 564 (पाट), मुलुङ में स्थित है (और इसमें उपावड्ड
बन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1981 विलेख नं.
एस. 2564/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथोक्त पाद्यों और पद्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख में स्था 2564/79 बम्बई उपरजि-
स्टार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-4-81 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

संधाकर वर्षा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 4-12-1981
माहर :

प्रकृत्या शाई० टौ० एव० एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1294, एक्टी 23-2/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी की पह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तृ
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं. एस. नं. 41, टी. पी. एस. 3, एफ. पी.
101 है तथा जो आणंद में स्थित है (और इससे उपादान अनु-
सूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
का कार्यालय, आणंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 2-4-1981 और 3-4-81
को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्णमान प्रति-
फल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परन्तु
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रधारकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिये तथा पाना गया
प्रतिक्रिया, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा के
लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
व्यापरिती ग्राम प्रकार तहों किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री पटेल जशवंत भाई० शंकर भाई० आणंद-मोठा अड्डे
पटेल जनक भाई० शंकर भाई० आणंद-मोठा अड्डे पटेल
शंकर भाई० नारण भाई० आणंद-मोठा अड्डे

(अन्तरक)

(2) गीरीराज को. ओप. हाउसीग सोसायटी लिमि-
टेड के प्रमुख श्री अरविंदभाई० भीखभाई० शाह अंबिका
सोसायटी, आणंद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त
के लिए व्यायामियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में
विद्या गया है।

मनुसूची

एस. नं. 41, टी. पी. एस. 3, एफ. पी. 101 से
स्थित मिलकत 2-4-81, 3-4-81 और 4-4-81 को यथा-
विधि रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, अहमदाबाद

तारीख : 24-11-1981
मोहर :

प्रक्रिया भार्ड० टी० एच० एच०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. अर्जन रोज़-1/4554/81-82--यतः मूर्ख,
सुधाकर वर्मा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
और जिसकी मं. सी. एस. 384, 385 आकार सारदेवे में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14-4-1981 विलेख नं. 1882/89/बम्बईको पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहृ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई हिसी आर की धारन, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या||(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 268-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अस्तित्यों पर्याप्त:—(1) श्री अच्छ. अनं. अवास्थी, श्री आर. पी. अवास्थी,
श्री अंस. के. मिश्र।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र हालीभाई महेता।

(अन्तरिती)

(3) अनुबन्ध

संख्या टेनेम के नाम

1. श्री एम. एस. अम्बर
2. श्री एस. के. शाह

3. श्री आर. एस. बालीकरण
4. श्री एम. एस. पोल
5. श्री आर. ए. यादव
6. श्री टी. बी. घिटे
7. श्री आर. जे. तिवारी
8. श्री टी. पी. उपाध्ये
9. श्री एस. बी. सिंग
10. श्री एम. एस. एथेरे
11. श्री बी. जी. पावसकर
12. श्री जी. एस. अहिरे
13. श्री बी. बी. सिंग
14. श्री के. बी. सिंग
15. श्री प्रेमिकशोर शुक्ला
16. श्री प्रतापसिंग आर. बने
17. श्री पी. के. सोनी
18. श्री छी. बी. उपाध्ये
19. श्री बी. बी. अहिरे
20. श्री जे. जे. अवास्थी
21. श्री सी. व्ही. अमरीता
22. श्री एन. एस. दोभी
23. श्री महेन्द्राम चूनीलाल
24. श्री बलविंद रघुबीर मौर्य
25. श्री आर. पी. भरके
26. श्री व्ही. एन. सोलंकी
27. श्री पी. छ्वी. सावंत
28. श्री सी. के. चौहान
29. श्री मनसुखलाल मोहनलाल
30. श्री बाय. बी. घड़ी
31. श्री ए. के. मौर्य
32. श्री जो. पी. उगाले
33. श्री नरहरी दामोदर
34. श्री एन. व्ही. महेता
35. श्री जे. आर. सिंग
36. श्री जे. व्ही. महेता
37. श्रीमती सावित्री बाई जयंतीलाल
38. श्री कांतीलाल मोहनलाल
39. श्री जे. ए. वागले
40. श्री एन. सी. पटेल (गोडाऊन)
41. श्री बी. जे. वसारीया
42. श्री टी. एस. राठोड़
43. श्री ए. सी. शाह
44. श्री मनीलाल बायचंद शाह
45. श्री एम. आर. शाह
46. श्री एम. एस. शाह
47. श्री बी. एच. जोशी
48. श्री सुरेश मनसुखलाल धारजी
49. श्री बाय. एस. चौहान
50. श्री जी. आर. धारजी
51. श्री के. पी. सोनी
52. श्री के. एन. प्रसाद
53. श्री पी. आर. गुप्ता
54. श्री व्ही. बी. दोभी
55. श्री व्ही. बी. राणे
56. श्री व्ही. बी. गाठे
57. श्री ए. पी. राठोड़
58. श्री बाय. एस. चौहान
59. श्री अमरसाम मिश्रा
60. श्री पी. छी. ढेरजी

61. श्री एम. कृष्ण. चौहान
62. श्री एच. के. रत्नसी
63. श्रीमती लक्ष्मीबाई लालजी
64. श्री एम. बी. फोड
65. श्री एस. एम. पांचाल
66. श्री आर. एल. मीर्य
67. श्री एम. एम. मेहता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबन्धकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मूलसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं. 1882/89 बम्बई और जो उक्त रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 14-4-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सूधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आवकर आवृक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-1, बम्बई

तारीख : 8-12-1981

मोहर :

प्रस्तु आइ. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. अर्जन रॉज-2/3183/81-82—यतः मुझे,
सूधाकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. टी. एस. 871, 871(1), (2) एस. नं. 218 है तथा जो मालाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विषयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री माउराम गणपत म्हात्रे (अन्तरक)
2. श्री नटवरलाल दलपतराम बोसामिया (अन्तरिती)
3. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबन्धकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. एस. 2534/80 सब-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 24-4-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, बम्बई

तारीख 10-12-81

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निदेश सं. अर्जन रोज़-2/3184-4/81—यतः मुझे, सुधाकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 27, टी. पी. एस. 2, सी. एस. एफ. /
1164 है तथा जो बान्दरा में स्थित है (और इससे उपावदूध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिश-
त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
है से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हड्डी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 296-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बैरामजी जीजीबाय प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)
2. श्री पार्टनर्स प्राइवेट पटेल
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस. 713/78 सब-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 24-4-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, बम्बई

तारीख : 10-12-81

मोहर :

प्रधम आई.टी.ए.ए.ए.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायक बायकूत (निरीक्षण)

बर्जन रोड-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1981

निवेश सं. बर्जन रोड-4553-3/81-82—जत: मुझे,
सूचकार वर्मा,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी के यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 1255/मांडी बी डिवीजन है
तथा जो मांडीवी डिवीजन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

के पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापनोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिक्रिया ते, एसे इयमान प्रतिक्रिया जो
उन्हें प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीर्घ एसे अन्तरण के सिंग तय पाया गया प्रति-
क्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्रीमती जैनभाई विषया जान मोहम्मद ए. ए. मुसा
(अन्तरक)
2. श्री अब्दुल मजिद अब्दुल पटेल
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं. पर है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. यदि और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना प्रारंभ करने पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कारबाहियां करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास दिलाई में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रमुख सम्बोधी पर्यायों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के अंतर्गत दिलाई गयी है,
वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय के लिए
नया है।

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्दरक के
सामित्र में कमी करने या उससे बचने वाले सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवाजनार्थ अस्तित्वी इतारा प्रकट नहीं किया
जाना या या किया जाना आविष्य या, कियाने वाले
सुविधा के लिए;

अनुसूची

अनुसूची वैधा कियिसेव संख्या नं. 1122/76 उप रजिस्ट्रार
बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-1981 को रजिस्ट्रेट किया गया
है।

सूचकार वर्मा
सहायक प्राधिकारी
सहायक बायकर अवकृत (निरीक्षण)
बर्जन रोड-11, बम्बई

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूच्य
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की संधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 11-12-81
मोहर

प्रसूप थाई^१, दी. एन. एस. -----
 व्यापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कर्मसूची, सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेदा सं. 111 522/उर्जन/81-82—अतः मूर्ख, हृदय नारायण,

व्यापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधिकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. ताजी मं. 391, थाना सं. 7 अंतरा सं. 176 सर्वे पलोट मं. 178 है तथा जो छक्कपुरा जो बारींग रोड पटना से जाना जाता है में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूनी में अर्द पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी दो कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख इह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उत्पन्न अवस्थिक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हृदय किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लायिक्स-में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः नाम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-व की उक्तभाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

1. श्रीमती बन्द कुमारी सहाय जाजे स्व. श्री महेश्वर सहाय उर्फ़ श्री श्याम जी सहाय निवासी ग्राम खुटहा, पत्रालय/थाना पीरो, ज़िला शहबाद, भोजपुर वर्तमान पता : -1. गर्गनीबाग, पटना-2 और (2) पूर्वी ओरींग कैनाम रोड, पटना-1।

(अन्तरक)

2. श्री राम नन्दन सिंह बल्द स्व. श्री मरोवर सिंह निवासी ग्राम-रन्ना पत्रालय - ताड़स राम थाना वो ज़िला बरेंगा (बरेंगा) वर्तमान निवासी बोरीग कैलाल रोड-पटना-1।

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के कार्य-वालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप्रयोग नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध वित्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के अधिकारित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2 कटठा मौजा छक्कपुरा जो बारींग रोड से जाना जाता है, में स्थित है एवं पूर्णरूप से वासिका संख्या 2425 दिनांक 3-4-81 में वर्णित है तथा जिसका निवन्धन ज़िला अवर निवेदक प्राधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 20-11-1981
 मोहृषि :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 4th December 1981

No. A. 12024/2/80-Admn. I (i).—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri A. M. Mondal an officer of I.E.S.-1969 and presently working as Under Secretary, to officiate as Deputy Secretary on *ad-hoc* basis in the office of U.P.S.C. for a period of 3 months w.e.f. 2-12-81, under the powers vested in him vide Regulation 7 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

No. A. 12024/2/80-Admn. I (ii).—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri M. K. Krishnan, a permanent Grade I officer of the CSS, to officiate as Deputy Secretary on *ad-hoc* basis for a period of 3 months w.e.f. 2-12-1981, in the office of U.P.S.C. under the powers vested in him *vide* Regulation 7 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

Y. R. GANDHI
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110022, the 8th December 1981

No. O. II-1612/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Puran Chandra Nigam as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16th November 1981 subject to his being medically fit.

No. O. II-1713/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Jagannath as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of 30th November, 1981, subject to his being medically fit.

No. O. II-1714/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Narotham Rao Jagiri as General Duty officer Grade-II (Dy. S.P./Coy Comdr.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of 30th Nov. 1981, subject to his being medically fit.

The 10th December 1981

No. O. I-7/81-Estt.—The services of Shri S. P. Srivastava, Dy. S. P. of EDP Cell, Directorate General, CRPF are placed at the disposal of Intelligence Bureau (MHA), on deputation basis w.e.f. 30-11-81 (FN).

A. K. SURI
Asst. Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,

CENTRAL REVENUES

New Delhi the 2nd December 1981

No. Admn. I/O.O. No. 348.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints substantively Shri R. N. Bansal, officiating Audit officer of this office, against the permanent posts of Audit officers in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1st December, 1981 (1-12-1981).

S. C. ANAND
Joint Director of Audit (Admn. I)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

KARNATAKA

Bangalore, the 4th December 1981

No. ES. I/A4/81-82/854.—The Accountant General is pleased to promote Shri M. T. Srinivasa Iyengar, permanent Section Officer as Accounts Officer in a purely temporary

capacity until further orders without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of taking over charge.

V. A. MAHAJAN
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE

ACCOUNTS (Ors) SOUTH, TEYNAMENT,

Madras-18, the 16th November 1981

ORDER OF TERMINATION OF SERVICE ISSUED UNDER THE PROVISO TO SUB RULE (1) OF RULE 5 OF THE CENTRAL CIVIL SERVICES (TEMPORARY SERVICE) RULES, 1965.

No. AN/II/8318876.—In pursuance of the proviso to sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965 I hereby terminate forthwith the services of Shri S. Varaprasad, Temporary Auditor, A/c No. 8318876 and direct that he shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his Pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his Service, or, as the case may be, for the period by which such notice falls short of the month.

2. The order of termination of Service was sent to Shri S. Varaprasad, Ty. Auditor (A/c. No. 8318876) by registered Post but the same has been received back un-delivered.

S. SWAMINATHAN
Controller of Defence Accounts (Ors)
South, Madras

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-66, the 14th December, 1981

No. AN/I/1402/4/Vol. I.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time-Scale of that service (Rs. 1100-50-1600) with effect from the dates shown against them until further orders:—

Sl. No.	Name	Date from which appointed.
(1) Shri G.K. Menon	.. .	7-11-81
(2) Smt. Priti Mohanty	.. .	28-7-81
(3) Shri Suhas Banerjee	.. .	15-7-81
(4) Shri Ashok Kumar Chopra	.. .	13-7-81

The 15th December 1981

No. AN/I/1847/5/Vol. I.—Shri Gourjibon Mitra, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 31-5-82 (his date of birth being 1-6-1924) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-5-82 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 31-5-82 (AN) in terms of FR 56 (a).

R. K. MATHUR
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 4th November, 1981

No. 42/G/81—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of TSO/AM with effect from the dates shown against them:—

Name & Designation	Date of Confirmation
1. Shri Jaitilak Biswas, Offg. DADG	7-2-77
2. T.F. Decunha, Offg. DM (Retd.)	7-2-77
3. Anil Kumar Singh, Offg. DM	7-3-77
4. T.K. Vijayaraghavan, Offg. DADG	19-3-77
5. A.S. Pundlc, Offg. DM	7-2-77
6. S.H. Tannu, Offg. DM (Retd.)	19-3-77
7. A.P. Tripathi, Offg. DM	7-2-77
8. S.C. Talukdar, Offg. DM	19-3-77
9. M.G. Pathak, Offg. DM (Retd.)	19-3-77
10. V.K. Jain, Offg. DM	4-6-77
11. A.N. Prasad, Offg. DM	7-5-77
12. R.M. Gupta, Offg. DM	7-2-77
13. H.S. Pundle, Offg. DM	7-2-77
14. R.M. Bhise, Offg. DM (Retd.)	19-3-77
15. M. K. Surana, AM (Prob) (Released)	27-6-77
16. Ashok Kumar, Offg. DM	7-3-77
17. Saroj Kumar Ghosh, Offg. DADG (Retd.)	19-3-77
18. P.P. Rao, Offg. DM	7-2-77
19. N. Dey, Offg. TSO (Retd.)	19-3-77
20. P.C. Arora, Offg. DM	25-3-77
21. D.R. Nagpal, Offg. DM	7-2-77
22. K.C.M. Rao, Offg. DM	7-2-77
23. Sukumar Kolay, Offg. DM	8-7-77
24. K.P. Guha, Roy, Offg. AM (Retd.)	8-7-77
25. U. Kulshresta, Offg. DM	7-2-77
26. S. Joseph, Offg. DM	7-5-77
27. J.P. Sharma, Offg. DM	7-6-77
28. N. K. Srivastava, Offg. DM	4-3-77
29. C.S. Vasir, Offg. DM (Retd.)	8-7-77
30. R.C. Arora, Offg. DM	3-3-78
31. S. Rajagopalan, Offg. DM	7-2-77
32. R.K. Dixit, Offg. DM	3-3-78
33. Lachman Kumar, Offg. DM	29-3-77
34. R.P. Nair, Offg. DM	7-2-77
35. I.B.D. Gupta, Offg. DM (Retd.)	3-3-77
36. Mehar Singh, Offg. DM	7-2-77
37. P.K. Bhowmick, Offg. DM	1-6-77
38. D.P. Ghosh, Offg. AM (Retd.)	3-3-78
39. Nanda Kumar, Offg. DM	1-3-77
40. Bhoop Singh, Offg. DM	27-4-77
41. M.B. Banerjee, Offg. AM (Retd.)	3-3-78
42. Mahesh Prasad, Offg. DM	7-2-77
43. P.K. Sanyal, Offg. DM	10-6-77
44. O. P. Yadav, Offg. DM	7-5-77
45. A. K. Sarkar, Offg. DM	10-5-77
46. P.C. Mitra, Offg. DM	25-5-77
47. Dr. Sanjay Kumar Ghosh, Offg. DM	1-7-77
48. Shri A. K. Surendran, Offg. DM	2-12-77
49. J. P. Alegoankar, Offg. DM (Retd.)	3-3-78
50. K. K. Garg, Offg. DM	13-1-78
51. D.M. Gupta, Offg. DM	28-11-77
52. T.K. Kumar, Offg. AM (Retd.)	3-3-78
53. S.N. Dutta, Offg. DM	7-2-78

Name & Designation	Date of Confirmation
54. Shri Sushil Thakur, Offg. DM	31-3-78
55. K.G. Gupta, Offg. DM	18-11-77
56. Raman Gamber, Offg. DM	7-2-78
57. G. Mukherjee, Offg. AM (Retd.)	3-3-78
58. Prakash Narayan, Offg. DM	10-2-78
59. S.R. Agarwal, Offg. DM	3-1-78
60. V. Sundararaman, Offg. AM (Exp)	3-3-78
61. K.S. Gupta, Offg. DM	17-2-78
62. V. Krishnamurthy, Offg. DM (Retd.)	3-3-78
63. A.K. Sukla, Offg. DM	2-12-77
64. Rajendra Kumar, Offg. DM	17-1-78
65. S.K. Sengupta, Offg. DADG (Retd.)	3-3-78
66. Rakesh Babu, Offg. DM	29-4-7
67. Shahab Ahmed, Offg. DM	17-2-78
68. G.A. Pereira, Offg. DM (Retd.)	29-4-78
69. C.P. Gupta, Offg. DM	17-2-78
70. G.C. Banerjee, Offg. TSO (Retd.)	29-4-78
71. S.C. Malhotra, Offg. DM	25-11-77
72. S.N. Patil, Offg. DM	2-1-77
73. O. Rego, Offg. AM (Retd.)	2-1-77
74. Km. R.A. Aziz, Offg. DM	25-5-78
75. Shri A.K. Halkaewal, Offg. DM	1-1-77
76. M. L. Vohra, Offg. AM (Retd.)	25-5-78
77. Sashi Dhar Dimri, Offg. DM	23-12-7
78. P. K. Seth, Offg. DADG	16-12-76
79. S. Venkataraman, Offg. DM (Retd.)	25-5-78
80. S.K. Dogra, Offg. DM	23-12-76
81. S. Desigan, Offg. DM	24-7-76
82. H.S. Sagar, Offg. DM	2-1-77
83. B.P. Mahapatra, Offg. DM	21-1-78
84. M.S. Chakraborty, Offg. DM	25-5-78
85. S.S. Khot, Offg. DM	30-11-77
86. Dr. S.R. Chakraborty, Offg. DM	29-4-78
87. Shri S.C. Maji, Offg. DM	7-1-78
88. K.N. Pai, Offg. AM (Retd.)	29-4-78
89. B.B. Pharas, Offg. DADG	10-3-78
90. B.C. Mondal, Offg. DADG	21-11-77
91. Dr. Quazi Ali, Offg. DM	11-4-78
92. Shri S. N. Narasimhan, Offg. DM	10-7-78
93. Shri S.N. Roychowdhury, Offg. AM (Retd.)	10-7-78
94. Dr. Ram Sanchi, Offg. DM	10-4-78
95. Shri A. K. Kalsy, Offg. DM	28-4-78
96. Dr. D.V.L. Rewal, Offg. DM	3-4-78
97. Dr. A.K. Bose, Offg. DM	10-4-78
98. Shri S. K. Pandey, Offg. DM	29-4-78
99. V.K. Pandita, Offg. DM	30-5-78
100. Umesh Chandra, Offg. DM	9-7-78
101. R.R. Yadav, Offg. DM	23-5-78
102. R.K. Sharma, Offg. DM	14-4-78
103. D.K. Sarkar, Offg. DM	1-10-78
104. Ashok Kumar, Offg. DM	31-7-78
105. K.S. Mukunda, Offg. DM	6-6-78
106. D.V. Singh, Offg. DM	12-8-78
107. S.K. Sarkhel, Offg. DM	25-6-78
108. A.K. Chattopadhyay, Offg. DM	23-2-79
109. P.R. Sarkar Offg. DM	4-8-78
110. D.K. Gupta, Offg. DM	4-8-78
111. P.G. Nair, Offg. DM (Released)	30-7-78
112. C.A. Vaz, Offg. AM (Retd.)	30-7-78
113. Sucha Singh, Offg. DM	1-9-78
114. S.K. Ramanathan, Offg. DM	17-0-78
115. P. Kummarappan, Offg. DM (Retd.)	17-10-78

Sl. No.	Name & Designation	Date of Confirmation
116.	Shri K. P. Panda, Offg. DM	30-1-79
117.	“ Rajesh Kumar, Offg. DM	27-2-79
118.	“ Sudhendu Das, Offg. DM	13-4-79
119.	“ Didar Singh Sehra, Offg. DM	13-4-79
120.	“ S.M. Vappu, Offg. DM	27-10-78
121.	“ S.M. Uqba, Offg. DM	10-9-79
122.	“ S.K. Basu, Offg. DADG (Exp)	10-9-79
123.	“ V. Raja Raman, Offg. DM	29-10-78
124.	“ O. P. Mishra, Offg. DM	30-10-78
125.	“ T.R. A. Rao, Offg. DM (Retd.)	10-9-79
126.	“ N. Kathandapani, Offg. DM	15-4-79
127.	“ A. K. Dasgupta, Offg. DM	27-10-78
128.	“ V.K.C. Sanghi, Offg. DM	1-4-79
129.	“ Rajendra Kumar Jain, Offg. DM	30-1-79
130.	“ R.K. Dixit, Offg. DM	1-7-79
131.	“ M.S. Krishnamurthy, Offg. DM	21-1-79
132.	“ B. Yesu, Offg. DM	31-10-78
133.	“ B. K. Tiwary, Offg. DADG	14-5-79
134.	“ K. K. Rastogi, Offg. DM	13-5-79
135.	“ H.M. Singh, Offg. DM	1-6-79
136.	“ S.K. Dutta, Offg. DM	14-5-79
137.	“ S.S. Paul, Offg. DM (Retd.)	1-6-79
138.	“ P. K. Das, Offg. DM	31-5-79
139.	“ R.S. Puri, Offg. DM	29-5-79
140.	“ J.S. Saini, Offg. DM (Retd.)	29-5-79
141.	“ B.K. Kansal, Offg. DM	10-6-79
142.	“ Mahesh Kumar, Offg. DM	4-6-79
143.	“ M.K. Kaul, Offg. DM	7-6-79
144.	“ A. Bandopadhyay, Offg. DM	21-5-79
145.	“ D.V.K. Rao, Offg. DADG	16-7-79
146.	“ J.K. Lahiri, Offg. DM	24-11-77
147.	“ S.K. Beri, Offg. DM	10-12-77
148.	“ K. K. Bhattacherjee, Offg. DM (Retd.)	10-12-77
149.	“ I.N. Dutta, Offg. DM	24-12-77
150.	“ R. Guruparan, Offg. DM	5-3-78
151.	“ N. P. Biswas, Offg. DM	27-7-77
152.	“ M.N.P. Rawla, Offg. DM	10-12-77
153.	“ D.A. Dev, Offg. DM	19-4-79
154.	“ A.K. Basu, Offg. DM	19-4-79
155.	“ B.J. Rajah, Offg. DM (Retd.)	16-7-78

The 2nd December, 1981

No. 47/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. GM (SG)/DDGOF-Level-II with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri O. P. Mehrotra, Offg. GM/
Gr. I. Ist Nov., 1981.
- (2) Shri A.K. Dam, Offg. ADGOF/
Gr. I. Ist Nov., 1981.

No. 48/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Jt. GM/GM Gr. I/ADGOF Gr. II with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri R.G. Choudhuri,
Offg. Principal 3rd Sept, 1981
- (2) Shri M. P. Sharma, Offg. Dy. GM 3rd Sept, 1981
- (3) Shri D. Natarajan, Offg. Dy. GM 3rd Sept., 1981
- (4) Shri R.N. Singh, Offg. Dy. GM 3rd Sept. 1981
- (5) Shri G.S. Naidu, Offg. Dy. GM 3rd Sept, 1981
- (6) Shri V.S. Iyer, Offg. ADGOF Gr. II 3rd Sept. 1981
- (7) Shri D.S.P. Srivastava, Offg. Dy.
GM 3rd Sept, 1981

- (8) Shri V.N.S. Mathur, Offg. Dy. GM 3rd Sept, 1981
- (9) Shri P. Vasudovan, Offg. Dy. GM 3rd Sept, 1981
- (10) Shri P. K. Soni, Offg. Dy. GM . . . 3rd Sept, 1981
- (11) Shri A.K. Guha, Offg. Principal . . . 3rd Sept, 1981
- (12) Shri Teja Singh, Offg. Dy. GM 3rd Sept, 1981

No. 49/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. DM/DADGOF with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri Manik Ghosh, AM(Prob) . . . 31st Aug, 1981
- (2) Shri N. N. Aglave, Ty. AM . . . 31st Aug, 1981
- (3) Shri J. L. Mishra, AM (Prob) . . . 30th Sept, 1981
- (4) Shri N. M. Kalanec, AM (Prob) . . . 30th Sept, 1981
- (5) Shri M. K. Jain, AM(Prob) . . . 30th Sept, 1981
- (6) Shri A. K. Debroy, AM(Prob) . . . 30th Sept, 1981
- (7) Shri Aditya Mishra, AM(Prob) . . . 30th Sept, 1981
- (8) Shri R. L. Kulkarni, AM(Prob) . . . 30th Sept, 1981
- (9) Shri Narendra Kumar, AM(Prob) . . . 31st Oct., 1981
- (10) Shri Sunil Kumar, AM(Prob) . . . 31st Oct, 1981
- (11) Shri K. M. Gupta, AM(Prob) . . . 31st Oct., 1981
- (13) Shri Ashok Kumar, AM(Prob) . . . 31st Oct., 1981
- (14) Shri R.G. Mandgaonkar, AM(Prob) 31st Oct., 1981
- (15) Shri K.T. Mohanan, AM(Prob) . . . 31st Oct., 1981
- (16) Shri R.K. Shandil, AM(Prob) . . . 31st Oct., 1981
- (17) Shri V. Gandhi, AM(Prob) . . . 31st Oct, 1981
- (18) Shri Om Prakash, AM(Prob) . . . 31st Oct, 1981

No. 50/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. AM/TSO with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri P.C. Bose, Offg. Foreman . . . Ist June, 1981
(On adhoc basis)
- (2) Shri C.M. Aul, Offg. Foreman . . . Ist June, 1981
(On adhoc basis)
- (3) Shri M.L. Jharia, Offg. S.H. . . Ist June, 1981
(On adhoc basis)
- (4) Shri T.R. Swaminathan, Offg. S.H. Ist June, 1981
(On adhoc basis)
- (5) Shri M. P. Pillay, Offg. Foreman 29th July, 1981
- (6) Shri I.N. Khanna, Offg. Foreman 07th July, 1981
- (7) Shri S. Ganesan, Offg. S.H. Ist June, 1981
(On adhoc basis)

The 4th December 1981

No. 51/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Addl. DGOF/Member with effect from the date shown against him:—

Shri C. S. Gaurishankaran, Offg. GM(SG)/Level-I—16th November, 1981.

No. 52/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. ADGOF/Gr. I with effect from the date shown against him:—

Shri S. S. Rao, Offg. ADGOF/Gr. II—20th November, 1981.

The 7th December 1981

No. 53/G/81.—On attaining the age of superannuation Shri Sunil Kumar Bose, Offg. DADG (Subst. & Permt. Foreman) retired from Service w.e.f. 31-10-81 (AN).

V. K. MEHTA
Assistant Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 11th December 1981

No. Jute (A)/147/58.—Jute Commissioner hereby grants proforma promotion to Shri R. N. Gupta, Superintendent and

now on deputation to the National Jute Manufactures Corporation, Calcutta as Administrative officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- w.e.f. 23th November, 1981 i.e. the date on which his next junior Shri K. L. Roy was promoted to above post.

K. L. ROY
Administrative Officer
for Jute Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 8th December 1981

No. 12/25/61-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri S. A. Managuli, Deputy Director (Leather/Footwear) Small Industries Service Institute, Hubli as Director (Gr. II) (Leather/Footwear) in the same Institute with effect from the forenoon of 6th August, 1981, until further orders.

The 10th December 1981

No. A-19018/518/81-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri A. V. Pendse as Asstt. Industrial Designer at Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 5th November, 1981, until further orders.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 14th December 1981

No. A-6/247(416)/63.—The President is pleased to appoint Shri P. Gajapathy Raj, Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the Office of Director of Inspection, Calcutta to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engineering Branch) in the Bangalore sub-Office under the Director of Inspection, Madras w.e.f. the forenoon of 20-11-81 and until further orders.

The 15th December 1981

No. A-6/247(423).—The President is pleased to appoint Shri D. Chatterjee, permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta to officiate on *ad-hoc* basis as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engineering Branch) in the same Office w.e.f. the forenoon of 7-11-81 and until further orders.

M. G. MENON
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINFS

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 5th December 1981

No. 4810D/A-19012(Artist-OPS)/80-19A.—Shri O. P. Sachdeva is appointed as Artist in Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2-9-81 until further orders.

The 7th December 1981

No. 7743B/A-32013(AO)/78/19A.—Shri N. K. Pasin, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department 14—396GI/81

on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 6-4-81 to 15-6-81 against the leave vacancy of Shri A. R. Biswas, Administrative Officer, Central Region, Nagpur, Geological Survey of India.

No. 7754B/A-32013[6-Min. (Sr.)]/79/19A.—The President is pleased to appoint Shri S. Chatterjee, Mineralogist (Jr.), Geological Survey of India on promotion as Mineralogist (Sr.) on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in the same department in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27-8-81, until further orders.

No. 7765B/A-19012(1-VKD)/80/19A.—Shri Vikas Kumar Dubey is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 4th Sept. 1981 until further orders.

No. 7778B/5/72/SGB/19A.—Shri S. B. Ghosh, Librarian, Geological Survey of India has been released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 27th July 1981 for joining the post of Documentation Officer(B) in the Indian National Scientific Documentation Centre New Delhi on *lien* for a period of 2 years.

The 9th December 1981

No. 7900B/A-31013/HO/81-19C.—Shri B. R. Sharma, Hindi Officer, Geological Survey of India, is confirmed in the grade of Hindi Officer (Group 'B' Gazzeted) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Geological Survey of India with effect from 23-3-1980.

No. 7908B/-A30011/2/81-19C.—Shri M. K. Pal is declared Quasi Permanent in the post of Assistant Cost Accounts Officer in the Geological Survey of India, with effect from 10-8-81.

No. 4963D/A-19011(4-KRK)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Limited, Shri K. R. Katotch, Driller resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 12-9-79 (F.N.).

J. SWAMI NATH
Director General

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 7th December 1981

No. E1-5775/PF(S.N.).—The resignation tendered by Dr. (Mrs.) Suneeta Nandwani, Medical Officer who was appointed (on contract monthly wages basis) in the Survey of India, G.C.S. Group 'B' Service, is hereby accepted with effect from 15-9-1981 (F.N.).

The 9th December 1981

No. E1-5776/881-Officers.—Dr. (Mrs.) Kanchan Khera, M.B.B.S. is appointed as Lady Medical Officer in G.C.S. Group 'B' Service in Geodetic & Research Branch Dispensary, Survey of India, Dehra Dun on contract (monthly wages) basis @ Rs. 650/- P.M. w.e.f. 6-11-1981 (F.N.) for a maximum period of 6 months (with one day's break in service after every spell of 90 days) or for such a period when a regular doctor is posted in the said Dispensary, whichever is earlier. She will be entitled to all the allowances including Non-practising Allowances etc. in terms of Ministry of Health & Family Welfare letter No. A-12026/12/78-CHSI, dated 27-1-1981.

It is, however, stated that the officer will have no claim to any preferential treatment or right for selection to a regular post whatsoever, on account of this appointment.

G. C. AGARWAL
Brigadier,
Surveyor General of India

FILMS DIVISION

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

Bombay-400 026, the 4th December 1981

No. 6/68/56-E(J)Vol. III.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri H. R. Doreswamy officiating Cameraman Films Division, New Delhi to officiate as Chief Cameraman in the same office w.e.f. 4-11-1981 (F.N) against the newly created post.

The appointment of Shri H. R. Doreswamy is on *ad hoc* basis until further orders.

S. K. ROY

Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th December 1981

No. A. 12026/25/80-Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. G. Nair, to the post of Administrative Officer at Kalawati Saran Children's Hospital, New Delhi on deputation basis with effect from the afternoon of 31st October, 1981 and until further orders.

No. A. 38013/1/81(HQ)Admn. I.—On attaining the age of superannuation Shri L. N. Aggarwal, Section Officer in the Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of the 31st March, 1981.

T. C. JAIN
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 10th December 1981

No. A. 19018/9/81-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Bina Johari, to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of the 13th October, 1981.

T. S. RAO
Dy. Director Admn. (CGHS. I)MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad the 9th December 1981

No. A-39013/1/81-A. III.—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him, Shri M. M. S. Gupta relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer in this Dte. at Madras w.e.f. 28-11-1981 (A.N.).

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing AdviserDEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
Bhabha Atomic Research Centre

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 2nd December 1981

No. PA/68(6)/77-R-I.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre extends the appointment of Shri Naresh Sadasiv Khambekar as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the afternoon of February 28, 1982 on fixed term for a period upto the afternoon of February 28, 1983.

V. R. PATGAONKAR
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 8th December 1981

No. I/341/R5/Est. I/3947.—Director, Bhabha Atomic Research Centre is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri Mohan Venkatesh Lokapur, a temporary Scientific Officer Grade SB in the same Research Centre with effect from 15-10-1981 (A.N.).

Kum. H. B. VIJAYANKAR
Deputy Establishment Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay, the 20th November 1981

No. MRPU/200(15)/81-Adm.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri V. Sripatha Rao, a Permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—PB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on an *ad hoc* basis in the Madras Atomic Power Project Stores of the same Directorate with effect from August 17, 1981 to December 14, 1981 (A.N.).

T. S. V. AIYAR
Administrative Officer II

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad, the 5th December 1981

No. PAR/0704/6107.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri P. Rajagopalan, Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 27-10-1981 to 25-11-1981.

No. NFC-PAR-0705/6118.—Chief Executive Nuclear Fuel Complex, appoints Sri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 16-11-1981 to 24-12-1981 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI
Manager, Personnel & Adm.

Hyderabad-500 762, the 17th November 1981

ORDER

No. Ref. NFC/PA. V/2606/3186/1987.—WHEREAS it was alleged that : "Shri B. Prakash, Helper A, NFC, has been remaining absent from duty unauthorisedly from 26-9-1980 onwards" and thereby "committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standing Orders and in contravention to Rule 3(1)(ii) and 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964";

AND WHEREAS the said Shri Prakash was informed of the charge and action proposed to be taken against him, vide memorandum No. NFC/PA. V/2606/3186/733 dated 8-4-1981;

AND WHEREAS the memorandum dated 8-4-81 sent by registered post A.D. to his residential address at H. No. 1-24, Nacharam, Hyderabad-500 507 was returned undelivered by postal authorities with the remark 'No such person in such address—Returned to sender';

AND WHEREAS an Inquiry Officer was appointed to inquire into the charge, vide memorandum No. NFC/PA. V/2606/3186/1073 dated 27-5-81;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 20-6-81 (copy enclosed) stating that it was practically impossible to get the presence of the said Shri B. Prakash for the inquiry and that as such the inquiry was held *ex parte*;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 20-6-81, came to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Prakash;

AND WHEREAS the said Shri Prakash was informed of the provisional conclusion, as aforesaid, vide memorandum No. NFC/PA. V/2606/1949/1393 dated 18-8-81;

AND WHEREAS the said memorandum dated 18-8-81 sent by registered post A.D. to his residential address was returned undelivered by the postal authorities;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including inquiry report dated 18-8-81, holds the charge as proved and has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Prakash;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79 hereby removes the said Shri B. Prakash, from service with immediate effect.

Shri B. Prakash
1-24, Nacharam,
Hyderabad-501 507.

P. GOPALAN
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 9th November 1981

No. TAPS/1/34(1)/76-R(Vol. VI).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned officials in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Station in a temporary capacity with effect from 1-8-1981 (EN), until further orders:

S. No., Name & Designation

- Shri K. Muralidharan, Scientific Assistant (C)
- Shri N. N. R. Murthy, Scientific Assistant (C)
- Shri J. Banerjee, Tradesman (G)
- Shri K. V. Raut, Tradesman (G)
- Shri Ashok Kumar Gupta, Scientific Assistant (B)

P. UNNIKRISHNAN
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 3rd December 1981

No. 10/5(37)/79-CED(H)/10197.—The Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to promote Shri A. G. Yuvasen, Foreman (Electrical), Civil Engineering Division, Department of Space, as Engineer-SB in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of April 1, 1980 and until further orders.

The pay and allowances of Shri A. G. Yuvasen as Engineer-SB will be regulated in accordance with the Office Order No. 10/5(37)/79-CED(H) dated April 30, 1981.

M. P. R. PANICKER
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th December, 1981

No. A. 32014/1/81-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on regular basis and until further orders in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-40-1000-EB-40-EB-1200 with effect from the dates shown against their names:

S. No.	Name	Date
(1)	(2)	(3)
1.	Shri M.S. Malik	19-9-81
2. „	K.C. Biswas	-do-
3. „	V.V. Divekar	-do-
4. „	S. L. Biswas	-do-
5. „	C.B. Yadnaik	-do-

(1)	(2)	(3)
6. „	S.A. Kaishnan	19-9-81
7. „	C.V. Raisinhani	-do-
8. „	A.C. Das	-do-
9. „	Inderjeet Singh	-do-
10. „	Y.P. Sawhney	-do-
11. „	G.B. Singh	-do-
12. „	M.S. Rawat	-do-
13. „	J.P. Kapoor	-do-
14. „	N.C. Edbore	-do-
15. „	P.N. Dhanraj	-do-
16. „	A.C. Jassal	-do-
17. „	J.C. Kartania	-do-
18. „	D.K. Jain	-do-
19. „	D.N. Das	2-11-81 (AN)
20. „	P.R. Dewan	17-10-81
21. „	B. Banerjee	23-10-81
22. „	E. Joseph	12-10-81
23. „	N. Balasubramanian	12-10-81
24. „	S.B. Kamble	12-10-81
25. „	H.B. Khurade	13-10-81 (AN)

No. A. 32014/2/81-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Civil Aviation Training Centre, Bamrauli, Allahabad.

Sl. No.	Name	Date
1.	Shri L. Rajendran	12-10-81
2. „	I.S. Dholakia	12-10-81
3. „	S.W. M. Roy	15-10-81
4. „	Pabitra Biswas	12-10-81
5. „	J. Stanislaus	12-10-81
6. „	M. O. Qureshi	15-10-81
7. „	R.H. Iyer	12-10-81
8. „	V. Ranganathan	12-10-81
9. „	H.N. Trisal	12-10-81
10. „	G.S. Mirani	12-10-81
11. „	R.K. Kapoor	12-10-81
12. „	R. L. Roda	12-10-81
13. „	A.R. Mitra	15-10-81
14. „	G.C. Sarkar	15-10-81
15. „	R.R. Saxena	12-10-81
16. „	K.S. Hazare	12-10-81

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 8th December 1981

No. A.32014/1/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of *ad-hoc* appointment of Shri D. S. Dhurve, Store Assistant, to the post of Store Officer (Group 'B' post) for a further period upto the 9th April, 1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

The 11th December 1981

No. A.39012/5/81-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Kuldip Singh, Senior Technical Officer in the office of the Director, Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi w.e.f. 31-8-81 (AN) consequent upon his selection

for Group "A" posts on the basis of Results of Civil Services Examination, 1980.

PREM CHAND
Asstt. Director of Admn.

New Delhi, the 8th December 1981

No. A.32014/1/81-EW.—In continuation to Notification No. A.32014/1/81-EW, dated 20-8-81, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Vishram Singh, Senior Fire Foreman to the Grade of Assistant Fire Officer on *ad-hoc* basis for a further period of six months from 1-9-81 to 28-2-82 or till regular appointment to the Grade of Assistant Fire Officer is made whichever is earlier.

2. The aforesaid appointment will not bestow on him a claim for regular appointment, and the service so rendered, will not count for the purpose of seniority in the Grade and eligibility for promotion to the next higher Grade.

E. L. TRESSLOR
Assistant Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 8th December, 1981

No. A-19012/982/81-E.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the Trade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and adhoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

S. No.	Name of officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE	Where posted
1	2	3	4
S/Shri			
1. P. K. Mazumdar, Supervisor	25-11-81 (FN)	P&P Dte.	
2. K. K. Aich, Supervisor	12-11-81 (FN)	Hydrology (SC) Dte.	
MEHNGA RAM Under Secy.			

New Delhi-110022, the 10th December 1981

No. A-19012/981/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Shaileendra Kumar, Design Assistant to Officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 4th November, 1981.

A. BHATTACHARJEE
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s Capri Private Limited*

New Delhi, the 30th November 1981

No. 2129/2224.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Capri Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 10th December 1981

No. F. 48-Ad(AT)/81.—On attaining the age of superannuation, Shri M. K. Dalvi, Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Pune Branch, Pune retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1981.

T. D. SUGLA
President

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 4th November 1981

No. F. 71-Ad(AT)/80.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of Section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Income-tax Appellate Tribunal makes the following rules further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963.

1. These rules may be called the Income-tax (Appellate Tribunal) Second Amendment Rules, 1981, and they shall be deemed to have come into force with effect from the 1st April, 1972.

2. In rule 2 of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963,

(1) for clause (iii), the following clause shall be substituted, namely :—

(iii) "Bench" means a Bench of the Tribunal constituted under sub-section (1) of section 255, and includes the President or any Vice President or any other Member sitting singly under the provisions of sub-section (3) of the said section and a special Bench constituted under the same provision;"

(2) after clause (ix), the following clause shall be inserted, namely :—

"(x) "Vice President" means a Vice President of the Tribunal."

By Order of the Appellate Tribunal.

G. P. BAJPAI
Registrar
Income Tax Appellate Tribunal

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800001

Patna, the 20th November 1981

Ref. No. III-522/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority, under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 391 Thana 7 Khata No. 176, survey No. 178 situated at Dhakanpura known as Boaring Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 3-4-81

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Nand Kumari Sahai
W/o Late Shri Maheshwari Sahai Alias Shri Shyamji
Sahai of village Khutha P.O./P.S. Piro Dist. Sahabad
Bhojpur. Present address—(i) Gardanibagh Patna-2
and (ii) East Boring Canal Road, Patna-I.
(Transferor)

(2) Shri Ram Nandan Singh S/o Late Sri Sarover Singh
of Village Ranna P.O. Taras Ram PS/Dist. Darbhanga. Present address—Boring Canal Road, Patna-I.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Katha situated at Mouza Dhakanpura known as Boring Road Patna more fully described in deed No. 2425 dated 3-4-81 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Swastik Builders,
1-2-524/3 Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri A. Krishna Reddy
2. Sri A. Usha Devi
Post Dubbak Via Darapalli
Nizamabad District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 26th November 1981

Ref. No. RAC190/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 20 situated at Sagarview Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 20 in Ground floor at Sagarview 1-2-524/3 Domalguda Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2026/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 26-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 26th November 1981

Ref. No. RAC 191/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-1-79 situated at Musheerabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Kareemunnisa Begum
W/o Late Mumtaz Baig Khan
2. Iftakar Baig
S/o Late Mumtaz Baig Khan
3. Miss Anjumjchan
D/o Late Mumtaz Baig Khan
GPA of all the three Syed Shah Noor Ali,
Malak Pet, Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s. Bhagyanagar Studios Pvt. Ltd.
Banjara Hills, Hyderabad
M.D. Sri B. Ramaswamy, 8-2-402 1st floor Road
No.5, Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 1-1-79 admeasuring 280 sq. yards. at Musheerabad, Hyderabad registered with S.R.O. Hyderabad vide Doc. No. 2343/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 26th November 1981

Ref. No. RAC 192/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-6-839 situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Hyderabad, on April 1981

(1) Mr. Shahmat Ali Khan
S/o Walashan Prince Muazzam Jah Bahadur,
11-6-839 Fern Villa Red Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Syed Moosa Quadri
S/o Shah Abdul Razak Quadri
2. Syed Tараq Quadri
S/o Syed Moosa Quadri
14-1-449 Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1335.50 sq. yards together with Buildings standing thereon being a portion of House No. 11-6-839 Red Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 2856/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 26-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th November 1981

Ref. No. RAC 193/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-1105/81 situated at Tilaknagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri Madhukar Rao Laxman Rao Ganu
3-4-494/1 Barkatpura,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri M. Gopal Reddy S/o Kondal Reddy
2. Sri M. Jagannath S/o Kondal Reddy
2-2-1105/21 Tilaknagar,
Hyderabad-500044.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storeyed House No. 2-2-1105/21 situated at Tilaknagar, Hyderabad-44 registered with Sub-Registrar, Hyderabad Vide Doc. No. 1705/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—396GI/81

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th November 1981

Ref. No. RAC 194/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-864 situated at Ameerpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad, in May 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri B. Vijayender Reddy
S/o Late Dr. B. V. Reddy
R/o Chez-Noun Farm
Bownpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Jyothi Reddy
W/o B. Ramender Reddy
Sadat Manzil H. No. 6-3-864, Ameerpet,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Western portion of H. No. 6-3-864 Ameerpet, Hyderabad area 1967 sq. yards registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 2487/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 28-11-1981
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 195/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-6-13 situated at Chaderghat, Hyderabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad, in April 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. A. Anasuyamma W/o Late Sri A. Veeralah
9-3-77 Regimental Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Maheshchand Agarwal
S/o Sri Mohanlal Agarwal,
15-2-403 Siddiamber Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land M. No. 16-6-13 area 698 sq. mts. at Chaderghat, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 1940/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC-196/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-6-16 situated at Chaderghat, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(1) Sri A. Laxminarayan S/o A. Venkataiah
9-2-217/1 Regimental Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Naresh Chand Agarwal
S/o Sri Mohanlal Agarwal,
15-2-403 Siddiamber Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land M. No. 16-6-16 area 690 sq. mts. at Chaderghat Hyderabad registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 1941/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 1-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sri A. Yadagiri S/o Late Sri A. Venkataiah,
9-2-217 Regimental Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Premalata Agarwal
W/o Sri Sureshchand Agarwal
2. Smt. Munni Bai
W/o Sri Mohanlal Agarwal
15-2-403 Siddiamber Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 197/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-6-17 & 18 situated at Chaderghat, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land M. No. 16-6-17 & 18 area 690 sq. mts. at Chaderghat Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1942/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri A. Meenaiyah S/o Late Sri A. Venkataiah
9-2-173 Regimental Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Umeshchand Agarwal
S/o Sri Mohanlal Agarwal
15-2-403 Siddiamber Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAO 198/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-6-19 situated at Chaderghat, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land M. No. 16-6-19 Chaderghat Hyderabad area 680 sq. mts. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1943/81.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 1-12-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. A. Gowramma W/o late A. Venkataiah
9-2-217 Regimental Bazar
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sathish Chand Agarwal
S/o Sri Mohanlal Agarwal,
15-2-403-Siddiamber Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 199/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-6-15 situated at Chaderghat Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land M. No. 16-6-15 Chaderghat Hyderabad area 652 sq. mts. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1944/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 1-12-1981
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. A. Nagaratnamma W/o A. Srisailam, H. No. 9-2-220 Regimental bazar, Secunderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Munni Bai Agarwal W/o Sri Mohanlal Agarwal, 15-2 403 Siddhumber bazar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 200/81-82.—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. 16-2-20 situated at Chaderghat, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad in April 1981.
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Open land M. No. 16-6-20 area 590 sq. mts. at Chaderghat, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 1945/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-12-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri A. Vinod Kumar S/o A. Veeraiah 9-3-78 Regi-
mental bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sureshchand Agarwal S/o Sri Mohanlal H. No.
15-2-403 Siddiamber bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 201/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-6-14 situated at Chanderghat, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at M. No. 16-6-14 area 570 sq. mts. at Chanderghat Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1946/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—396GI/81

Date : 1-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 202/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-823 situated at Santhosh Nagar Colony, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Narayan Gadikar S/o Sri Krishna Rao H. No. 11-3-116 Vijayanagar colony, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Imtiazuddin Siddiqui S/o late Ajiazuddin Siddiqui 23-1-644/B Mughal pura, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing MCH No. 12-2-823/A/24 Santhoshnagar colony Guddimalkapur Mehdipatnam, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2199/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 1-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Ghousia Raoof D/o M.A. Karim, 11-4-169/7
Bazarghat, Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s. Rahul Transport Pvt. Ltd. Director Sri S. G.
Desai S/o S. N. Desai, 2-4-97 Ramgopalpet,
Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 203/81-82.—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-7-317 & 318 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. No. 121/A (Old) and new No. 1-7-317 and 318 Park Lane, Secunderabad area 133.07 sq. yards registered with Sub-Registrar, Secunderabad vide Doc. No. 246/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 1-12-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Mohd. Abdul Khader S/o M. A. Karim H. No. 3-6-361/51 Basheerbagh, Hyderabad-29.
(Transferor)

(2) M/s Rahul Transport Pvt. Ltd. Director Sri S. G. Desai S/o S. N. Desai 2-4-97, Ramagopalpet, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 204/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-7-317 & 318 situated at Parklane, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. No. 121/A (old) and new No. 1-7-317 and 318 Parklane Secunderabad area 133.07 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 245/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 1-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) Smt. Zulakia M. Abdullah D/o M. A. Karim, 79/C
Rampogalpet, Secunderabad.
(Transferor)

(2) M/s Rahul Transport Pvt. Ltd. Director Sri S. G.
Desai S/o S. N. Desai, 2-4-97 Ramgopalpet, Secun-
derabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 205/81-82.—Whereas I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-7-317 and 318 situated at Park Lane, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. No. 121/A (old) and new No. 1-7-317 & 318 Park
Lane, Secunderabad area 133.07 sq. yards registered with
Sub-Registrar, Secunderabad vide Doc. No. 244/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 1-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Gulam Dastagir S/o M. A. Karim, 79/C Ramgopalpet, Secunderabad.
(Transferor)

(2) M/s Rahul Transport Pvt. Ltd. Director Sri S. G. Desai S/o S. N. Desai, 2-4-97 Ramgopalpet, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 206/81-82.—Whereas I
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-7-317 & 318 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. No. 121/A (old) and new No. 1-7-317 and 318 Park Lane, Secunderabad area 133.07 sq. yards registered with Sub-Registrar, Secunderabad vide Doc. No. 243/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st December 1981

Ref. No. RAC 207/81-82.—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 1-7-317 & 318 situated at Park lane Secunderabad,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Secunderabad in April 1981,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with object of:—

(1) Smt. Sakina Basheeruddin Ahmed D/o M.A. Karim
11-4-169/8 Bazarghat Hyderabad,
(Transferor)

(2) M/s Rahul Transport Private Ltd. Director Sri G. S.
Desai S/o S. N. Desai 2-4-97 Ramgopalpet, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. No. 121/A (Old) and new No. 1-7-317 & 318 Parklane
Secunderabad area 133.07 sq. yards registered with Sub-
Registrar Secunderabad vide Doc. No. 242/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 1-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust, No. 43-A, Manjanakara Street, Madurai, (Transferor)

(2) Shri G. Varadarajan, S/o Shri Gurusamy Reddiar, Rukkumunchi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING 11nd FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 156/April/1981.—Whereas, I
R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 203/1 (Ward No. 17), situated at Mannarkottai Road, SATTUR,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sattur on 3-4-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site at S. No. 203/1, Ward No. 17, Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 827/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 13-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Smt. Binapani Mitter.

(Transferor)

(2) Kumari Chitra Mukerjee.

(Transferee)

(3) Smt. Binapani Mitter.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th November 1981

G.I.R. No. C-32/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-878 situated at Mahanagar Housing Scheme, Sector-D, Mahanagar, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 29-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Leasehold land bearing plot No. C-878 measuring 2967 sq. ft. situate at Mahanagar Housing Scheme, Sector-D, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3621/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 29-5-1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—396GI/81

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 16-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Devi. (Transferor)
 (2) Shri Surendra Nath, Advocate. (Transferee)
 (3) Smt. Kamla Devi & Tenants. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th November 1981

G.I.R. No. S-221/Acq.—Whereas, I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building and land situated at Village-Harrya Pokhra, Pargana-Haveli, Gorakhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on 19-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land area 801.07 sq. mtrs. (7178 sq. ft.) situate at village-Harrya Pokhra, Basharatpur, Pargana-Haveli, Tehsil-Sadar, Distt. Gorakhpur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3882, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur, on 19-5-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 16-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri J. Khanna (Commander).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th November 1981

G.I.R. No. S-222/Acq.—Wheeras, I
A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-969 situated at Mahanagar Housing Scheme, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 15-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) M/s. Swaroop Chemicals Private Limited (Co.)
Regd. Office at Water Works Road, Lucknow.
(Transferee)

(3) M/s. Swaroop Chemicals Private Limited (Co.)
Registered Office at Water Works Road, Lucknow.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lease hold plot of land bearing No. B-969 measuring 16,049 sq. ft. situate at Mahanagar Housing Scheme, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3354 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 15-5-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 16-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Bhoopal Nemichandr Misrikoti.
2. Shri Ramesh Nemichandr Misrikoti, R/O Shivanandnagar, Dharwar.
(Transferor)

(2) Shri Venkatesh Maddhurao Bedagubett R/O Gandhi Chwok, Dharwar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th November 1981

Notice No. 368/81-82.—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
R.S. No. 64/1A/1A/1A, plot No. 8

2B

situated at Hubli Road, Dharwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering
Officer at Dharwar under document number 168 on
21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 168 Dated 21-4-1981]
Open plot measuring 10 guntas 76 Sq. yards bearing plot
No. 8, RS No. 64/1A/1A/1A situated a Ptubli Road, near

2B
Modern Talkies Dharwar.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 10-11-81.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babul Hajaratsab Sanshikar,
Jayachamarajnagar, Hubli.

(Transferor)

(2) Shri Tulajappa Dharmasa Dharmadas,
Tabib land, Hubli.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th November 1981

Notice No. 370/81-82.—Whereas, I,
SMT. MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
CTS. No. 3821 (Only 1/4 share) situated at
Vidyanagar Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering
Officer at Hubli under document number 149 on
18-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, and shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 149 dated 18-4-1981]
1/4 share in land and building bearing C.T.S. No. 3821,
situated at Vidyanagar, Hubli.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 30-11-1981
Seal :

FORM ITNS-

(1) Shri Haji Abdulkhadar Hajaratsab Sanehikar,
Jayachamarajnagar, Hubli
(Transferor)

(2) Shri Tajappa Dhaulrmasa Dharmadas,
Tabibland, Hubli.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th November 1981

Notice No. 371/81-82.—Whereas, I,
SMT. MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. CTS. No. 3821 (Only 1/4 share) situated at
Vidyanagar, Hubli
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Officer at Hubli under document number 150
on 18-4-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 150 dated 18-4-1981]
1/4 share in land and building bearing C.T.S. No. 3821,
situated at Vidyanagar, Hubli.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 30-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Doddha Mehaboob Sab Hajaratsab Sanshikar, Jayachamarajanagar, Hubli.
(Transferor)

(2) 1. Smt. Padmabai, W/O Dharmasa Dharmadas,
2. Shri Grunathasa Dharmasa Dharmadas,
3. Shri Narayansa Dharmasa Dharmadas,
Tabibland, Hubli.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th November 1981

Notice No. 372/81-82.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. CTS No. (1/4th share) situated at Vidyanagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at HUBIL under document No. 151 on 18-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 151 dated 18-4-1981)
1/4th share in land and building bearing CTS No. 3821 situated at Vidyanagar, Hubli.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 30-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th November 1981

Notice No. 373/81-82.—Whereas, I,
SMT. MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. CTS No. (1/4th share) situated at Vidyanagar, Hubli
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
HUBLI under document No. 152 on 18-4-81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Sanna Mehaboobsab Hajaratsab Sanshikar,
Jayachamarajanagar, Hubli.
(Transferor)

(2) 1. Smt. Padmaba, W/O Dharmasa Dharmadas,
2. Shri Gurunathasa Dharmasa Dharmadas,
3. Shri Narayaynasa Dharmasa Dharmadas,
Tubibland, Hubli.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 152 dated 18-4-1981)

1/4th share in land and building bearing CTS No. 3821
situated at Vidyanagar, Hubli.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 30-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS-

(1) Lt. Col. P. P. Karumbhaiyah (Retd.)
214, T. N. Pura Layout,
Sddarthanagaram,
Mysore-560011.

(Transferor)

(2) Sh. Kalarickal Plantations,
Acting by its Managing partner
Sri K. Korah,
No. 136, Residency road, Bangalore-560025.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th November 1981

C.R. No. 62/32029/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, of Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 129, and 170, in Hosakeri village, and Sy. No. 56, 55/2 & 54/1, in Sodlur Kattemad village, situated at Madakeri (TQ) Kodaga.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madakeri under document No. 251/81-82 on 18-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 251/81-82 dated 18-5-1981)

Coffee lands in Sy. Nos. 129 & 170 of 41.21 acres and 2.69 acres respectively, in Hosakeri village, and in Sy. Nos. 56, 55/2, & 54/1 of 11.75 acres, 13.13 acres and 11.12 acres in Sodlur Kattemad village, Madakere (Tq), Kodagu.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—396GI/81

Dated : 30-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd December 1981

C.R. No. 62/32366/81-82/Acq/B.—Whereas, I,
 SMT. MANJU MADHAVAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act')
 have reason to believe that the Immoveable property, having
 a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 11/1, situated at Arekempanahalli, Kasba Hobli,
 Bangalore North Taluk. (measuring 32 Guntas)
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering
 Officer at Jayanagar, Doc. No. 1/81-82 on 1-4-1981
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) Shri Dr. Jacob Chandy, S/O Late Rev. M. J. Chandy Residing at Paara Mattethra House, Muthuambalam Kottayam-4 Represented by his attorney Mr. M. K. Thomas, No. 9, Rhenivs street, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri Dr. Phillip Alexander, S/O Mr. T. P. Chandy Managing Trustee—Indus Medical Trust, Residing at 16/2, Commassirat Road, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. Doc. No. 1/81-82 dated 1-4-81)
 Survey No. 11/1, measuring 32, Guntas situated in Arekempanahalli, Kasba Hobli, Bangalore North—Taluk.

MANJU MADHAVAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 2-12-81.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS -

(1) Smt. Kamala Devi Roy,
Dr. Asit Kumar Roy,
W/O 80/15-Grey Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Binapani Sarkar
W/O Kalipada Sarkar,
Chittaranjan Street, No. 31
Qr. No. 36-A, P.S. Chittaranjan,
Dist-Burdwan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA.

Calcutta, the 7th November, 1981

Ref. No. AC-61/Acq-R-IV/Cal/8182.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at P.S. Mogra, Dist-Hooghly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 10 Dec. with building Address Mouja—Rafaitpur P.S. Mogra, Dist. Burdwan Dag No. 72, Kh. No. 176, 178. Deed No. 1437 of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 7-11-1981.

Seal :

FORM ITMS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA.

Calcutta, the 1st December 1981

Re. AC-40/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 3459 situated at Behala, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore, 24-Pgs. on 16-4-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Gita Rani Bala,
Indrolok Housing Estate (3),
Block-'S', 5/7, Paikpara Road,
Calcutta 2.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Ganguli,
9/6, Dwijen Mukherjee Road,
Behala, Calcutta-60.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area: 2K-12 Chs.
Mouza P.S. Behala, Calcutta vide No. 3459, More particularly described in deed No. 1965 of S.R. Alipore, 24-Pgs. of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 1-12-81
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA.

Calcutta, the 1st December 1981

Ref. AC-41/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 23,000/- and bearing

Prem No. 193, situated at Block 'A', Bangur Avenue,
P.S. Lake Town, Cal-55
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the office of the Registering Officer at

D.R. Alipore 24-Pgs. on 1-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Smt. Gita Goswami & Ors.
Present address : P-80, Bangur Avenue,
Block-'C', Calcutta-55.

(Transferor)

(2) Sh. Narayandas Ahuja,
P-216, Bangur Avenue,
Block—'A, Cal-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area : 3K-12Ch-8 sq. ft.
Prem. No. 193, Block-'A, Bangur Avenue, P.S. Lake
Town, Calcutta-55. More particularly described in deed No.
3501 of D.R. Alipore, 24-Pgs. of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 1-12-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE-1

Pune-1, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/CA.5/SR.Kalyan/June 81/544/81-82.—
 Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 93-A 1/2 (Part) situated at Rambaug, Lane No. 4,
 Mouje Chikanghar, Kalyan, Dist. Thana
 and more fully described in the Schedule annexed hereto
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 S.R. Kalyan on June, 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Prabhakar Vashwant Suratkar, Rambaug, Lane No. 4, Kalyan.
- 2. Smt. Vimalaben Yashvant Suratkar, Rambaug, Lane No. 4, Kalyan.
- 3. Shri Kamalekar Yashvant Suratkar, Rambaug, Lane No. 4, Kalyan.
- 4. Shri Madhukar Yashvant Suratkar, Rambaug, Lane No. 4, Kalyan.
- 5. Shri Padmaker Yashvant Suratkar, Rambaug, Lane No. 4, Kalyan.

(Transferor)

- (2) Shri T. S. Narayanan,
 Secretary of Vishvabharati Co-operative Housing
 Society,
 Rambaug, Lane No. 4, Kalyan,
 Dist. Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property bearing S. No. 93-A, 1/2 (Part) situated at Rambaug, Lane No. 4, Mouje Chikanghar, Kalyan, Dist. Thane Admn. 249 Sq. mt.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1043 in the office of the S.R. Kalyan on June, 1981).

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona

Date : 19-11-1981
 Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Modern Construction Co.
C/o Indo Thane Tube Co.
Gokhale Road, Thane.

(Transferor)

(2) Keshar Kunj Co-operative Housing Society Ltd.
Rajaji Path, Ramnagar,
Dombivali East, 421201 Dist. Thana.

(Transferee)

(3) Members of the Co-operative Society.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE-1

Punc-1, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/CA.5/SR.Kalyan/June 81/545/81-82.—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 87, Plot No. 5 situated at Mouje Ayare, Rajaji Path
Ramnagar, Dombivali East, Dist. Thane
and I have reason to believe that the fair market
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Kalyan on June, 1981
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 87, Plot No. 5 situated at Mouje
Ayare, Rajaji Path, Ramnagar, Dombivali East, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under
Document No. 1009 in the office of the S.R. Kalyan on
June 81).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 19-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sent. Ganga Bhakt Ajwani,
339, Sindh Society,
Pune-7.

(Transferor)

(2) Ajwani Apartments Co-operative Housing Society,
710 8/19, Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PUNE-1

Pune-1, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/CA.5/SR.Haveli I/June/545/81-82.—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

C.T.S. No. 710 8/19, Plot No. 16 situated at
Bhavani Peth, Pune-2
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Haveli-II on June 81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 710 8/19 Plot No. 16, situated
at Bhavani Peth, Pune-2.

(Property as described in the sale deed registered under
Document No. 1712 in the office of the S.R. Haveli-II
in June 81).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 19-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Mino Shavaksha Devar,
Bungalow No. 2-A1, S. No. 247 plus
148/1, 1A-1A, 1A/1, C.T.S. No. 1462,
Yeraoda, Pune City.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunila Arunkumar Palekar,
Partner of M/s. Baba Builders,
At Plot No. 17A S. No. 247 plus 148
CTS No. 1462, Yeraoda, Pune City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE-1

Pune-1, the 26th November 1981

Ref. No. IAC/CA.5/SR.Haveli II/April 81/547/81-82.—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 17-A out of Survey No. 247 plus 14 B/1, 1-1A,
Now numbered 14 B/1, 1A-1A, 1A, 1A/1 CTS No. 1462
situated at Yeraoda, Tal. Haveli Dist. Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Haveli-II on 30-4-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 17-A out of S. No. 247 plus 14-B/1, 1-1A, Now numbered 148/1, 1A-1A, 1A, 1A/1 C.T.S. No. 1452 situated at Yeraoda, Tal. Haveli, Dist. Pune Admn. 836.10 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under Document No. 1399 in the office of the Sub-Registrar, Haveli II on 30-4-1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 26-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—396GI/81

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Hemant Manilal Kotak,
11, Bank Street, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Manubhai Ishwarbhai Patel
Managing Director of the
Antifriction Bearings Corporation Ltd.,
Pandit Jawaharlal Nehru Marg,
Donawala-410401,
Dist. Pune.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE-1

Pune-1, the 26th November 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Maval/April 81/550/81-82.—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360, C.S. No. 169 (Part) 173 (Part) situated at Ward B, Lonawala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Maval on 18-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 4 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C.S. No. 169 (Part) 173 (Part) Ward B, Lonawala Admn 1101 sq. mtrs.

(Property as described in the sale deed registered under Document No. 748 in the office of the Sub Registrar, Maval on 18-4-1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 26-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Hemant Manilal Kotak,
11, Bank Street, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE-1

Pune-1, the 26th November 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Maval/April 81/548/81-82.—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360, C.S. No. 169 (Part) 173 (Part) situated at Ward B, Lonawala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR. Maval on 18-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Manubhai Ishwarbhai Patel
Managing Director of the
Antifriction Bearings Corporation Ltd.,
Pandit Jawaharlal Nehru Marg,
Donawala-410401,
Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 19 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C.S. No. 169 (Part) 173 (Part) Ward B, Lonawala Admn. 1148 sq. mtrs.
(Property as described in the sale deed registered under Document No. 749 in the office of the Sub Registrar Maval on 18-4-1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE-1

Pune-1, the 26th November 1981

Ref. No. LAC/CA 5/SR. Maval/April 81/549/81-82.—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. 3 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and
S. No. 360, C.S. No. 169 (Part) 173 (Part) situated at
Ward B, Lonawala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SR Maval on 18-4-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(1) Shri Hemant Manilal Kotak,
11, Bank Street, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Ishwarbhai Patel
Managing Director of the
Antifriction Bearings Corporation Ltd.,
Pandit Jawaharlal Nehru Marg,
Donawala-410401,
Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 3 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C.S. No. 169 (Part) 173 (Part) Ward B, Lonawala Admn 1208 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under
Document No. 750 in the office of the Sub Registrar,
Maval on 18-4-1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 26-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Hemant Manilal Kotak,
11, Bank Street, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PUNE-1

Pune-1, the 26th November 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Maval/April 81/550/81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 20 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360, C.S. No. 169 (Part) 173 (Part) situated at Ward B, Lonawala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR. Maval on 18-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Manubhai Ishwarbhai Patel
Managing Director of the
Antifriction Bearings Corporation Ltd.,
Pandit Jawaharlal Nehru Marg,
Lonawala-410401,
Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 20 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C.S. No. 169 (Part) 173 (Part) Ward B, Lonawala Admin. 1154 sq. mtrs.

(Property as described in the sale deed registered under Document No. 751 in the office of the Sub Registrar, Maval on 18-4-1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 26-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1265 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Nondh No. 929 & 930, Kelani Vakhar, Wd. No. 12,
situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Maherbai Nadarsha Vajiddar;
Nadarsha Navashtha Vajiddar;
Kelani Vakhar, Rani Talav, Surat,
(Transferor)

(2) 1. Shri Chimanlal Maganlal;
2. Shri Mohanlal Maganlal;
3. Shri Kantilal Maganlal;
All being Karta and guardian of family, Lal Gate,
Khand Bazar, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 929-930, Kelani Vakhar Rani
Talav, Surat, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18th November, 1981
Seal :

FORM ITNS~

(1) Bai Diwali Wd/ Chhitabhai Nathubhai;
Hiraben Chhitabhai;
Gadkhola, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

(2) 1. Hiralal Kanchanlal Modi;
2. Dineshchandra Zaverlal Modi;
Parsivad, Ankleshwar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1266 Acq.23-II/81 82.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. No. 89 situated at Gadkhola
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ankleshwar on 24-4-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at Gadkhola—S. No. 89, duly registered on
24-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18th November, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

whichever period expires later;
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1267 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 93/1 land situated at Gadkhola (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Ramabhai Trikambhai; Gadkhola—Tal. Ankleshwar.
(Transferor)

(2) 1. Sushilaben Narharilal Gheewala, Parsivad, Ankleshwar.
2. Kailashben Mohanlal Modi, Pipla Khadki, Ankleshwar.
3. Meena Traun Tralsawala Lallubhai Chakla, Near Kaburarkhana, Broach.
4. Mayaben Champaklal Lallubhai Chakla, Near Kabutarkhana, Broach.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Gadkhola, S. No. 93/1, registered on 20-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18th November, 1981
Seal :

FORM ITN8-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1268 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 98 paiki land situated at Gadkhola—Ankleshwar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on 9-4-81 and 10-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

S/Shri
(1) Vammalibhai Motibhai;
Shivlal Motibhai;
Muganbhai Motibhai;
Dahyabhai Motibhai;
Gadkhola, Ankleshwar,

(2) Shri V. K. Agarwal;
Constituted Attorney;
for Piramal Rasayan Ltd.,
126/127, G.I.D.C., Ankleshwar.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Gadkhola—S. No. 98, duly registered on 9-4-81 and 10-4-81 (Regn. No. 513, 522).

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—396GJ/81

Date : 18th November, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II,
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1269 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 95, situated at Gadkhol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 21-4-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri
 (1) Dahyabhai Chhaganlal;
 Babubhai Chhaganlal;
 Maniben Chhaganlal;
 Khushalbhai Chhaganlal;
 Jagpalbhai Chhaganlal;
 Hasuben Chhaganlal;
 Taraben Chhaganlal;
 Gadkhol, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanchanlal Mathurdas Gandhi;
 Kansara Falia, Ankleshwar.

2. Shri Champaklal Pranjivandas Tralsawala;
 Lallubhai Chakla, Kabutarkhana, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THIS SCHEDULE

Property at Gadkhol S. No. 95, duly registered on 21-4-81.

G. C. GARG
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Ahmedabad

Date : 18th November, 1981
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1270 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 96 situated at Gadkhola (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mohanbhai Chunibhai Patel,
Gadkhola, Tal. Ankleshwar,

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Motors Pvt. Ltd,
Malvi Dharamshala,
Opp. Railway Station,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Gadkhola, S. No. 96, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18th November, 1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Somiben Wd/o Khushal Natha; Gadkhol, Tal. Ankleshwar. (Transferor)
 (2) 1. Hiralal Kanchanlal Modi; 2. Dineshchandra Varerlal Modi; Parsiad, Ankleshwar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1271 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 88 situated at Gadkhol (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Ankleshwar on 24-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Gadkhol, S. No. 88, duly registered on 24-4-1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 18th November, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 19th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1272 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil situated at Bhalav, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on 10-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Chandubhai Mathurbhai Patel; Bhagwanbhai Mathurbhai Patel; Zadeshwar, Broach.
(Transferor)

(2) Partners of Sanjay Organiser;
1. Farastam Ratilal Bhamwala—Pritam, Society, Broach.
2. Nagitbhai Maneklal Chunawala—Vadavada
3. Rajen Baldevdas Shah, Gandhigram Socy., Broach
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as described in 37G, duly registered on 10-4-81 at Broach.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19th November, 1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Laxmi Organiser,
Budhadev Market, Broach.
(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Kanjibhai Makwana;
Chairman,
Laxminagar Coop. Housing Society,
B-6, Budhdev Market, Broach.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 19th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1273 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 163, Sub-plot No. 3, situated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 27-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Property at R. S. No. 163, duly registered on 27-4-81 at Broach.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Pallaviben Ashwinbhai Patel
6A/8, Sardarnagar Society,
Baroda.

(Transferor)

(2) Prajapati Lallubhai Gagaram;
4-B/7, Sardarnagar Society,
Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1274 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 12-12 Plot No. 8 (S. No. 1318) situated at Nizampura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 12-13, Plot No. 8, C.S. No. 1418 Nizampura, duly registered on 30-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1275 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13, Ind. 194, 195 paiki Plot No. 174 & 195 situated at Udhna Udyognagar Sahakari Sangh, Udhna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohanlal Lallubhai Patel;
Shri Narottam Lallubhai Patel;
Nogamapardi, Tal. Barodoli,
Dist. Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Golden Ray, Industries (Pvt.) Ltd.
194, 195, Road 6-F,
Udhna Udyognagar, Udhna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Udhna Udyognagar at Plot No. 194-195 duly registered on 20-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 20th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1463 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 69 and 69A situated at Vijaynagar area of Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1) 1. Muktaben Jethalal Thakkar,
Gerivari Vandi, Bhuj (Kutch)
2. Indumati Ben Kailyanjee Kothari,
Gerivari Vandi, Bhuj (Kutch).
(Transferor)

2) Shah Zaverechand Jethabhai Savala (HUP),
Mota Asambia (Kutch).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Vijaynagar area of Bhuj—bearing Plot No. 69 and 69A, adm. 369.36 sq. mts. and 528.91 sq. mts. as fully described in sale-deeds registered with the registering authority of Bhuj vide Regn. No. 1036 & 1034 dated 21-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—396GI/81

Date : 18th November 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1462 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 69 & 69A situated at Vijayanagar Area of Bhuj-Kutch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Kuktaben Jethalal Thakkar; Gerivari Vandi, Bhuj (Kutch),
2. Indumatiben Kalyanjee Kothari; Gerivari Vandi—Bhuj (Kutch).
(Transferor)

(2) Shah Zaverchand Jethabhai Savala (HUF), Mota Asambia (Kutch).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Vijayanagar area of Bhuj bearing Plot No. 69 & 69A, adm. 369.36 sq. mts. & 528.91 sq. mts. as fully described in sale-deed registered with the registering authority of Bhuj vide Regn. No. 1035 & 1034.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18th November 1981.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Jethalal Patel;
Vasan Fali, Kambivad, Bhavnagar.
(Transferor)

(2) Shri Zanpadia Popatil Bhagwanbhai;
Plot No. 2368A, Krashnanagar, Kansarano Kantho,
Subhashnagar, Bhavnagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1464 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Plot No. 2369A situated at Krashnanagar, Kansara-no-Kanthal, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 22-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Wd. No. 6, bearing Plot No. 2368A at Krashnanagar adm. 959.77 sq. mts. as fully described in the sale-deed duly registered with the registering authority at Bhavnagar vide Regn. No. 814/81 dated 22-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20th November, 1981.
Seal :

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1461 Acq. 23-J/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 481, Plot No. 74 paiki situated at Near Aerodrome, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 24-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mohanlal Kashabhai Dholariya;
Village : Gadhaka, Dist. Rajkot. (Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar Natverlal Shah;
82, Galaxy Apartment, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land adm. 641.4 sq. yds., bearing S. No. 481, Plot No. 74, situated near Aerodrome, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 3224/24-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18th November 1981.
Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Nathalal Liladhar Raichura & others;
32/38, Prahlad Plot, Rajkot.
(Transferor)

(2) 1. Shri Amratlal Popatlal Hadwani;
4-Sardarnagar West, Rajkot.
2. Shri Avachar Mohanbhai Bhalodiya;
Tagorenagar, Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 266D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 18th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1460 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 60, Lekh No. 387-388 situated at Sheri No. 22, New Jagnath Street, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land adm. 500 sq. yds. in Sheri No. 22, of New Jagnath, Rajkot, bearing Plot No. 60, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 2803/14-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 266D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18th November 1981.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narvani Bachumal Thavardas;
Mahim, Shri Vivekanand Housing Society,
Lady Hajdreen Road, Bombay-16.
(Transferor)

(2) Shri Satyadeo Gangaram Naryani;
Ghogha Circle, Plot No. 1286,
Bhavnagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1465 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sheet No. 196, Wd. No. 5, Plot No. 907-B situated at Krushnagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 21-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and bldg. situated at Krushnagar, Behind Diamond Chowk, bearing Sheet No. 196, Wd. No. 5, adm. area 536.73 sq. mts. as fully described in the sale-deed registered with the registering authority at Bhavnagar vide Regn. No. 859 dated 21-4-1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1468 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 136/6, Jai Gita Bharati Textile Ptg. Factory Fulwadi, Jetpur, Dist. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 10-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Appollo Textile Dyeing & Ptg. Works, through partner : Shri Rajendrakumar Sukhramdas, & others; Ambli Sheri, Jetpur, Dist. Rajkot. (Transferor)

(2) M/s. Jai Gita Bharati Textile Printing, Fulwadi, Near Ramji's Mandir, Jetpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory known as Jaigita Bharati Textile Ptg., standing on land 833.6 sq. yds. situated at Fulwadi, Jetpur, duly registered by Sub-Registrar, Jetpur vide sale-deed No. 308/10-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23rd November, 1981.
Seal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1467 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,

G. C. GARG;
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 10/2, Plot Nos. 20, 30 & 31 situated at Rajkot—Junagadh Road, Jetpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Rasiklal Jethalal;
Kapad Bazar, Jetpur.
2. Shri Babulal Ukabhai Patel;
Khadpara, Vekariya Mansion,
Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Rajeshwari Coop. H. Socy. Ltd.,
C/o Shri Pareshkumar Govindlal Patel;
Jetpur-Junagadh Road, Opp. Commerce College,
Jetpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 10/2, Plot Nos. 20, 30 & 31 adms. 1960 sq. yds. situated at Junagadh-Rajkot Road, Opp. Commerce College, Jetpur, duly registered by Sub-Registrar, Jetpur vide sale-deed No. 259/6-4-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23rd November
Seal :

FORM ITNS—

(1) Amar Bharati Dyeing & Ptg. Works;
through : Partner : Shri Laxmanshai Shamjibhai &
others;
Kapuriyapara, Gondal, Dist. Rajkot.
(Transferor)

(2) Jalaram Textile;
through : Shri Kantilal Valjibhai Karla;
12, Paradise Park, Ashram Road, Shantinagar,
Ahmedabad-13.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1466 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 853, Plot No. 10, situated at Northern side of Bhadan Bridge, Jetpur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jetpur on 7-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
22—396GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property i.e. factory standing on land adm. 1010.56 sq. yds. bearing S. No. 853, Plot No. 10, situated at Northern side of Bhadan Bridge, Jetpur, duly registered by Sub-Registrar, Jetpur, vide sale deed No. 279/7-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23rd November, 1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1469 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1048, Part No. 1, situated at Village : Vejalpur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dashrathbhai Punjabhai Patel;
Shri Mahendrabhai Dashrathbhai Patel; & other;
Pasalo Vas, Village Jodhpur, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Shri Shankerlal Motilal Mistry;
Amardeep Jagabhai Park,
Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at village Jejalpur, Dist. Ahmedabad, bearing S. No. 1048 Part No. 1, adm. 0-37 gunthas as fully described in the sale deed registered with the registering officer, at Ahmedabad vide Regn. No. 3396 dated 9-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25th November, 1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Tapubhai Velabhai;
2. Shri Devjibhai Velabhai;
both at Village Saragwada, Dist. Junagadh.
(Transferor)

(2) 1. Shri Kalidas Chhaganlal;
2. Shri Chandulal Chhaganlal;
3. Shri Dineshkumar Jeramdas;
All at Junagadh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1470 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 18/1, paiki, situated at Village Sabalpur, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Junagadh on 14-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 18/1 paiki situated at village Sabalpur, Dist. Junagadh, duly registered by Sub-Registrar, Junagadh vide sale-deed No. 957/14-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26th November, 1981.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sombhai Narsighai;
Voval, Taluka : Gandhinagar.
(Transferor)

(2) Smt. Mangalaben Babulal Soni;
Sector 22, Plot No. 373,
Gandhinagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1276/Acq.23-/81-82.— Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 172 situated at Voval, Taluka : Gandhinagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 172 at Voval, duly registered on 30-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 23-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Jivanji Bhaijiji & others;
Village : Kundasan,
Taluka : Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Dr. Amrish Jagmohan Parikh;
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad,, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1277/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as described in 37G registered vide No. 676 dated 28-4-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 28-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as described in 37G vide No. 676/dated 28-4-1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shankerbhai Revandas Patel & others;
Village Koba, Gandhinagar.
(Transferor)

(2) Shri Harshvadan Hathising Shah;
Shri Vijay Hathising Shah;
Jatun Flats, Near Law Garden,
Ahmedabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1278/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 85-1 situated at Moje Koba—Taluka Gandhinagar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Koba S. No. 85-1 duly registered on 27-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS-

(1) Patel Shamalbhai Vithalbhai;
Patel Ishvarbhai Vithalbhai;
Valol, Tal. Gandhinagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1279/Acq.23-II/81-81.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
S. No. 30/2 situated at Vavol, Taluka : Gandhinagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar on 21-4-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(2) Promoters of Karm Sudha Coop. Hsg. Society;
1. Shri Thakkar Maganlal Kunverji;
Village : Kesardi, Tal. Dholka, Dist.
Ahmedabad
2. Shri T. V. K. Murty,
Sector, 20-No. 3/3, Type GH,
Gandhinagar.
3. Shri P. V. Vyas,
Sector 16, B. No. 76/6, Type H,
Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 30/2 at Vavol, Tal. Gandhinagar, duly
registered on 21-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

Date : 23-11-1981

Seal :

FROM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1280/Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 95, & 96 situated at Nabhoi, Taluka Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramanbhai Girdharbhai; Vidyanagar Society, Usmanpura, Ahmedabad. Shri Budhalal Jamnadas, Vidyanagar Society, Usmanpura, Ahmedabad. Patel Gandhabhai Becharbhai; Village : Koba, Tal Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Shri Harshvadan Hathisingh Shah; Shri Vijay Hathisingh Shah, Jatan Flats, Near Law Garden, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nabhoi, Taluka Gandhinagar, S. No. 95 & 96 duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1281/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act)), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 28, situated at Village Sughad, Taluka Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 27-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Bai Suraj Wd/o Motiji Kanuji, Saggarben Wd/o Manaji Motiji self and Guardian of Amratben Manuji, Chanduji urfe Karanji Manuji, Village : Koba, Tal. Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Dr. Amrish Jagmohan Parikh, Behind High Court, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at village Sughad, S. No. 28, duly registered on 27-4-1981.

G. C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—396GI/81

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS-

(1) Thakor Udaji Maganji,
Voval, Taluka : Gandhinagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1282/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 64 paiki land situated at Voval, Taluka Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 24-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 64 paiki land at Vavol, duly registered on 24-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babuji Javaji Vaghela,
Shri Khodaji Javanji Vaghela,
Village Sargasan, Tal. Gandhinagar.
(Transferor)

(2) 1. Shri Shankerbhai Prabhudas Patel,
12-C, Apna Bazar, Gandhinagar.
2. Shri Trikambhai Muljibhai Patel,
1-Karnavati Society, Ahmedabad-28.
3. Shri Kashiram Khodidas Patel,
22, Mithila Park Society,
Ahmedabad-15.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1283/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 437/1/2/3 situated at Village Sargasan, Tal.
Gandhinagar

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at Sargasan, Tal. Gandhinagar, S. No. 437/1/2/3
duly registered on 20-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Jinaben Somabhai Patel,
Vavol, Taluka : Gandhinagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Patel Popatbhai Vithalbhai,
Vavol, Tal. Gandhinagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1284/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 66/1 situated at Vavol, Taluka Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Property at Vavol, S. No. 66/1, duly registered on 9-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, IIHANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1285/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 162/2, situated Village Vavol, Taluka : Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Motibhai Bababhai Solanki;
Shri Ramanbhai Bababhai Solanki;
Bai Santok Wd/o Bababhai Narsinhbhai;
Village : Vavol, Taluka : Gandhinagar.
(Transferor)

(2) Shri Naranbhai Shamalbhai Patel;
Village : Vavol, Tal. Gandhinagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 162/2, at Vavol duly registered on 9-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1286/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- S. No. 804 situated at Village : Vavol, Taluka : Gandhinagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bhatt Kantaben Mafatlal;
Shri Jagdishchandra Mafatlal;
Shri Sureshchandra Mafatlal;
Village : Vavol, Tal. Gandhinagar. (Transferor)
(2) Patel Kashibhai Bakorhai;
Village Vavol, Taluka : Gandhinagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 804 at Vavol, duly registered on 6-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Gor Kesuji Jethaji,
Village : Vavol, Gandhinagar Taluka.
(Transferor)

(2) President :
Smt. Niruben Natvarlal Bhavsar,
Shree Aibudh Coop. Hsg. Society Ltd.,
Sector No. 29, 16/1, Gandhinagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1287/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 543 situated at Village Vavol, Gandhinagar Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 543 at Vavol, Taluka Gandhinagar duly registered on 9-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 23-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1288/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing S. No. 516 situated at Village : Vavol, Gandhinagar Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Gor Sendhaji Gopalji,
Chanchalba Gopalaji;
Bhikhiji Jesangji,
Kesarba Gopalji.
Village : Vavol, Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Gor Hamirji Kanji,
Promoter of Shri Rang Avdhut Coop. Hsg. Society,
Village Valda, Taluka : Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 516 at Vavol, duly registered on 6-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November, 1981

Ref. No. P.R. No. 1289/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 542 situated at Village Vavol, Gandhinagar Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 3-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jevangji Manaji Gor;
Shri Chaturji Manaji Gor
Shri Javanji Manaji Gor
Village Vavol, Gandhinagar Taluka.
(Transferor)

(2) President of Shri Yogeshwar Coop. H. Society;
Shri Madhavlal Joitaram Patel;
Sector No. 20, B. No. 90/4, Gandhinagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 542, duly registered on 3-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
24—396GT/81

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 23rd November 1981

Ref. No. P.R. No. 1290/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 233-2 situated at Sughad village Gandhinagar Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 2-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Jibha Wd/o Manuji Ramji;
Shantaben Wd/o Popatji Manuji;
Pravinchandra Popatji
Shantaben Popatji guardian of minor son
Jasvant Popatji;
Ranchhodji Khadki, Nr. Swaminarayan Temple,
Kalupur, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Dr. Somabhai Chhakudbhai Desai—Karta of HUF.
Kailashnagar Society, Sardar Patel Stadium,
Navrangpura, Ahmedabad-9.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Sughad—Taluka Gandhinagar S. No. 233-2, duly registered on 2-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Partner of East Engg. Co.
Smt. Dhirajbala Chandrakant Amin;
Vallabh Vidyanagar, Anand.

(Transferor)

(2) Director of Sudeep Rub-Chem. Pvt. Ltd.
Shri Deepak Narharibhai Chokshi;
Vallabhvidyanagar, Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1291 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 295 situated at Karamsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 22-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Karamsad R. S. No. 295, duly registered on 22-4-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24th November, 1981
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Shankerhai Chhotabhai & others;
Rajodpura, Tal. Anand.

(Transferor)

(2) Patel Savitaben Sureshbhai & others;
Kailasnager Society,
Anand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1292 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. S. No. 1601, TPS-4, F.P. 127, Sub-Plot 1, situated at Anand (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 3-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 1601, TPS.4, F.P. 127, Sub-Plot 1, duly registered on 3-4-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 24th November, 1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shankerbhai Chhotabhai & others;
Rajodpura, Taluka : Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Patel Sushilaben Kantibhai & others;
Kailashnagar Society, Anand.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1981

Ref. No. P.R. No 1293 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,

G. C. GARG,
being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1601, TPS. 4, F.P. 127, Sub-Plot No. 3, situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 3-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1601, TPS. 4, F.P. No. 127, Sub-Plot No. 3, duly registered on 3-4-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dt. : 24th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1294 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 41, TPS. 3, F.P. 101 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 2-4-81 & 3-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Patel Jasvantbhai Shankerbhai; Anand—Mota Adadh; Patel Janakbhai Shankerbhai, Anand—Mota Adadh. Patel Shankerbhai Naranbhai, Anand—Mota Adadh. (Transferor) (s)

(2) President of Giriraj Coop. Housing Society Ltd. Shri Arvindbhai Bhikhhabhai Shah; Ambica Society, Anand. (Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 41, TPS 3, F.P. 101 duly registered on 2-4-81 and 3-4-81 and 4-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 24th November, 1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Hirubhai Bhiwa Bhoir.

(Transferor)

(2) Nav-Godi Karmachari Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1981

Ref. No. AR-III/1977-9/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 74 (pt) C.T.S. No. 564 (pt) situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-4-81 (Document No. S-2564/79)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2564/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 16-4-1981.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-12-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th December 1981

Ref. No. ARII/3181-7/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83C/9A. S. No. 366, 4059 plot No. 65, situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 2-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(1) Dr. Chimanlal Mohanlal Kamdar,
Nishank-Meera Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) (Rs per form No. 37G only transferee has been shown as interested in the property)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 977/79 and registered on 2-4-1981 with the Joint Sub-Registrar, Bandra, Bombay.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bandra, Bombay.

Date : 8-12-81.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 8th December 1981

Ref. No. Acq. R.I/4534/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS No. 384 & 385 of Tardeo Div. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-4-1981 Document No. 1882/89/BOM. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. N. Awasthi, R. P. Awasthi, S. K. Mishra.
(Transferor)
- (2) Mahendra Halibhai Mehta.
(Transferee)
- (3) The list of persons interested is not given, however, on enquiry the list of tenants found is given in Annexure :—

ANNEXURE

LIST OF TENANTS OF AWASTHI CHAWLS NOW KNOWN AS MEHIEOVI ESTATE SITUATED AT 404, SONE GURUJI MARG, BOMBAY 400 036

S. No. & Name of the Tenant

1. Shri M. S. Aiyare
2. Shri S. K. Shah
3. Shri R. S. Balikaran
4. Shri M. S. Pol
5. Shri R. A. YadHAV
6. Shri T. B. Ghite
7. Shri R. J. Tiwari
8. Shri T. P. Upadhye
9. Shri S. B. Singh
10. Shri S. S. Aiyere
11. Shri B. G. Pawaskar
12. Shri G. S. Ahire
13. Shri B. B. Singh
14. Shri K. B. Singh
15. Shri Premkishore Sukle
16. Shri Pratap Singh R. Bene

17. Shri P. K. Soni
18. Shri D. B. Upadhye
19. Shri B. B. Ahire
20. Shri J. J. Awasthi
21. Shri C. V. Amritra
22. Shri N. S. Dobhi
23. Shri Mehiram Chunilal
24. Shri Balvind Ragbir Mourye
25. Shri R. P. Bharke
26. Shri V. N. Solanki
27. Shri P. V. Sawant
28. Shri C. K. Chawhan
29. Shri Mansukhlal Mohanlal
30. Shri Y. B. Chedi
31. Shri A. K. Mourye
32. Shri G. P. Ugale
33. Shri Narhari Damodar
34. Shri N. V. Mehta
35. Shri J. R. Singh
36. Shri J. V. Mehta
37. Smt. Savitribai Jeyanthilal
38. Shri Kantilal Mohanlal
39. Shri J. A. Wagale
40. Shri N. C. Patel (Godown)
41. Shri B. J. Vakharie
42. Shri T. S. Rathod
43. Shri A. C. Shah
44. Shri Manilal Baichand Shah
45. Shri M. R. Shah
46. Shri M. S. Shah
47. Shri B. H. Joshi
48. Shri Suresh Mansukhlal Dharji
49. Shri Y. S. Chauhan
50. Shri G. R. Dharji
51. Shri K. P. Soni
52. Shri K. N. Prasad
53. Shri P. R. Gupta
54. Shri V. B. Dobhi
55. Shri V. B. Rane
56. Shri V. B. Gahe
57. Shri A. P. Rathod
58. Shri Y. S. Chawhan
59. Shri Amarnath Mishra
60. Shri P. D. Dherji
61. Shri M. V. Chowhan
62. Shri H. K. Ratansey
63. Smt. Jaxmibhi Lalji
64. Shri M. B. Phod
65. Shri S. M. Panchoel
66. Shri R. L. Morva
67. Shri M. M. Mehta

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bombay 1882/89 and as registered on 14-4-1981 with the Sub-Registrar of Bombay.

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 8-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Bhauram Ganpat Mhatre.

(Transferor)

(2) Natwarlal Dulpatram Bosumiya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1981

Ref. No. AR-II/3183-3/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. 871 & 871(1) & (2) S. No. 218 situated at Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-4-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the registered No. S 3534/80 and registered on 15-4-1981 with the sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-81.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Limited.

(Transferor)

(2) Smt. Prafulaben Manukant Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1981

Ref. No. AR-II/3184/Apr/81.—Whereas, 1, SUDHAKAR VERMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 27 TPS II CS No. F/1164 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered No. S. 713/78 and registered on 24-4-1981 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VERMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-81

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jainabhai Wd/o Jan Mohamed A. A. Moosa
(Transferor)

(2) Shri Abdul Majid Abdul Patel.
(Transferee)

(3) Tenants. (Person in occupation of the property)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th December 1981

Ref. No. 4553/3/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VERMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 12550/Mandvi Division situated at Mandvi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the registered no. Bom 1122/78 and registered on 15-4-1981 with the sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VERMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—